हिन्दी दैनिक

RNI : CTHIN/25/A1911

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 73 ● भिलाई, गुरुवार 18 सितम्बर 2025 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

रेलवे ट्रैक पर कटकर युवक की मौत, मानसिक परेशानी से जूझ रहा था

यमुना। जगाधरी वर्कशॉप और दराजपुर रेलवे स्टेशन के बीच एक युवक की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। मृतक की पहचान हसनपुरा निवासी 35 वर्षीय रवि कुमार के रूप में हुई। राजकीय रेलवे पुलिस के जांच अधिकारी नवीन कुमार ने बताया कि अलसुबह रेलवे मेमो के माध्यम से सूचना मिली थी कि रेलवे लाइन पर एक शव पड़ा है। टीम मौके पर पहुंची तो शव पूरी तरह से कटा हुआ मिला। परिजनों ने शव की पहचान रवि के रूप में की। परिजनों के अनुसार, रवि लंबे समय से मानसिक रूप से परेशान था। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराया और परिजनों को सौंप दिया।

दौसा में ट्रेन हादसा या आत्महत्या : ट्रेनी सब-इंस्पेक्टर की संदिग्ध मौत

दौसा। रेलवे स्टेशन के पास सोमवार देर रात हुई एक दर्दनाक घटना ने पुलिस महकमे को भी सन्न कर दिया। मालगाड़ी की चपेट में आने से धौलपुर पुलिस लाइन में पदस्थापित ट्रेनी सब-इंस्पेक्टर (एसआई) राजेंद्र कुमार सैन की मौत हो गई।पुलिस के अनुसार सब-इंस्पेक्टर भर्ती-2021 में चयनित ट्रेनी एसआई राजेंद्र कुमार सैन भरतपुर के बल्लभगढ़ के रहने वाले थे। हादसे के बाद उनकी पहचान सिम के आधार पर की गई। वे धौलपुर पुलिस लाइन में पोस्टेड थे। दौसा में अपने भाई से मिलने आए थे। पुलिस अब जांच कर रही है कि वे स्टेशन कब पहुंचे। यह हादसा था या उन्होंने सुसाइड किया। उनके परिवार से भी पूछताछ की जा रही है। राजेंद्र ने 13 दिन पहले एक वॉट्सएप ग्रुप पर डिप्रेशन से भरी एक पोस्ट शेयर की थी। इसमें उन्हें अपनी और बहन की शादी के साथ पिता की बीमारी की भी जिक्र किया था। आरपीए में ट्रेनिंग के दौरान बने साथियों के वॉट्सऐप ग्रुप में 3 सितंबर को एक पोस्ट शेयर की थी। इसमें लिखा था कि मैं मेरी शादी करूं या सिस्टर की या आगे पढ़ाई करूं, कुछ समझ नहीं आ रहा है।

बाड़मेर में प्रेम प्रसंग का दर्दनाक अंत, सरकारी टीचर ने प्रेमिका की हत्या की

बाड़मेर। सीकर जिले की आंगनबाड़ी सुपरवाइजर मुकेश कुमारी (37) की सोमवार सुबह बाड़मेर के रीको थाना क्षेत्र में हत्या कर दी गई। उसका लहूलुहान शव अल्टो कार की ड्राइवर सीट पर मिला। पुलिस ने आरोपी सरकारी शिक्षक मानाराम (38) को डिटेन कर लिया है। पुलिस के अनुसार मुकेश 5 दिन पहले बाड़मेर आई थी और मानाराम के घर पर रुकी हुई थी। 14 सितंबर को वह कार से मानाराम के गांव गई, लेकिन उसने परिवार से मिलवाने से इनकार कर दिया। इसके बाद मुकेश पुलिस चौकी पहुंची और शादी का झांसा देने का आरोप लगाया। पुलिस ने दोनों को समझाकर भेज दिया था। सोमवार सुबह दोनों में फिर झगड़ा हुआ। गुस्से में मानाराम ने लोहे की सरिए से वार कर मुकेश की हत्या कर दी।

भैंसोला गांव में पीएम मित्र पार्क की आधारशिला रखी

भारत परमाणु खतरों से नहीं डरता पाकिस्तान को घुटनों पर ला दिया

धार/ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने जन्मदिन पर मध्य प्रदेश के दौरे पर रहे। उन्होंने प्रदेश के धार जिले के बदनावर तहसील के भैंसोला गांव में पीएम मित्र पार्क की आधारशिला रखी। इसके अलावा कई अन्य योजनाओं की सौगात भी प्रदेश की जनता को दी। करीब 40 मिनट के भाषण में पीएम मोदी ने आतंकवाद, पाकिस्तान, स्वास्थ्य, विकास, गरीबी और स्वदेशी पर बात की। पीएम मोदी ने देशवासियों से स्वदेशी पर गर्व करने और उसे अपनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि देशवासी जो भी खरीदें वो देश में ही बना होना चाहिए। जो खरीदें, उसमें किसी न किसी हिंदुस्तानी का पसीना होना चाहिए। उसमें हिंदुस्तान की मिट्टी की खुशबू होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मुझे 2047 विकसित भारत बनाना है, जिसका रास्ता आत्मनिर्भर भारत से जाता है। उन्होंने गर्व से कहो, ये स्वदेशी है का नारा भी लोगों से लगवाया। पीएम मोदी ने कौशल और निर्माण के देवता भगवान विश्वकर्मा की जयंती पर उन्हें नमन कर अपने संबोधन की शुरुआत की। सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने पाकिस्तान और आतंकवाद पर हमला बोला। पीएम मोदी ने कहा कि ये नया भारत है, ये किसी की परमाणु धमकियों से नहीं डरता है। ये नया भारत, घर में घुसकर मारता है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान से आए आतंकियों ने हमारी बहनों-बेटियों का सिंदूर उजाड़ा था। हमने ऑपरेशन सिंदूर करके आतंकी ठिकानों को उजाड़ दिया। हमारे वीर जवानों ने पलक झपकते ही पाकिस्तान को घुटनों पर ला दिया। अभी कल ही देश और दुनिया ने देखा है, फिर एक पाकिस्तानी आतंकी ने रो-रो कर अपना हाल बताया। पीएम मोदी ने कहा कि मां भारती से बड़ा कुछ नहीं है। हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने सबकुछ देश के लिए समर्पित कर दिया था। वे बस यही चाहते थे कि हमारा देश गुलामी की जंजीरों को तोड़कर आगे बढ़े। इसी प्रेरणा से हमने विकसित भारत बनाने का संकल्प लिया है।

स्वदेशी को विकसित भारत की नींव बनाना है

सभा के अंत में पीएम मोदी ने देशवासियों से स्वदेशी अपनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि देशवासी जो भी खरीदें वो देश में ही बना होना चाहिए। जो भी खरीदें, उसमें पसीना किसी न किसी हिंदुस्तानी का होना चाहिए। उसमें हिंदुस्तान की मिट्टी की खुशबू होनी चाहिए। सभी व्यापारी भाई-बहन जो भी बेचें वो देश में ही बना होना चाहिए। अब हमें स्वदेशी को विकसित भारत की नींव बनाना है। ये तब होगा जब हम देश में बनी हुई चीजों को गर्व से खरीदेंगे। हमें सबसे पहले देखना है कि क्या ये देश में बना है। जब हम ऐसा करते हैं तो हमारा पैसा देश में ही रहता है, जब पैसा देश में रहता है तो उससे देश का विकास होता है। उसी से सड़कें बनती हैं, योजनाएं चलती हैं। इससे ही नए रोजगार पैदा होते हैं।

गरीबी खत्म करने पर फोकस-मोदी

सभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि गरीब की सेवा मेरे जीवन का उद्देश्य है। हमारी सरकार गरीबों को केंद्र में रखकर योजनाएं बना रही है। समर्पण भाव से काम करने के कारण पिछले 11 साल के परिश्रम के कारण आज देश के 25 करोड़ लोग गरीबी के जीवन से बाहर आ गए हैं। समाज को नया आत्मविश्वास मिला है। सरकार के सारे प्रयास गरीबों की जिंदगी बदलने वाली मोदी की गारंटी है। उन्होंने कहा कि मुफ्त राशन योजना के आंकड़े सुनकर विदेशियों की आंखे फटी रह जाती हैं। आज भी इस योजना के तहत मुफ्त आनाज दिया जा रहा है। पीएम आवास योजना के तहत जो राशि दी गई है, उसमें ज्यादातर घर महिलाओं के नाम पर हैं। करोड़ों बहने मुद्रा योजना के तहत लोन लेकर नए व्यापार कर रही हैं।

विकसित भारत की यात्रा के चार स्तंभ हैं। नारी शक्ति, गरीब, युवा और किसान। इस कार्यक्रम में चारों स्तंभों को मजबूती देने का काम हुआ है। ये कार्यक्रम धार में हो रहा है लेकिन, ये पूरे भारत के लिए हो रहा है। आज यहां से स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार जैसे महाअभियान की शुरूआत हो रही है। नारी शक्ति राष्ट्र की प्रगति का मुख्य आधार है। घर में मां ठीक रहती है तो पूरा घर ठीक रहता है। अगर, मां बीमार हो जाए तो परिवार की सारी व्यवस्थाएं चरमरा जाती है। इसलिए स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान माताओं को समर्पित है। इसका मकसद है एक भी महिला जानकारी के अभाव में किसी भी बीमारी का शिकार ना हो। ऐसी बीमारियां जिनका महिलाओं को सबसे ज्यादा खतरा है, उन्हें शुरूआत में पकड़ना जरूरी है। कैंसर जैसी भयंकर बीमारियों की जांच शुरूआत में ही की जाएगी। पीएम ने कहा, हमने प्रधानमंत्री मातृवंदना योजना का फायदा साढ़े 4 करोड़ गर्भवती महिलाओं को मिल चुका है। 19 हजार करोड़ से ज्यादा की राशि देश की माताओं-बहनों के खाते में पहुंच चुकी है।

अमित शाह का गंभीर आरोप

घुसपैठियों के भरोसे चुनाव जीतना चाहती है कांग्रेस....

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 75वें जन्मदिन पर नई दिल्ली में 'सेवा पखवाड़ा' के तहत 1600 करोड़ की विभिन्न विकास योजनाओं के लोकार्पण व शिलान्यास कार्यक्रम में शामिल हुए। शाह ने कहा कि आज, देश का प्रत्येक नागरिक और दुनिया भर में फैले भारतीय, ईश्वर से प्रधानमंत्री मोदी की दीर्घायु, उत्तम स्वास्थ्य और राष्ट्र के प्रति उनकी दीर्घायु की कामना कर रहे हैं। ऐसे व्यक्ति के जन्मदिन को, जिसका जीवन वैभव और व्यक्तित्व का रोम-रोम माँ भारती की सेवा में समर्पित है, 'सेवा पखवाड़ा' के रूप में मनाने का निर्णय लिया

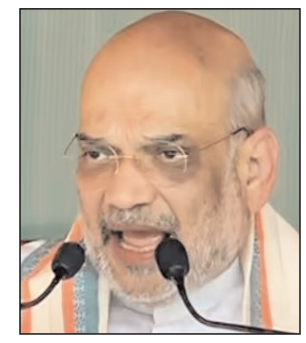

गया। 11 वर्षों से, पूरा भारत 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक यह 'सेवा पखवाड़ा' मना रहा है। अमित शाह ने कहा कि जिस व्यक्ति का भारत के प्रति संकल्प पूरे देश को ऊर्जा देता है, जिसके गरीब कल्याण के संकल्प ने देश के 7000 से अधिक गरीबों को घर, बिजली, शुद्ध पानी, शौचालय, गैस सिलेंडर, प्रति व्यक्ति 5 किलो मुफ्त अनाज और 5 लाख रुपये तक की मुफ्त स्वास्थ्य सुविधाएं दी हैं, उस व्यक्ति के लिए भाजपा ने 'सेवा पखवाड़ा' के दौरान प्रत्येक व्यक्ति के कल्याण की चिंता करने की एक नई परंपरा शुरू की है। शाह ने कहा कि रेखा गुप्ता अभी कह रही थीं कि प्रधानमंत्री मोदी ने कभी भी भाजपा सरकार या किसी और सरकार में भेदभाव नहीं किया। उन्होंने दिल्ली को उसकी हक़दारी से ज़्यादा दिया है, यहाँ तक कि जब अरविंद केजरीवाल की सरकार थी तब भी।

बिहार में अपराधी विजय' और 'सम्राट' बन गए, कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल

नई दिली। राजद नेता तेजस्वी यादव ने बुधवार को बिहार के उपमुख्यमंत्रियों विजय सिन्हा और सम्राट चौधरी पर राज्य में बिगड़ती कानून-व्यवस्था को लेकर कटाक्ष करते हुए कहा कि राज्य में अपराधी विजय और सम्राट बन गए हैं। 'बिहार अधिकार यात्रा' के दूसरे दिन एएनआई से बात करते हुए, यादव ने कहा कि जनता राज्य की भ्रष्ट सरकार से तंग आ चुकी है। बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री ने कहा कि जनता भ्रष्ट सरकार से तंग आ चुकी है। बिना रिश्वत दिए कोई काम नहीं होता... राज्य में कोई भी सुरक्षित महसूस नहीं करता।

सशक्त बिहार की ओर कदम

सरकार की नई योजनाओं से हर वर्ग को उम्मीद.....

पटना। बिहार में नीतीश सरकार सशक्त बिहार की ओर निर्णायक कदम उठा रही है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में सरकार ने विकास और सुशासन की ऐसी राह पकड़ी है, जिससे हर वर्ग को नई उम्मीदें मिल रही हैं। शिक्षा, महिला रोजगार, श्रमिक हित और बुनियादी ढाँचा जैसे क्षेत्रों में लगातार

नई योजनाएँ और मदद की घोषणाएँ की जा रही हैं। छात्रों के लिए उच्च शिक्षा सुलभ बनाने से लेकर महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और श्रमिकों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने तक, हर पहल सरकार के दूरदर्शी विज़न को दर्शाती है। स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना में सुधार हो या महिला रोजगार योजना का क्रांतिकारी कदम, सबका मक़सद यही है कि बिहार के युवाओं, महिलाओं और श्रमिकों को मज़बूती मिले और वे राज्य के विकास में सक्रिय भागीदार बनें।

भारत की संप्रभुता अजेय

जैश ने कबूला ऑपरेशन सिंदूर का कहर-रक्षामंत्री राजनाथ.....

हैदराबाद/ एजेंसी

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एक बयान में कहा कि किसी के हस्तक्षेप के कारण आतंकवादियों के खिलाफ अभियान स्थगित नहीं किया गया। राजनाथ सिंह ने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप पर बिना नाम लिए निशाना साधा और कहा कि कुछ लोग भारत-पाकिस्तान संघर्ष को रोकने का दावा करते हैं। लेकिन किसी ने ऐसा नहीं किया। अब तो खुद पाकिस्तान के उप-प्रधानमंत्री ने साफ कर दिया है कि भारत ने इसमें किसी भी तीसरे पक्ष की भूमिका को अस्वीकार कर दिया था। हैदराबाद में आयोजित

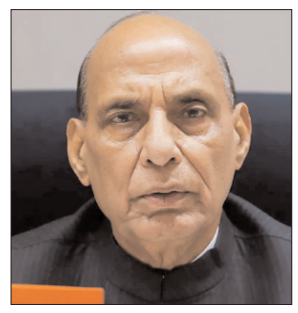

'हैदराबाद मुक्ति दिवस' के कार्यक्रम में राजनाथ सिंह ने कहा कि 'कुछ लोग भारत-पाकिस्तान संघर्ष को रोकने का दावा करते हैं। लेकिन किसी ने ऐसा नहीं किया। पाकिस्तान के उप-प्रधानमंत्री ने स्पष्ट किया है कि भारत ने इसमें किसी तीसरे पक्ष की भूमिका को स्वीकार नहीं किया।' रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि 'किसी के हस्तक्षेप के कारण आतंकवादियों के खिलाफ अभियान स्थगित नहीं किया गया। अगर भविष्य में कोई भी आतंकवादी हमला हुआ तो ऑपरेशन सिंदूर फिर से शुरू किया जाएगा। प्रधानमंत्री मोदी ने स्पष्ट किया कि यह एक द्विपक्षीय मुद्दा है और कोई तीसरा पक्ष हस्तक्षेप नहीं कर सकता। गौरतलब है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कई बार दावा कर चुके हैं कि उन्होंने पहलगाम हमले के बाद हुए भारत-पाकिस्तान संघर्ष में मध्यस्थता कराई थी।

सुरक्षा बलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़, एनकाउंटर में दो नक्सली ढेर

बीजापुर। बीजापुर जिले के दक्षिण-पश्चिमी क्षेत्र में सुरक्षा बलों और नक्सलियों के बीच बुधवार दोपहर जबरदस्त मुठभेड़ हुई। अब तक की जानकारी के मुताबिक, मुठभेड़ स्थल से दो नक्सलियों के शव बरामद किए गए हैं। इसके साथ ही एक .303 रायफल, एक बीजीएल लांचर, भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री और नक्सली संबंधित अन्य सामान भी बरामद किया गया है। सूत्रों के मुताबिक सुरक्षाबलों को नक्सलियों की मौजूदगी की पुख्ता जानकारी मिलने के बाद इलाके में सर्च ऑपरेशन चलाया गया।

बिहार से होगी शुरुआत

अब ईवीएम में दिखेगी प्रत्याशी की रंगीन फोटो-चुनाव आयोग

नई दिल्ली/ एजेंसी

चुनाव आयोग ने ईवीएम मतपत्र को स्पष्ट और पठनीय बनाने के लिए उसकी डिजाइन और मुद्रण शैली में बदलाव किया है। आयोग ने चुनाव संचालन नियम, 1961 के नियम 49बी के तहत निर्देशों में संशोधन किया है। इसके तहत अब ईवीएम में अब उम्मीदवार के नाम और चुनाव चिह्न के साथ उनकी रंगीन तस्वीर भी दिखेगी। यह नई व्यवस्था बिहार में होने वाले विधानसभा चुनाव से लागू होगी। निर्वाचन प्रक्रिया को बेहतर बनाने के लिए चुनाव आयोग लगातार नई पहल

कर रहा है। पिछले छह महीने में चुनाव आयोग 28 नए कदम उठा चुका है। इसमें एसआईआर के मुद्दे को लेकर विवाद भी हुआ है। अब आयोग ने ईवीएम मतपत्र को लेकर बड़ा फैसला लिया है। ईवीएम मतपत्र पर अब उम्मीदवारों की रंगीन तस्वीरें छपी होंगी। उम्मीदवार का फोटो साफ तौर पर दिख सके इसलिए तस्वीर के तीन-चौथाई हिस्से पर उसका चेहरा दिखेगा। उम्मीदवारों और नोटा के क्रमांक भारतीय अंकों के अंतरराष्ट्रीय रूप में छापे जाएंगे। वहीं फॉन्ट का आकार 30 होगा और बोल्ड लिखा जाएगा। इसके अलावा सभी उम्मीदवारों और नोटा के नाम एक ही फॉन्ट प्रकार और फॉन्ट साइज में होंगे। ताकि यह आसानी से पढ़ने में आए। इसके अलावा ईवीएम मतपत्र 70 जीएसएम कागज पर मुद्रित किए जाएंगे। विधानसभा चुनाव के लिए तय आरजीबी गुलाबी रंग के कागज का इस्तेमाल किया जाएगा।

माओवादियों के प्रवक्ता ने फिर जारी किया गया पत्र

ऑडियो संदेश के जरिये भी जनता से मांगी माफी....

जगदलपुर/ संवाददाता

माओवादियों का एक और पत्र सामने आया है। पोलित ब्यूरो सदस्य सोनू दादा ने 6 पन्नों का पत्र जारी किया है। मोलेजुला वेणुगोपाल उर्फ अभय उर्फ सोनू पीबीएम है। जनता से माफी मांगते हुए पत्र के अंत में अपना नाम लिखा है। माओवादी आंदोलन को अंजाम तक न पहुंचा पाने के लिए माफी मांगी है। ऑडियो संदेश भी जारी करने की बात पत्र में लिखी है। माओवादियों की केंद्रीय कमेटी के प्रवक्ता अभय ने ऑडियो संदेश जारी किया है। 8 मिनट 35 सेकेंड का ऑडियो संदेश है। 15 अगस्त को जारी किए गए प्रेस नोट के साथ ही यह ऑडियो संदेश जारी किया गया था। मीडिया को ऑडियो संदेश देर से मिला है। पीस टॉक को लेकर पार्टी की रणनीति को स्पष्ट करने का प्रयास किया है। इससे पहले नक्सलियों ने मंगलवार को एक प्रेस नोट जारी कर कहा कि वो हथियार बंद संघर्ष को अस्थायी रूप से छोड़कर शांति वार्ता को तैयार हैं। माआवोदियों ने सरकार से सीजफायर करने की अपील की है। सीपीआई (माओवादी) ने कहा कि देश के कई राज्यों में जेल में बंद साथियों से चर्चा करने के लिये सरकार अनुमति दें। वहीं पुलिस भी एक महीने के लिये ऑपरेशन रोकें। दूसरी ओर इस मामले में प्रदेश के गृहमंत्री विजय शर्मा का कहना है कि पत्र की सत्यता की जांच करानी होगी। नक्सलवाद के खिलाफ ऑपरेशन जारी रहेगा। यदि नक्सली बंदूक त्यागकर मुख्यधारा में लौटना चाहते हैं, तो उनका स्वागत है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार सरेंडर नक्सलियों के लिए राज्य में

नियदनेल्लानार, पुनर्वास समेत कई सारी योजना चला रही है। ऐसे में नक्सली बंदूक छोड़कर सामने आएंगे, तो सरकार उनके साथ शांतिवार्ता के लिये पहल करेगी। माओवादी संगठन के केंद्रीय प्रवक्ता अभय का प्रेस नोट सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इसमें उसका कहना है कि हम बातचीत के लिए तैयार हैं। संगठन हथियारबंद संघर्ष को अस्थायी रूप से छोड़कर जन समस्याओं के समाधान के लिए जन संघर्ष को आगे बढ़ाएगा। हथियार छोड़कर देश की राजनैतिक पार्टियों और संघर्षरत संस्थाओं के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम करेंगे। बदलते हालात और देश की परिस्थितियों को देखते हुए वे शांति वार्ता के लिए तैयार हैं पर इस प्रक्रिया में वो अपनी विचारधारा और राजनीतिक मान्यताओं से पीछे नहीं हटेंगे। मार्च 2025 में संगठन के जारी प्रेस नोट का हवाला देते हुए कहा कि उन्होंने इससे पहले भी संघर्ष विराम और शांति वार्ता की पेशकश की थी, लेकिन उस दौरान ठोस माहौल नहीं बनाया गया। सरकार और सुरक्षा बल यदि वास्तव में शांति चाहते हैं तो हमारे साथियों पर दमनात्मक कार्रवाई बंद कर विश्वसनीय वातावरण बनायें। हमारे शीर्ष नेतृत्व, कैडर और जेल में बंद सदस्यों को वार्ता प्रक्रिया का हिस्सा बनाया जाए। यदि उनकी शर्तों को माना गया। और प्रतिनिधियों को शामिल किया गया तो वे हथियार छोड़कर वार्ता में शामिल होने के लिए तैयार हैं।

नहीं मानेंगे कोई भी शर्त गृहमंत्री विजय शर्मा

दूसरी ओर इस मामले में प्रदेश के गृहमंत्री विजय शर्मा का कहना है कि पत्र की सत्यता की जांच करानी होगी। नक्सलवाद के खिलाफ ऑपरेशन जारी रहेगा। यदि नक्सली बंदूक त्यागकर मुख्यधारा में लौटना चाहते हैं, तो उनका स्वागत है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार सरेंडर नक्सलियों के लिए राज्य में नियदनेल्लानार, पुनर्वास समेत कई सारी योजना चला रही है। ऐसे में नक्सली बंदूक छोड़कर सामने आएंगे, तो सरकार उनके साथ शांतिवार्ता के लिये पहल करेगी। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने इस मामले में अपनी पहली प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि जब तक यह साबित नहीं हो जाता कि पत्र वास्तव में माओवादी नेतृत्व की ओर से आया है, तब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया जाएगा। मीडिया से चर्चा में उन्होंने कहा कि अगर पत्र की सत्यता सिद्ध होती है तो सरकार वार्ता की दिशा में कदम बढ़ाने पर विचार करेगी।

बोडेना से कुम्हालोरी तक 1.60 किमी मार्ग हुआ जर्जर, पुल-पुलिया भी टूटा, राहगीर हो रहे दुर्घटना का शिकार

ग्रामीणों ने शासन से की 15 दिन के भीतर ठोस कदम उठाने की मांग, सड़कजाम की दी चेतावनी

बालोद। जिले के अंतिम छोर और राजनांदगांव जिला की सीमा से लगे ग्राम पंचायत बोड़ेना सहित आसपास के लगभग 7 गांव के ग्रामीण जर्जर कच्ची कीचड़युक्त सड़क और उस सड़क में हो रहे दुर्घटना की गंभीर समस्या से जूझ रहें हैं। ग्रामीणों की यह समस्या आजकल की नही, बल्कि वर्षो पुरानी हैं। ग्राम बोड़ेना से कुम्हालोरी को जोड़ने वाली 1.60 किमी सड़क बुरी तरह जर्जर हो चुकी है, स्थिति यह है कि सड़क में बने गड्ढों में पानी भरा रहता है, जिसमें आने जाने में काफी ज्यादा दिक्कतों का सामना राहगीरों को करना पड़ता है। ग्रामीणों की माने तो बोड़ेना के 2 हजार से अधिक ग्रामीण के साथ साथ बेलटिकरी, कुम्हालोरी, सिब्दी, जेवरतला, हल्दी, बुरहानपुर के हजारों ग्रामीण भी इस जर्जर और जगह जगह गड्ढे हुए सड़क से प्रभावित हो रहे है और इस सड़क पर रोजाना कोई न कोई दुर्घटना घटित हो रही है। मार्ग के पुल पुलिया भी बह गए हैं। कलेक्ट्रेट में आयोजित जनदर्शन में पहुचे ग्रामीण व किसानों ने बोडेना से कुम्हालोरी तक पहुच मार्ग के उचित कार्यवाही के लिए ठोस कदम उठाते हुए निर्माण कार्य शुरु कराने की मांग की है, नही तो 15 दिनों के अंदर राजनांदगाँव-गुंडरदेही मुख्य मार्ग में स्थित भरदाकला के बस स्टैंड में चक्काजाम कर धरना प्रदर्शन करने की चेतावनी दी है। जिसकी सूचना ग्रामीणों ने पुलिस अधीक्षक, गुंडरदेही एसडीएम, अर्जुन्दा तहसीलदार, अर्जुन्दा पुलिस और ग्राम पंचायत भरदाकला के सरपंच को दे दी है।

2 साल पहले हुई थी स्वीकृति

दरअसल क्षेत्र की जनता खुश तो बहुत हुई जब वर्ष 2023-24 में लोक निर्माण विभाग के द्वारा बोडेना से कुम्हालोरी तक 1.60 किमी सड़क निर्माण के लिए 2 करोड़ 95 लाख रुपए का प्रस्ताव शासन को भेजा गया था, शासन ने इसकी प्रशासकीय स्वीकृति भी दी हैं। लेकिन मामला वित्त विभाग में अटक कर रहा गया। जिसकी वजह से ग्रामीणों की खुशी अब नाराजगी में बदल चुकी है, क्योंकि सड़क निर्माण की स्वीकृति के 2 वर्ष बाद 2025 में अब तक इस सड़क निर्माण का कार्य शुरू नहीं हो पाया है और निर्माण कार्य की फाइलें दफ्तरों में धूल खा रही है। ग्रामीण इस सड़क के निर्माण के लिए स्थानीय जनप्रतिनिधि से लेकर क्षेत्रीय विधायक तक फरियाद लगा चुके है, लेकिन अब तक इसका उचित परिणाम नहीं निकल पाया है।

रोजगार से जुड़ा है मार्ग

आवागमन के साथ साथ यह मार्ग ग्रामीणों के रोजगार, स्वास्थ्य और व्यापार से भी जुड़ा हुआ है, क्योंकि आसपास के युवा इसी मार्ग से होते हुए राजनांदगांव काम की तलाश में जाते है, तो वहीं स्थानीय स्वास्थ्य सेवाओं के लिए राजनांदगांव जाने के लिए इसी जर्जर मार्ग पर निर्भर है और व्यापार की दृष्टि से भी यह मार्ग काफी ज्यादा महत्वपूर्ण है, खासकर स्कूली बच्चों को अपनी शिक्षा के लिए इसी मार्ग से गुजरना पड़ता है। लेकिन सड़क इतना क्षतिग्रस्त हो चुका है कि इस पर चलना बच्चों के लिए भी जोखिम भरा सिद्ध हो रहा है। इस गांव के 80 प्रतिशत लोग कृषि कार्य करते हैं, 20 प्रतिशत युवा प्रतिदिन रोजीरोटी की तलाश में राजनांदगाँव 20किमी कि दूरी तय कर जीविकार्जन करते है।

स्कूली बच्चे सहित राहगीर हो रहें दुर्घटना का शिकार

ग्रामीण भोंदू राम साहू ने बताया कि वर्ष 2023-24 में सड़क निर्माण की स्वीकृति मिल चुकी है, परन्तु 2 साल बाद भी निर्माण कार्य शुरू नहीं हुआ है, बोड़ेना गांव सहित आसपास के ग्रामीण मजदूरी पर जाने के लिए इसी सड़क पर निर्भर है, पर आज के समय में सड़क काफी ज्यादा क्षतिग्रस्त हो चुका है। जिसके कारण आए दिन सड़क पर दुर्घटनाएं होती रहती है। चमन लाल और प्रकाश साहू ने बताया कि सड़क पिछले 20 वर्षों से अधिक समय से सड़क जर्जर स्थिति में है, वर्ष 2023 में सड़क निर्माण के लिए स्वीकृति मिल चुकी है, पर अब तक निर्माण कार्य शुरू नहीं हो पाया है, स्कूली बच्चे सहित राहगीर आए दिन दुर्घटना का शिकार हो रहे है। कलेक्टर के माध्यम से शासन को अल्टीमेटम दिया जा रहा है, की अगर 15 दिनों के भीतर निर्माण कार्य शुरू नहीं होता है तो राजनांदगांव-जेवरतला मुख्य मार्ग पर चक्का जाम कर विरोध प्रदर्शन किया जाएगा।

'बोडेना से कुम्हालोरी मार्ग की प्रशासकीय स्वीकृति मिल चुकी है, फाइल वित्त में जमा है, भू-अर्जन से लेकर सभी कार्य हो चुके है, 2 किमी से कम का रोड़ है, भाजपा सरकार के आते ही स्वीकृति राशि वित्त विभाग में अटका हुआ है, इसके लिए मेरे द्वारा कई बार पत्र भी संबंधित विभाग को लिखा जा चुका है, पर राशि स्वीकृत नही की गई है।'

कुंवर सिंह निषाद
विधायक, गुंडरदेही

खैरागढ़ नगर पालिका में प्रेसीडेंट इन काउंसिल का पुनर्गठन

अजय जैन को मिला जल कार्य विभाग का दायित्व

खैरागढ़। नगरपालिका परिषद खैरागढ़ में बड़ा संगठनात्मक बदलाव किया गया है। परिषद की अध्यक्ष गिरिजा चन्द्राकर ने नगर पालिका अधिनियम 1961 की धारा 70 के तहत प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए प्रेसीडेंट इन काउंसिल का पुनर्गठन करते हुए नए प्रभारी सदस्यों की घोषणा की। यह आदेश 12 सितंबर 2025 से प्रभावी होगा। जारी आदेश के अनुसार अजय जैन को जल कार्य विभाग का प्रभारी बनाया गया है। इसके अलावा अब्दुल रज्जाक खान को विधि एवं सामान्य प्रशासन विभाग, विनय देवांगन को आवास, पर्यावरण एवं लोक निर्माण विभाग, रूपेन्द्र रजक को राजस्व एवं बाजार विभाग, देविन कमलेश कोठले को शिक्षा, महिला एवं बाल कल्याण विभाग, रेखा विकेश गुप्ता को स्वास्थ्य एवं चिकित्सा विभाग तथा सुमित टांडिया को खाद्य, नागरिक आपूर्ति, पुनर्वास एवं नियोजन विभाग का दायित्व सौंपा गया है। अध्यक्ष गिरिजा चन्द्राकर ने कहा कि नए प्रभारी सदस्य अपने-अपने विभागों में पारदर्शिता और दक्षता के साथ कार्य करें, ताकि नगर की विकास योजनाएं समय पर और प्रभावी रूप से पूरी हो सकें।

महिलाओं के स्वास्थ्य पर केन्द्रित अभियान 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक

बेमेतरा। स्वास्थ्य विभाग जिला बेमेतरा, महिलाओं को विशेष स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने स्वास्थ्य विभाग द्वारा स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक चलाया जाएगा, जिला चिकित्सालय, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के साथ आयुष्मान आरोग्य मंदिर में होगा स्वास्थ्य परीक्षण, भारत सरकार स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय दिल्ली के निर्देशानुसार एवं संचालनालय स्वास्थ्य सेवाएं छत्तीसगढ़ आदेश के परिपालन में कलेक्टर रणबीर शर्मा के मार्गदर्शन एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ अमृत लाल रोहलेडर के देखरेख में बेमेतरा जिले में 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक महिलाओं के स्वास्थ्य पर केन्द्रित अभियान चलाई जाएगी, यह एक स्वस्थ नारी के विषय पर महिलाओं में जागृति अभियान है, अगर घर में नारी स्वस्थ रहेगी तभी हम स्वस्थ परिवार और सशक्त परिवार की परिकल्पना कर पाएंगे, घर में अगर नारी स्वस्थ नहीं रहेगी तब उस घर की परिवार की पूरी व्यवस्थाएं चरमरा जाती ऐसे परिवार आप अपने आस पास में देख सकते है, स्वस्थ बालिका होने पर ही स्वस्थ महिला बन सकती है और स्वस्थ नारी बनने पर ही एक स्वस्थ परिवार सशक्त परिवार, मजबूत परिवार या फिर शक्तिशाली परिवार बना पाएंगे। परिवार के स्वस्थ या सुदृढ़ परिवार होने पर सुदृढ़ समाज और सुदृढ़ देश की परिकल्पना कर सकते है। इस अभियान के अंतर्गत किशोरी बालिका से लेकर उम्र दराज महिलाओं को जागरूक करने का अवसर है हमे प्रयास करना है कि ज्यादा से ज्यादा किशोरी बालिकाओं को जागरूक कर सके।

राशन कार्ड में नए सदस्यों का नाम जोड़ने, मृत सदस्यों का नाम विलोपित करने के निर्देश

गरियाबंद ।कलेक्टर बीएस उइके ने जिले के सभी मुख्य नगर पालिका अधिकारी को पत्र प्रेषित कर नवीन राशन कार्ड में नए सदस्य का नाम जोड़ने एवं मृत सदस्यों का नाम विलोपित करने के संबंध में पत्र प्रेषित कर निर्देशित किया है। उन्होंने पत्र के माध्यम से कहा कि सभी जनपद पंचायतों, नगरीय निकायों में राशनकार्ड में नये सदस्य का नाम जोड़ने, मृत, विवाहित सदस्य का नाम विलोपित कर राशनकार्ड में संशोधन करें। जिससे कि जिले के कुल राशनकार्डधारी सदस्यों कि वास्तविक जानकारी मिल सके। इन कार्यों को शत प्रतिशत पूर्ण करने के लिए छत्तीसगढ़ राशनकार्ड नियम के तहत नवीन राशनकार्ड में नये सदस्य का नाम जोड़ने, मृत, विवाहित सदस्य का नाम विलोपित कर राशनकार्ड में संशोधन करने की प्रि या दी गई है उसका पालन करें। इसके लिए ग्राम पंचायतों, नगरीय निकाय के वार्डों में नागरिकों को सूचित कर सप्ताह में एक दिवस चिन्हांकित कर आवश्यक कार्यवाही करें। जिससे कि नए सदस्य का नाम जोड़ने एवं मृत सदस्यों का नाम विलोपित किया जा सके।

कलेक्टर ने ली जिले में खेल गतिविधियों के सफल संचालन, विकास एवं विस्तार के संबंध में खेल संघ एवं संस्थानों के प्रतिनिधियों की बैठक

विद्यार्थी एवं खेल प्रेमियों को अधिक से अधिक खेल गतिविधियों से जोड़ने हेतु उपाय सुनिश्चित करने को कहा

बालोद। कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा ने रजत जयंती वर्ष के अवसर पर बालोद जिले में खेल गतिविधियों के सफल संचालन, विकास एवं विस्तार के संबंध में संयुक्त जिला कार्यालय सभाकक्ष में जिले के खेल संघ एवं संस्थानों के प्रतिनिधियों की बैठक लेकर इस संबंध में विस्तृत चर्चा की। इस दौरान उन्होंने बैठक में उपस्थित खेल संघ एवं संस्थानों के प्रतिनिधियों के साथ जिले में खेल गतिविधियों के सफल संचालन विकास एवं विस्तार के संबंध में विस्तारपूर्वक चर्चा करते हुए खेल संघ एवं खेल संस्थानों के प्रतिनिधियों से जिले में इस कार्य को बेहतर ढंग से क्रियान्वित करने हेतु आवश्यक सुझाव भी लिए। कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा ने जिले में खेल गतिविधियों के विस्तारीकरण के अंतर्गत विद्यार्थियों एवं खेल प्रेमियों को अधिक से अधिक खेल गतिविधियों से जोड़ने के उपाय भी सुनिश्चित करने को कहा। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुनील चंद्रवंशी, अपर कलेक्टर चंद्रकांत कौशिक सहित डिप्टी कलेक्टर एवं सहायक खेल अधिकारी प्राची ठाकुर एवं अन्य अधिकारियों के अलावा जिले के खेल संघ एवं संस्थानों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

तीज स्तर पर होगा सांसद खेल महोत्सव का आयोजन

बैठक में कलेक्टर दिव्या मिश्रा ने जिले में क्रीड़ा प्रोत्साहन योजना, सांसद खेल महोत्सव, आवश्यक खेल सामग्रियों की उपलब्धता, जिले में बहुउद्देशीय इण्डोर हॉल का निर्माण की प्रक्रिया के अलावा जिले के खेल संघ एवं संस्थाओं के मांगों के संबंध में भी विस्तृत चर्चा की। बैठक में उन्होंने युवा प्रतिभाओं को खेल के क्षेत्र में प्रोत्साहन देने, ग्रामीण एवं शहरी स्तर पर खेल संस्कृति विकसित करने तथा फिट इण्डिया मूवमेंट को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ग्रामीण, विधानसभा स्तर एवं लोकसभा स्तर पर आयोजित सांसद खेल महोत्सव के आयोजन के तैयारियों के संबंध में भी संबंधित विभाग के अधिकारियों से जानकारी ली। उन्होंने बताया कि सांसद खेल महोत्सव के अवसर पर जिले में ग्रामीण, विधानसभा एवं लोकसभा स्तर पर अलग-अलग अवधियों में खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान खो-खो, कबडडी, वालीबॉल, दौड़, रस्सा-कस्सी, गेड़ी दौड़, गिल्ली डण्डा, लंबी कूद आदि प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। इसके अंतर्गत 18 वर्ष तथा 18 से 40 वर्ष एवं 40 वर्ष से अधिक आयु के वर्ग के पुरूष एवं महिला प्रतियोगियों के लिए अलग-अलग प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। कलेक्टर ने जिले में तीन स्तर पर आयोजित होने वाली सांसद खेल महोत्सव के सफल आयोजन हेतु सभी तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश भी संबंधित विभाग के अधिकारियों को दिए। इसके अलावा उन्होंने मुनादी एवं अन्य माध्यमों से सांसद खेल महोत्सव के आयोजन के समुचित प्रचार-प्रसार करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि प्रतियोगियों को खेल प्रतियोगिता में शामिल होने के लिए वेबसाईट http//www.sansadkhelmahotsav.in/ में 25 सितम्बर 2025 तक अपना रजिस्ट्रेशन कराना होगा।

रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि 25 सितम्बर

सांसद खेल महोत्सव अंतर्गत जिले के ग्रामीण, विधानसभा और लोकसभा स्तर पर विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं के आयोजन की तैयारियां जोरों पर हैं। सांसद खेल महोत्सव का आयोजन युवा प्रतिभागियों को खेल के क्षेत्र में प्रोत्साहन देने, ग्रामीण और शहरी स्तर पर खेल संस्कृति विकसित करने तथा फिट इंडिया मूवमेंट को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कराया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि खेल प्रतियोगिता में शामिल होने के लिए युवाओं को वेबसाईट http//www.sansadkhelmahotsav.in/ में 25 सितम्बर तक अपना रजिस्ट्रेशन कराना होगा। सांसद खेल महोत्सव के अवसर पर जिले में ग्रामीण, विधानसभा एवं लोकसभा स्तर पर अलग-अलग अवधियों में खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। इसके साथ ही फिट इंडिया कार्निवल और मनोरंजन गतिविधियों का भी आयोजन होगा, जो प्रतिभागियों के लिए आनंददायक अनुभव लेकर आएगा।

आत्मानंद के बच्चों को यातायात नियमों एवं साइबर जागरूकता की दी गई जानकारी

बालोद। यातायात पुलिस के द्वारा नगर के आमापारा स्थित स्वामी आत्मानंद स्कूल के बच्चों को यातायात नियमों एवं साइबर जागरूकता की जानकारी दी गई। मुख्य रूप से होने वाले सड़क दुर्घटनाओं के कारण बताते हुए नाबालिग बच्चों को वाहन नहीं चलाने की समझाइश दी गई। दरअसल एसपी योगेश कुमार पटेल के निर्देशन पर, एएसपी मोनिका ठाकुर के मार्गदर्शन में एसडीओपी देवांश सिंह राठौर एवं यातायात प्रभारी निरीक्षक रविशंकर पाण्डेय के नेतृत्व में यातायात बालोद द्वारा सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने एवं नाबालिक वाहन चालक बच्चों के पालकों में यातायात नियमों के प्रति जागरूकता लाने के उददेश्य से यातायात जागरूकता अभियान एवं बच्चों के सोशल मीडिया प्रयोग के दौरान साइबर ठगी से बचने के उपाय के संबंध में विस्तार से बताया गया। यातायात जागरूकता के साथ-साथ साइबर जागरूकता अभियान के तहत् स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूल आमापारा में जाकर स्कूली बच्चों को सड़क दुर्घटनाओं के मुख्य कारणों से अवगत कराते हुए, यातायात नियमों एवं संकेतों के बारे मे बताया गया साथ ही स्कूली नाबालिग छात्र-छात्राओं को दोपहिया वाहन नहीं चलाने के समझाईश दिया गया, साथ ही बच्चों को बताया गया की नाबालिग बालक-बालिका वाहन चलाते पाएं जाते है तो उनके पालकों को 25-25 हजार रुपये अर्थदण्ड एवं तीन वर्ष तक की सजा संबंधी मोटरयान अधिनियम के प्रावधानो के बारे में अवगत कराया गया।

यातायात नियमों का करें पालन

यातायात पुलिस ने स्कूल प्रबंधको एवं पालको से अपील की है कि वे नाबालिक छात्र-छात्राओं से सड़क दुर्घटनाएं न हो इसके लिए अपने नाबालिक बच्चों को वाहन चलाने न देवें। हमेशा यातायात नियमों का पालन करे, शराब सेवन कर खतरनाक तरीके से वाहन चलाते हुए अपने तथा अन्य व्यक्तियों की जान जोखिम में न डाले, हमेशा यातायात नियमों का पालन करे, आम जनो एवं वाहन चालकों की सुरक्षा के लिए बालोद पुलिस सदैव तत्पर है। संयमित गति से वाहन चलाएं एवं वाहन चलाते समय सीट बेल्ट एवं हेलमेट अवश्य लगावे।

डिजिटल युग में सुरक्षित रहने की सीख

साइबर अपराधों से बचाव हेतु विद्यार्थियों को बताया गया कि मोबाइल का लत एवं गलत उपयोग कैसे विद्यार्थी जीवन को प्रभावित करता है, सोशल मीडिया अपराध, ऑनलाइन गेमिंग, अनजान लिंक और ओटीपी शेयरिंग से जुड़े साइबर फ्रॉड के खतरों के बारे में बताया गया। मोबाइल का उपयोग पढ़ाई एवं कौशल विकास हेतु नियंत्रित समय सीमा में करने सुरक्षित इंटरनेट का उपयोग, मजबूत पासवर्ड, और व्यक्तिगत जानकारी की गोपनीयता बनाए रखने के टिप्स दिए गए। छात्रों को यह भी जानकारी दी गई कि साइबर अपराध होने की स्थिति में वे 1930 या www. cybercrime. gov. in पर शिकायत दर्ज कर सकते हैं।

अयोध्या से काशी हाइवे में दर्शनार्थी बस का एक्सीडेंट, बस में रसोईया टीम की देवरानी की मौत व जेठानी सुरक्षित

डोंगरगांव नगर। तीर्थयात्रा में दर्शनार्थियों से भरी छत्तीसगढ़ की दर्शनार्थी बस बालाजी ट्रेवल्स का उत्तर प्रदेश में दर्दनाक हादसा हो गया। हादसे में बस सवार दर्शनार्थियों में 4 लोगों की मौत एवं दर्जनभर दर्शनार्थियों के घायल होने की खबर आई है। हादसे में मृत दर्शनार्थियों में रसोईया टीम की सदस्य अमलीडीह डोंगरगांव निवासी महिला गुलाब की दर्दनाक मौत हो जाने की खबर है। अमलीडीह के ग्रामीणों ने बताया कि छग से तीर्थ यात्रा में एक दर्शनार्थी बस उत्तरप्रदेश की यात्रा में गई थी। अयोध्या से बनारस हाइवे में जौनपुर समीप दर्शनार्थी बस को एक ट्रेलर के पीछे हिस्से में जाकर टकरा जाने की बात बताई जा रही है। हादसे में अमलीडीह, डोंगरगांव की महिला गुलाब बाई साहू की मौत हो गई। वहीं दर्जनभर दर्शनार्थियों के हताहत होने की खबर है। बताया जाता है कि हाइवे में एक ट्रैलर मालवाहक के पीछे हिस्से में बस का सामने का हिस्सा घुस गया था, जिससे ड्राईवर साइड बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है। ड्राइवर साइड में आगे की ओर बैठे 4 लोगों की मौत हो गई।

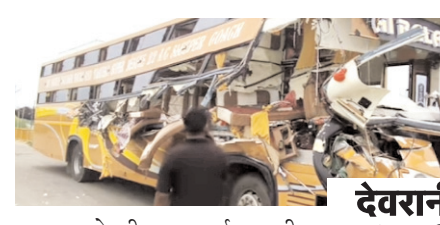

देवरानी की मौत जेठानी सुरक्षित

ग्रामीणों की माने तो महिला गुलाब बाई अपनी जेठानी गीता बाई के साथ दर्शनार्थियों के लिए भोजन बनाने का कार्य करती हैं। 4 दिनों पुर्व ही बालाजी ट्रेवल्स में दर्शनार्थियों के लिए भोजन बनाने अपनी जेठानी गीता बाई साहू के साथ गई थी। हादसे में जेठानी गीता सुरक्षित बताई गई है। गुलाब बाई के पति एक फैक्ट्री में कार्यरत हैं। इनके 3 बच्चे होने की खबर है।

सड़कों पर अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ होगी कार्रवाई विधायक एवं नपा अध्यक्ष ने शहर का निरीक्षण कर लिया जायजा

बेमेतरा। शहरवासियो की मांग पर विधायक दीपेश साहू एवं नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा ने मुख्य बाजारों का निरीक्षण कर अतिक्रमणकारियों को कड़ी चेतावनी दी। विधायक साहू ने कहा कि शहर में किसी भी प्रकार का अतिक्रमण सहन नहीं किया जाएगा और न ही यातायात को बाधित होने दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि हर गली, हर मोड़ पर हमारा यही लक्ष्य है कि शहर मे स्वच्छ वातावरण, सुचारु यातायात, सुव्यवस्थित दुकाने एवं नागरिकों के लिए बेहतर सुविधाएं यही हमारा लक्ष्य है, क्योंकि हमारी प्रतिबद्धता है कि बेमेतरा का बाजार ना सिर्फ व्यापार का केंद्र बने बल्कि स्वच्छता और व्यवस्था का उदाहरण भी बने। वही नपा अध्यक्ष सिन्हा ने दुकानदारों से कहा कि दुकानों के आगे किसी प्रकार का अतिक्रमण नहीं होना चाहिए, अन्यथा पालिका प्रशासन द्वारा सख्त कार्यवाही की जाएगी। सिन्हा ने पालिका के अधिकारियो को भी निर्देश दिए कि समय-समय पर अभियान चलाया जाए ताकि बाजार में किसी तरह का अतिक्रमण न हो तथा दुकानदार अपने सामान को अपनी दुकान की सीमा के अंदर ही रखें।

उन्होंने निरीक्षण के दौरान रेहड़ी लगाने वालों को भी चेतावनी दी कि वे केवल निर्धारित स्थानों पर ही अपनी रेहड़ी लगाएं, अन्यथा उन पर भी कार्रवाई किया जाएगा। उन्होंने शहर को सुंदर बनाने के लिए सभी की भागीदारी को महत्वपूर्ण बताया और कहा कि यह तभी संभव है जब शहर में अतिक्रमण न हो। उन्होंने दुकानदारों से सरकार द्वारा तय मानकों के अनुसार ही अपना सामान अपनी जगह में रखने का आग्रह किया।

खिसोरा, बचेडी, मोहभट्टा के छात्रों को वितरित किया गया निःशुल्क सायकल

बेमेतरा। छत्तीसगढ़ के महत्वपूर्ण निःशुल्क सरस्वती सायकल योजना के अंतर्गत परपोड़ा, खिसोरा उसके पहले बचेड़ी व मोहभट्ठा में बालिकाओं को सायकल वितरण किया गया। कार्यक्रम के मुख्यातिथि पूर्व विधायक अवधेश सिंह चन्देल अध्यक्षता प्रतिनिधि उपाध्यक्ष जिला पंचायत बेमेतरा बलराम पटेल व विशिष्ट अतिथि जनपद सदस्य नीरज राजपूत सभी ग्राम के सरपंच समिति अध्यक्ष थे। चंद्रशेखर आजाद शा.हायर सेकेंडरी स्कूल में 27 हाई स्कूल खिसोरा में 31 हाई स्कूल बचेड़ी में 22 व प.देवी प्रसाद चौबे हायर सेकेंडरी स्कूल में 29 बालिकाओं को अतिथियों के गरिमामयी उपस्थिति में निःशुल्क सायकल वितरण किया गया। सभी स्कूल में सरस्वती सायकल पाकर छात्राओं ने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय को धन्यवाद ज्ञापित किए। सर्वप्रथम मां सरस्वती, भारतमाता एवं छत्तीसगढ़ महतारी के तैलचित्र का पूजा अर्चना कर प्रारंभ हुआ। उदबोधन में पूर्व विधायक अवधेश चंदेल ने विद्यार्थियों के शत-प्रतिशत उपस्थिति, गरीब वर्ग के छात्रों के लिए शाला पहुंचने में बाधक, अज्ञानता व अशिक्षा को दूर करने में निः शुल्क सरस्वती सायकल योजना मील का पत्थर साबित होना बताया। सायकल योजना का मुख्य उद्देश्य दूर-दराज से आने वाले छात्राओं की सुविधाओं और उनके शिक्षा में निरंतर को बढ़ावा देना है। बलराम पटेल ने कहा सरस्वती सायकल योजना ने न केवल छात्राओं को स्कूल तक पहुंचने में मदद की है, बल्कि उनके आत्मविश्वास को भी बढ़ाया है। अब वे स्कूल जाने के लिए उत्साहित हैं और अपने भविष्य को उज्ज्वल बनाने के लिए प्रयास कर रही हैं। इस योजना के तहत शासन ने अब तक लाखों छात्राओं को मुफ्त साइकिलें वितरित की हैं।अब प्रदेश देश मे बेटी हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही है अनेको जगह नेतृत्व कर रही है। जनपद सदस्य नीरज सिंह राजपूत ने निः शुल्क सरस्वती सायकल योजना के प्रणेता डॉ. रमन सिंह व उनके इस योजना के उद्देश्य को विस्तार पूर्वक बताया।यह योजना न केवल छात्राओं को शिक्षा के अवसर प्रदान कर रही है, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर भी बना रही है। इस योजना के परिणाम स्वरूप छत्तीसगढ़ में छात्राओं की स्कूल उपस्थिति में वृद्धि हुई है। इस अवसर पर परपोड़ा से शाला अध्यक्ष हेमू राम साहू प्राचार्य जे.एल. पारधी सरपंच फत्ते लाल साहू बलदाऊ वर्मा दुर्गा शिवारे कमल साहू राधिका साहू ओमप्रकाश साहू मनहरण साहू बी.एल. कुर्रे व हेमन्त यदु शाला नायक उप शाला नायक सहित समस्त शाला परिवार परपोड़ा खिसोरा शाला समिति अध्यक्ष ओमप्रकाश साहू सरपंच प्रतिनिधि जितेंद्र साहू प्राचार्य राकेश कुमार शर्मा सांसद प्रतिनिधि खिसोरा स्कूल टीकाराम साहू पूर्व जनपद सदस्य नेतराम साहू पूर्व सरपंच गोविंदराम साहू साधु राम साहू राम कुमार साहू गंगाधर साहू सहित समस्त शाला परिवार खिसोरा।

बचेड़ी स्कूल के अध्यक्ष हरेंद्र यादव मोहभट्ठा से सतीश यादव, प्राचार्य गजेंद्र वर्मा, लीलाम्बर साहू, जनपद सदस्य प्रतिनिधि बीरबल साहू सरपंच राखी सुनील साहू मोहभट्ठा सरपंच प्रतिनिधि नरसिंग साहू बचेड़ी उपसरपंच खूबी सिन्हा नेतागण जीवन राजपूत, गोवर्धन यादव, रवि यादव, अवधराम, बलदेव, मुकेश साहू तोरण पाल राहुल जी संकुल समन्वयक महेंद्र सिन्हा सहित स्कूल समस्त स्टाफ बड़ी संख्या में सभी स्कूलों के बच्चे उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

सहकारी समितियों के चुनाव नहीं होने से नौकरशाहों का कब्ज

रायपुर। प्रदेश में सहकारी समितियों की चुनाव ठंडे बस्ते में डाल दिए गए हैं, जिसके चलते शीर्ष सहकारी संस्था मार्कफेड, अपेक्स तथा जिला सहकारी समितियों में अधिकारियों का कब्जा हो गया है, जिससे सहकारिता आंदोलन को धक्का पहुंच रहा है। मार्कफेड के पूर्व अध्यक्ष शशिकांत द्विवेदी के अनुसार राज्य में कुल 1200 से अधिक सहकारी समितियां हैं, जिनका परिसिमन भी करा लिया गया है। कांग्रेस शासन काल में मनोनयन की परंपरा शुरू कर दी गई थी, जिसके चलते अपेक्स मार्कफेड तथा जिला सहकारी समितियों में प्राधिकृत अधिकारियों को बैठा दिया गया है, जिसके चलते सहकारिता आंदोलन पर विपरीत असर पड़ रहा है। राज्य में जिला सहकारी बैंक रायपुर, दुर्ग, राजनांदगांव, बस्तर एवं अम्बिकापुर में प्राधिकृत अधिकारी बैठे हुए हैं, इन संस्थाओं द्वारा खाद, धान तथा अन्य सहकारी योजनाओं का संचालन किया जाता है, जिसमें इनकी भूमिका अग्रणीय होती है। शशिकांत द्विवेदी के अनुसार वे मार्कफेड के पूर्व अध्यक्ष पद का कामकाज देख चुके हैं, मार्कफेड एक सहकारी संस्था है, जिसकी आमसभा की बैठक बुलाई गई है, जिसमें सहकारिता विभाग के सचिव, पंजीयक, कलेक्टर तथा अन्य अधिकारी भाग लेंगे। मार्कफेड धान खरीदी के लिए एक नोडल एजेंसी है, जो कि 50 हजार करोड़ से ज्यादा मूल्य का धान खरीदती है। अपेक्स बैंक के माध्यम से जिला सहकारी बैंक के माध्यम से समर्थन मूल्य एवं बोनस का वितरण किया जाता है, जिसके कारण मार्कफेड के आमसभा काफी महत्वपूर्ण है। बैठक में चालू वर्ष और अगले वितीय वर्ष के वार्षिक बजट को अनुमति प्रदान की जाती है।

छग के नये मुख्य सचिव होंगे विकासशील

रायपुर। छग के वर्तमान मुख्य सचिव अमिताभ जैन 30 सितंबर को सेवानिवृत्त हो रहे हैं। ज्ञातव्य है कि उनका रिटायरमेंट 30 जून को था जिसे मुख्यमंत्री ने बढ़ाते हुए तीन माह का एक्सटेंशन देते हुए 30 सितंबर तक बढ़ाया था। तमाम अनुमानों को दरकिनार करते हुए मुख्यमंत्री ने अगला मुख्यसचिव 1994 बैच के विकासशील को बनाया है वे एक अक्टूबर से मुख्य सचिव का पदभार एवं कार्यभार ग्रहण करेंगे। ज्ञात हो कि विकासशील प्रतिनियुक्ति पर दिल्ली में फिलिपींस की राजधानी मनीला स्थित एशियाई डेवलपमेंट बैंक के कार्यकारी निदेशक थे। वहां से उन्हें छग के लिए रिलीव कर दिया गया है। उनकी पत्नी निधि छिब्बर आईएएस है। उनकी जगह नीति आयोग में नई पोस्टिंग की गई है। वे आयोग से रिलीव हो जाएंगी। राज्य सरकार ने केंद्र सरकार से अनुरोध किया था कि विकासशील की प्रतिनियुक्ति अवधि खत्म कर उन्हें छग में सेवाएं देने हेतु कार्यमुक्त किया जाए। केंद्र ने राज्य की मांग स्वीकार करते हुए विकासशील को डीओपीटी ने छग वापस भेजना स्वीकार किया। विकासशील सोमवार को छग वापस होंगे।

बदली से धान की खरीफ फसलों का भूरा माहो का प्रकोप

रायपुर। प्रदेश में पिछले कई दिनों से बदली छाई रहने एवं अनवरत वर्षा के कारण भूरा एवं सफेद माहो बढ़ता जा रहा है। इसमें भूरा माहू सबसे ज्यादा खतरनाक है, किसानों ने अधिकारियों से अपील की है कि वे तत्काल दवाई का छिड़काव करें। किसान नेताओं एवं कृषि विभाग के अधिकारियों के अनुसार इस वर्ष पानी विलंब से गिरा, जिसके कारण जल्द पकने वाली फसलों की बालियां आने में देर हो रही है। इधर बदली छाने से सफेद एवं भूरा माहो का प्रकोप होने से सफसल चौपट होने की संभावना है। आरंग धरसींवा ब्लाक तथा अन्य स्थानों पर भूरा माहो फैलने की शिकायत मिली है। मौसम विभाग से मिली जानकारी के अनुसार एक ऊपरी चक्रीय चक्रवाती परिसंचरण पूर्वी बिहार और उसके आसपास स्थित है तथा या 3.1 किलोमीटर ऊंचाई तक विस्तारित है। दूसरा ऊपरी हवा का चक्रीय चक्रवाती परिसंचरण पूर्वी बिहार और उसके आसपास 3.1 किलोमीटर से 5.8 किलोमीटर ऊंचाई तक विस्तारित है। प्रदेश में अनेक स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होने अथवा गरज चमक के साथ छींटे पड़ने की संभावना है। प्रदेश में एक दो स्थानों पर गरज चमक के साथ वज्रपात होने की भी संभावना है। वर्षा का क्षेत्र मुख्यतः उत्तर और मध्य छत्तीसगढ़ रहने की संभावना है।

बस्तर व सरगुजा क्षेत्र में बाढ़ प्रभावितों के लिए गुजरात भाजपा इकाई ने भेजी राहत सामग्री

रायपुर। बस्तर व सरगुजा में अतिवृष्टि एवं बाढ़ से प्रभावित परिवारों को राहत सामग्री पहुँचाने के लिए भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। छत्तीसगढ़ के बस्तर व सरगुजा संभाग में आई बाढ़ के लिए गुजरात की भाजपा प्रदेश इकाई ने भी मदद का हाथ बढ़ाया है। भाजपा की गुजरात प्रदेश इकाई द्वारा भेजी गई राहत सामग्री की पहली खेप सोमवार को रायपुर पहुँची जिसे बस्तर व सरगुजा सम्भाग के बाढ़ पीड़ित क्षेत्रों के लिए भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय, कैबिनेट मंत्री टंकराम वर्मा ने रवाना किया। इस दौरान भाजपा प्रदेश महामंत्री नवीन मारकंडेय, प्रदेश उपाध्यक्ष जगन्नाथ पाणिग्रही, प्रदेश कोषाध्यक्ष राम गर्ग, प्रदेश मंत्री जयंती पटेल, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष जगन्नाथ पाणिग्रही, प्रदेश कार्यालय मंत्री अशोक बजाज, प्रदेश सह कार्यालय मंत्री प्रीतेश गांधी, पाठ्य पुस्तक निगम अध्यक्ष राजा पांडे, प्रदेश सोशल मीडिया संयोजक मितुल कोठारी, वरिष्ठ भाजपा नेता सुरेंद्र पाटनी सहित भाजपा कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी मौजूद थे।

ओजोन परत संरक्षण दिवस पर पोस्टर एवं इन्वायरोथान प्रतियोगिता

इस वर्ष दोगुना, अगले वर्ष तीन गुना होगी पुरस्कार राशि-चौधरी

■ आने वाली पीढ़ियों के लिए ओजोन परत का संरक्षण हमारी जिम्मेदारी : मंत्री

रायपुर/ संवाददाता

अंतर्राष्ट्रीय ओजोन परत संरक्षण दिवस पर छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल द्वारा राजधानी रायपुर के सिविल लाइंस स्थित नवीन विश्राम गृह में पोस्टर एवं इन्वायरोथान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में वित्त, वाणिज्य कर, आवास एवं पर्यावरण तथा योजना एवं सांख्यिकी विभाग के मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी शामिल हुए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि ओजोन परत का संरक्षण केवल पर्यावरण ही नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य और स्वास्थ्य के लिए भी अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण सबके लिए समान है चाहे अमीर, गरीब, विद्वान या साधारण व्यक्ति और इसकी सुरक्षा की जिम्मेदारी भी सबकी है। वित्त मंत्री श्री चौधरी ने भारतीय परंपराओं का उल्लेख करते हुए कहा कि हमारी संस्कृति में विकास और पर्यावरण संरक्षण साथ-साथ चलते रहे हैं। पीपल, आंवला नवमी, गोवर्धन पूजा जैसी परंपराएं पर्यावरण संरक्षण की मिसाल हैं। पश्चिमी देशों का विकास मॉडल केवल संसाधनों के अंधाधुन दोहन पर आधारित है, जो टिकाऊ नहीं है। अब आवश्यकता सस्टेनेबल डेवलपमेंट की है ताकि जलवायु परिवर्तन जैसी चुनौतियों से निपटा जा सके। वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिये हम सभी को सामूहिक प्रयास करने होंगे। ओजोन परत का संरक्षण केवल पर्यावरण ही नहीं बल्कि जीवन बचाने का संकल्प है। हम सभी इस दिशा में आगे आयें और ओजोन क्षरण पदार्थ व इसके उपयोग से बने उपकरणों का उपयोग ना करें। पर्यावरणीय चेतना से ही इस देश का हरित और सुरक्षित भविष्य बन सकता है। वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि छत्तीसगढ़ में अब शिक्षा के

क्षेत्र में अग्रणी राज्य बनने जा रहा है। नया रायपुर में राष्ट्रीय फॉरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय (एनएफएसयू) और राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईएफटी) के कैंपस खोले जा रहे हैं। इन संस्थानों की स्थापना से प्रदेश के विद्यार्थियों को राष्ट्रीय स्तर की शिक्षा और शोध के अवसर अपने ही राज्य में उपलब्ध होंगे। साथ ही राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (निलेट) का स्थायी केंद्र भी छत्तीसगढ़ में स्थापित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इन संस्थानों की स्थापना से प्रदेश के युवाओं को तकनीकी, व्यावसायिक और शोध आधारित शिक्षा के नए आयाम मिलेंगे। उन्होंने कहा कि आज केवल डिग्री ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि बच्चों को टेक्नोलॉजी और स्किल्स पर भी ध्यान देना होगा। इस अवसर पर उन्होंने अजीज प्रेम जी स्कॉलरशिप का उल्लेख किया, जिसके तहत शासकीय स्कूलों से 10वीं-12वीं पास कर चुके जरूरतमंद विद्यार्थियों को प्रति वर्ष 30 हजार रुपये की छात्रवृत्ति दी जाएगी। मंत्री श्री चौधरी ने कार्यक्रम में पोस्टर एवं इन्वायरोथॉन प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। साथ ही इस दौरान उन्होंने पुरस्कार राशि को इस वर्ष दोगुना और अगले वर्ष 3 गुना करने की घोषणा की। उन्होंने इस अवसर पर महाविद्यालयीन एवं स्कूली छात्र-छात्राओं को ओजोन परत संरक्षण हेतु शपथ भी दिलायी। जलवायु परिवर्तन के कारण एवं निदान तथा ओजोन परत संरक्षण- मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल विषय पर आयोजित पोस्टर प्रतियोगिता में लगभग 550 एवं इन्वायरोथॉन के विषय वेस्ट टू वेल्थ में लगभग 350 बच्चों ने भाग लिया, जिसमें पोस्टर प्रतियोगिता में 12-17 वर्ष वर्ग में बी.पी. पुजारी स्कूल, रायपुर की कु. नेहा कोसले, 18-22 वर्ष वर्ग में शास. नागार्जुन विज्ञान महाविद्यालय, रायपुर के श्री रोहित कुमार साहू और दिव्यांग वर्ग में शा. दिव्यांग महाविद्यालय, माना, रायपुर के श्री अनमोल पटले प्रथम स्थान पर रहे।

हिन्दी दिवस पर हिन्दी की बदलती दुनिया पर हुई संगोष्ठी

■ पुस्तक विमोचन, हिन्दी समाचार वाचकों का हुआ सम्मान, आयोजन में पहुँचे रायपुर नगर निगम आयुक्त

रायपुर। संवाददाता

हिंदी दिवस पर हिंदी विशेषज्ञों ने कहा कि हिंदी अब तकनीक की भाषा बन चुकी है और दुनिया के साथ हिंदी भी बदल रही है इस अवसर पर डॉ गोपाल कमल की पुस्तक न्यूरोलिंग्वस्टिक्स, डॉ सुधीर शर्मा की पुस्तक लार्ज लैंग्वेज माडल और त्र्यंबकराव साटकर की पुस्तक यथार्थ जीवन का विमोचन हुआ। आज हिन्दी दिवस के अवसर पर रायपुर जिला कलेक्टर डॉक्टर गौरव कुमार सिंह की पहल पर राजधानी शहर रायपुर के ऐतिहासिक टाउनहाल में प्रोजेक्ट संस्कृति अंतर्गत आयोजन का सिलसिला प्रारम्भ हो गया है। रायपुर जिला कलेक्टर ने प्रोजेक्ट संस्कृति हेतु रायपुर नगर पालिक निगम की उपायुक्त डॉक्टर अंजलि शर्मा को नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। अब रायपुर जिला प्रशासन के संस्कृति प्रोजेक्ट अंतर्गत राजधानी शहर की ऐतिहासिक सांस्कृतिक विरासत को संरक्षण देकर उन्हें समृद्ध बनाने विविध सांस्कृतिक आयोजन नियमित रूप से किये जायेंगे। इस क्रम में प्रोजेक्ट संस्कृति अंतर्गत आज ऐतिहासिक टाउनहाल में पहला सांस्कृतिक आयोजन छत्तीसगढ़ साहित्य एवं संस्कृति संस्थान के तत्वावधान में रायपुर जिला प्रशासन के सहयोग से हिंदी उत्सव का आयोजन हिंदी दिवस पर किया गया, जिसमें रायपुर नगर पालिक निगम के आयुक्त श्री विश्वदीप सम्मिलित हुए। ऐतिहासिक टाउनहॉल में आयोजित इस समारोह में हिंदी की बदलती दुनिया पर संगोष्ठी का आयोजन रखा गया, पुस्तक का विमोचन और हिंदी समाचार वाचकों का सम्मान किया गया। मुख्य वक्ता दिल्ली के वरिष्ठ साहित्यकार डॉ गोपाल कमल ने हिन्दी की बदलती दुनिया पर अपने ओजस्वी विचारों से सभी उपस्थितजनों को मन्त्रमुग्ध कर दिया।

श्री गुजराती लोहार के नवीन सामुदायिक भवन का लोकार्पण

रायपुर। रायपुर लोकसभा सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल ने रायपुर नगर पालिक निगम जोन क्रमांक 1 के यतियतनलाल वार्ड क्रमांक 4 के अंतर्गत अशोक विहार क्षेत्र में जनहित में सार्वजनिक जनउपयोग हेतु नवनिर्मित श्री गुजराती लोहार समाज सामुदायिक भवन का लोकार्पण प्रदेश के पूर्व केबिनेट मन्त्री रायपुर पश्चिम विधायक श्री राजेश मूणत, रायपुर ग्रामीण विधायक श्री मोतीलाल साहू, रायपुर नगर पालिक निगम की महापौर श्रीमती मीनल चौबे, पूर्व विधायक श्री देवजी भाई पटेल, रायपुर नगर निगम एमआईसी सदस्य श्री महेन्द्र खोडियार, यतियतनलाल वार्ड क्रमांक 4 के पार्षद एवं एमआईसी सदस्य श्री नंदकिशोर साहू, जोन 1 जोन अध्यक्ष श्री गज्जू साहू, जोन 8 जोन अध्यक्ष श्री प्रीतम सिंह ठाकुर।

थाने के बाहर भाजपा का विरोध प्रदर्शन

सांसद भोजराज नाग के नेतृत्व में कार्रवाई की मांग

■ अमित शाह पर आपत्तिजनक पोस्ट को लेकर बवाल

रायपुर। संवाददाता

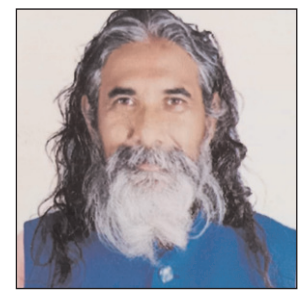

कांकेर जिले में बीती रात कोतवाली थाने के बाहर उस समय तनावपूर्ण माहौल बन गया जब भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने थाने का घेराव कर प्रदर्शन किया। विरोध का नेतृत्व खुद कांकेर सांसद भोजराज नाग ने किया, जिनके साथ पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेता और संगठन के पदाधिकारी भी मौजूद रहे। भाजपा का यह प्रदर्शन एक

कांग्रेस नेता द्वारा केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ सोशल मीडिया पर की गई विवादित पोस्ट को लेकर था। भाजपा कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता ने अमित शाह के भाषण के वीडियो को एडिट कर अपमानजनक सामग्री साझा की, जिससे भाजपा समर्थकों और आम लोगों की भावनाएं आहत हुई हैं। भाजपा नेताओं ने इस मामले में 24 घंटे पहले थाने में शिकायत दर्ज कराई थी और एफआईआर की मांग की थी। लेकिन जब कोई कार्रवाई नहीं हुई, तो उन्होंने नाराजगी जाहिर करते हुए थाने के बाहर जमकर विरोध किया और थाना प्रभारी (टीआई) को हटाने की मांग करते हुए नारेबाजी की। सांसद भोजराज नाग ने मीडिया से बातचीत में कहा कि देश के गृह मंत्री के खिलाफ अभद्र भाषा और झूठे वीडियो वायरल करना गंभीर मामला है। उन्होंने बताया कि थाना प्रभारी का कहना है कि पुलिस अधीक्षक (एसपी) के निर्देश पर एफआईआर दर्ज नहीं की जा रही है।

प्रेमिका ने पुत्र के साथ मिलकर की थी युवक की हत्या गिरफ्तार

रायपुर/ संवाददाता

जिले के ग्राम बेमचा की बड़ी नहर से मिले अज्ञात शव के मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। मामले में पुलिस ने मृतक की प्रेमिका तथा उसके पुत्र को गिरफ्तार किया है। बता दें कि जिले के ग्राम बेमचा की बड़ी नहर कुछ दिन पहले एक व्यक्ति की लाश मिली थी। कुछ ही दिनों की सघन जांच और साइबर सेल की मदद से पुलिस ने इस मामले की गुत्थी सुलझा दी। मृतक की पहचान पिलेश्वर साहू (35 वर्ष), निवासी ग्राम पचेड़ा, थाना खल्लारी के रूप में हुई। सनसनीखेज खुलासे में सामने आया कि पिलेश्वर की हत्या उसकी प्रेमिका देवकी बघेल और उसके बेटे सुरेश बघेल ने मिलकर की थी। 8 सितंबर 2025 से पिलेश्वर अपनी ड्यूटी (रायपुर स्थित प्राइवेट सिक्योरिटी गार्ड का काम) पर नहीं गया था। 10 सितंबर को बेमचा नहर में एक अज्ञात शव मिला, जिसके चेहरे पर गंभीर चोटें थीं और मुंह में कपड़ा ठूंसा गया था। मृतक के गले और गुप्तांग पर भी चोट के निशान थे। डॉक्टर की शॉर्ट पीएम रिपोर्ट में स्पष्ट हुआ कि यह हत्या का मामला है। सायबर सेल और थाना महासमुन्द पुलिस ने 3 विशेष टीम बनाकर जांच शुरू की। इलाके में पूछताछ के दौरान पुलिस को जानकारी मिली कि बेमचा की रहने वाली देवकी बघेल पर पूर्व में पति की हत्या का मामला दर्ज हो चुका है और वह जेल से छूटकर बाहर आई थी। पुलिस ने शक की बुनियाद पर जब गहराई से जांच की तो पता चला कि पिलेश्वर अक्सर देवकी के घर आता-जाता था और पिछले कई दिनों से वहीं रह रहा था। 9 सितंबर की रात पिलेश्वर देवकी के घर पहुंचा और शराब के नशे में विवाद करने लगा। यह स्थिति देवकी और उसके बेटे सुरेश को बेहद नागवार गुजरी। गुस्से में दोनों ने पिलेश्वर को खाट में रस्सी से बांध दिया। इसके बाद सुरेश ने सब्जी काटने वाले चाकू से उसका गला रेत दिया, जबकि देवकी ने पेचकस से आंख में वार किया। आरोपियों ने शोर दबाने के लिए मुंह में कपड़ा ठूंसा और पहचान मिटाने के लिए चेहरे पर मुरूम का ढेला पटक दिया। सुरेश ने मृतक के गुप्तांग काट दिए। पिलेश्वर की मौत होने के बाद दोनों ने शव को घसीटकर पास की नहर में फेंक दिया और कपड़े व मोबाइल भी वहीं बहा दिए। पुलिस ने देवकी और सुरेश को हिरासत में लेकर सख्ती से पूछताछ की।

हाईकोर्ट ने करंट से दो मासूमों की मौत पर लिया स्वतः संज्ञान, राज्य सरकार से मांगा जवाब, आंगनबाड़ी केंद्रों की सुरक्षा पर भी सख्त निर्देश

रायपुर। छत्तीसगढ़ में करंट लगने से दो मासूम बच्चों की दर्दनाक मौत के मामलों को लेकर हाईकोर्ट ने गंभीर रुख अपनाया है। शनिवार को अवकाश के दिन भी छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच, जिसमें मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा और न्यायमूर्ति बी.डी. गुरु शामिल थे, ने स्वतः संज्ञान लेते हुए जनहित याचिका के रूप में मामले की सुनवाई की। कोर्ट ने राज्य सरकार को निर्देश दिया है कि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए स्पष्ट कार्ययोजना (रोडमैप) तैयार की जाए। साथ ही मुख्य सचिव को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया गया है। अगली सुनवाई 22 सितंबर को होगी। हाईकोर्ट के संज्ञान में दो घटनाएं आई— पहली, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले के करगीकला गांव में एक 6 वर्षीय बच्चा खेत के पास खेलते समय करंट की चपेट में आ गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। दूसरी, कोंडागांव जिले में ढाई साल की बच्ची महेश्वरी यादव की करंट लगने से मौत हो गई। कोर्ट ने इन घटनाओं पर चिंता जताते हुए कहा कि खेतों की सुरक्षा के लिए लगाए जा रहे विद्युत बाड़ अब जानलेवा बनते जा रहे हैं। ये न केवल इंसानों के लिए, बल्कि मवेशियों और जंगली जानवरों के लिए भी गंभीर खतरा बन चुके हैं, खासकर बरसात के मौसम में जब खेतों और आसपास के इलाकों में पानी भर जाता है।

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से आत्मनिर्भर बने रायगढ़ जिले के प्रदीप साहू

■ ऊर्जा उत्पादक बनकर कर रहे आर्थिक बचत, अन्य उपभोक्ताओं के लिए बने प्रेरणा

रायपुर/ संवाददाता

प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना आम उपभोक्ताओं के लिए ऊर्जा आत्मनिर्भरता एवं आर्थिक सशक्तिकरण का सशक्त माध्यम सिद्ध हो रही है। रायगढ़ जिले के किरोड़ीमल नगर निवासी श्री प्रदीप साहू इस योजना के सफल लाभार्थी हैं। कभी भारी-भरकम बिजली बिल के कारण आर्थिक तंगी का सामना करने वाले श्री साहू आज स्वयं ऊर्जा उत्पादक बन चुके हैं। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत उन्होंने अपने मकान की छत पर 3 किलोवाट क्षमता का रूफटॉप सोलर पैनल स्थापित कराया है। इसके परिणामस्वरूप उन्हें न केवल बिजली बिल की झंझट से मुक्ति मिली है, बल्कि अतिरिक्त ऊर्जा उत्पादन से आर्थिक लाभ भी हो रहा है। जून 2025 में उनके सोलर पैनल से 285 यूनिट बिजली का उत्पादन हुआ, जिससे उन्हें 398 रुपये की छूट प्राप्त हुई और उनका बिजली बिल 165 रूपये ऋणात्मक आया। इसी प्रकार जुलाई 2025 में 239 यूनिट उत्पादन से 352 रुपये की छूट प्राप्त हुई और बिल 148 रूपये ऋणात्मक रहा। इस प्रकार लगातार दो महीनों में श्री साहू को बिजली बिल चुकाने के बजाय अतिरिक्त उत्पादन के लिए क्रेडिट प्राप्त हुआ। श्री प्रदीप साहू जिले के अन्य उपभोक्ताओं के लिए प्रेरणास्रोत है। उनका कहना है कि इस योजना ने उन्हें ऊर्जा आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर किया है और घरेलू अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान की है। साथ ही, सौर ऊर्जा अपनाने से पारंपरिक ऊर्जा उत्पादन पर निर्भरता कम हो रही है और कार्बन उत्सर्जन में भी कमी आ रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के हरित ऊर्जा और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को आगे बढ़ाने में प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का लाभ लेने के लिए उपभोक्ताओं को किसी जटिल प्रक्रिया से नहीं गुजरना पड़ता। पूरा आवेदन और स्थापना की प्रक्रिया ऑनलाइन माध्यम से भी संभव है। उपभोक्ता स्वयं पोर्टल पर लॉगिन कर आवेदन कर सकते हैं। वेंडर का चयन भी उपभोक्ता स्वयं ऑनलाइन कर सकते हैं। आवेदन के लिए पीएम सूर्य घर मोबाइल ऐप, सीएसपीडीसीएल की वेबसाइट, मोर बिजली ऐप या बिजली कंपनी के टोल फ्री नंबर 1912 पर कॉल की सुविधा भी उपलब्ध है। अधिक जानकारी के लिए उपभोक्ता नजदीकी सीएसपीडीसीएल कार्यालय से भी संपर्क कर सकते हैं पीएम सूर्य घर-मुफ्त बिजली योजना से एक ओर आम नागरिकों को आर्थिक लाभ हो रहा है।

वेटलैंड संरक्षण को लेकर लिए गए कई महत्वपूर्ण निर्णय

रामसर साईट के लिए छह वेटलैंड का चयन प्राथमिकता से करें : वनमंत्री केदार कश्यप

■ वनमंत्री श्री केदार कश्यप की अध्यक्षता में छत्तीसगढ़ राज्य वेटलैंड प्राधिकरण की तीसरी बैठक संपन्न

रायपुर/ संवाददाता

वन मंत्री श्री केदार कश्यप ने रामसर साईट के लिए कोपरा जलाशय, गिधवा-परसदा, कुरंदी, गंगरेल, नीमगांव जलाशय सहित मांडर जलाशय के छह वेटलैंड को प्राथमिकता से शामिल करने की बात कहीं। यह बात आज वनमंत्री श्री केदार कश्यप ने छत्तीसगढ़ राज्य वेटलैंड प्राधिकरण की बैठक में कहीं। उक्त बैठक

वन मंत्री श्री केदार कश्यप की अध्यक्षता में छत्तीसगढ़ राज्य वेटलैंड प्राधिकरण की नवा रायपुर स्थित अरण्य भवन के हॉल में संपन्न हुई। बैठक में वन मंत्री श्री कश्यप ने राज्य के सभी जिलों की जिला वेटलैंड संरक्षण समितियों को अपने-अपने क्षेत्रों में वेटलैंड के संरक्षण और संवर्धन हेतु स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही अन्य राज्यों में वेटलैंड प्राधिकरण के सदस्य सचिवों के वित्तीय अधिकारों का अध्ययन कर संशोधित प्रस्ताव शासन को भेजने के भी निर्देश दिए। उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ राज्य में वेटलैंड संरक्षण और प्रबंधन को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से आज छत्तीसगढ़ राज्य वेटलैंड प्राधिकरण की तीसरी बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख श्री व्ही. श्रीनिवास राव, राज्य लघु वनोपज संघ के प्रबंध संचालक श्री अनिल साहू, सचिव वन श्री अमरनाथ प्रसाद, आवास एवं पर्यावरण, जल संसाधन, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल, मत्स्य विभाग सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। राज्य में रामसर स्थलों की पहचान को लेकर भी बैठक में महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। कोपरा जलाशय (बिलासपुर) और गिधवा-परसदा वेटलैंड कॉम्प्लेक्स (बेमेतरा), कुरंदी, गंगरेल, नीमगांव जलाशय सहित मांडर जलाशय को छह वेटलैंड्स को रामसर स्थलों के रूप में चिन्हित करने की स्वीकृति दी गई। इसके अलावा, एनपीसीए योजना के तहत प्राकृतिक रूप से निर्मित तालाबों के चयन और नए प्रस्ताव प्रस्तुत करने का निर्णय लिया गया।

संपादकीय

नेपाल में जेन-जी ने सत्ता को दिया सबसे बड़ा चैलेंज

भारत के पड़ोसी मुल्क बांग्लादेश के बाद अब नेपाल में युवाओं का आक्रोश सड़कों पर दिखाई दे रहा है। आगजनी, तोड़फोड़ और हिंसा में कई लोगों की जान चली गई है। सरकारी संपत्तियों को भी बड़े पैमाने पर नुकसान पहुंचा है। सरकार की ओर से सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगाने से सुलगी विरोध की इस चिंगारी से संसद तथा प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति के आवास भी अछूते नहीं रहे। प्रदर्शनकारियों की भीड़ को नियंत्रित करना सुरक्षा बलों के लिए इस समय बड़ी चुनौती है। हालात इस कदर बेकाबू हो गए कि प्रधानमंत्री को अपने पद से इस्तीफा देना पड़ा है। इससे पहले सरकार के कुछ मंत्री भी अपना पद छोड़ चुके हैं।सवाल यह है कि आखिर देश का युवा वर्ग इतना ज्यादा आक्रामक कैसे हो गया? शासन और स्थानीय प्रशासन युवाओं के गुस्से को समय रहते शांत करने में क्यों नाकाम रहा? क्या सरकार को इस बात का इल्म नहीं था कि हालात इस कदर बिगड़ सकते हैं या फिर इसका पूर्व आकलन करने में कहीं कोई चूक हुई है? दरअसल, नेपाल सरकार ने पिछले हफ्ते सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगाने का आदेश दिया था। सरकार का तर्क था कि देश में सोशल मीडिया मंचों से संबंधित कंपनियां पंजीकरण कराने की अनिवार्यता का पालन करने में विफल रही हैं। इसके बाद बड़ी संख्या में युवा सड़कों पर उतर आए और सरकार के इस फैसले का विरोध करने लगे। सोमवार को विरोध प्रदर्शन का दायरा व्यापक हो गया और काठमांडो में युवाओं की उग्र भीड़ ने जगह-जगह तोड़फोड़ शुरू कर दी। इस दौरान सुरक्षाबलों के साथ प्रदर्शनकारियों की हिंसक झड़पें हुईं, जिसमें कई लोगों की जान चली गई। इससे युवाओं का आक्रोश बढ़ गया और भीड़ संसद भवन परिसर में घुस गई। यहां तक कि प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति के आवासों को भी निशाना बनाया गया। हालात को देखते हुए सरकार ने सोमवार रात को ही सोशल मीडिया पर लगे प्रतिबंध को हटा लिया और मंगलवार को प्रधानमंत्री ने भी अपने पद से इस्तीफा दे दिया। मगर प्रदर्शनकारी अभी भी शांत नहीं हुए हैं और वे सरकार को बर्खास्त करने की मांग कर रहे हैं।नेपाल के इतिहास में इसे बहुत बड़ी घटना के रूप में देखा जा रहा है। इससे पहले बांग्लादेश और श्रीलंका में भी इसी तरह जन आक्रोश ने सरकारों को अपदस्थ कर दिया था। इस बात पर भी गौर करना जरूरी है कि नेपाल में विरोध प्रदर्शनों का नेतृत्व 'जेन जी' कर रहा है। यह युवाओं का एक ऐसा समूह है, जो पिछले कुछ समय से भ्रष्टाचार के खिलाफ अभियान चला रहा है। इस समूह ने पिछले दिनों सोशल मीडिया के जरिए सरकार के मंत्रियों और अन्य प्रभावशाली हस्तियों के बच्चों की फिजूलखर्ची तथा उनकी जीवनशैली को लेकर गंभीर सवाल उठाए थे। दूसरी ओर, सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगाने के सरकार के फैसले को अभिव्यक्ति की आजादी पर पाबंदी के साथ-साथ भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज को दबाने के प्रयास के रूप में भी देखा जा रहा है। इसमें दोराय नहीं कि किसी भी देश में अभिव्यक्ति की आजादी हर हाल में होनी चाहिए, लेकिन क्या हिंसा, आगजनी और तोड़फोड़ ही इसका एकमात्र समाधान है? बहरहाल, उम्मीद की जानी चाहिए कि नेपाल की सरकार और युवा वर्ग देश एवं समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को समझेंगे और माहौल का शांत कर बातचीत की राह पर लौटेंगे।

हिमालय की गोद और गंगा-यमुना की सांस्कृतिक गाथाओं से जुड़ा यह देश सदियों से भारत के साथ साझा परंपराओं का सेतु रहा है। भगवान पशुपतिनाथ के आशीष से पवित्र यह भूमि और जनक-राम की विवाह-स्थली जनकपुर से लेकर बुद्ध के जन्मस्थल लुंबिनी तक की सांस्कृतिक यात्रा भारत-नेपाल की एकात्मता का अश्वर प्रमाण है। हर वर्ष आयोजित राम-जानकी विवाह महोत्सव, मकर संक्रांति मेले और कुम्भ-लुंबिनी संवाद जैसे पर्व इस एकात्मता को प्रत्यक्ष रूप से जीवित रखते हैं। ऐसे अस्थिर समय में भारत-नेपाल संबंधों का भविष्य केवल औपचारिक कूटनीति से तय नहीं होगा, बल्कि उन सांस्कृतिक स्तंभों की दृढ़ता पर टिका है, जिन्होंने सदियों से दोनों देशों की आत्माओं को एक सूत्र में पिरोया है। इन्हीं में सबसे प्रमुख है पावन गोरक्षपीठ (गोरखनाथ मठ, गोरखपुर), जो भगवान पशुपतिनाथ की पावन परंपरा के साथ मिलकर भारत और नेपाल की एकात्म सांस्कृतिक धारा का अमिट प्रतीक और विश्वास का जीवंत आधार है।

नेपाल का विद्रोह और भारत-नेपाल संबंधों में गोरक्षपीठ की भूमिका

(प्रणय विक्रम सिंह)

भगवान पशुपतिनाथ की कृपा-भूमि नेपाल इस समय विद्रोह की उफनती लहरों में डगमगा रहा है। जेन जेड आंदोलन ने यह स्पष्ट कर दिया है कि वहां की जनता भ्रष्टाचार, असमानता और अवसरहीनता से ऊबकर निर्णायक प्रतिकार के मार्ग पर अग्रसर हो चुकी है। सोशल मीडिया पर लगाए गए प्रतिबंध ने इस असंतोष की चिंगारी को प्रचंड अग्निज्वाला में बदल दिया है। परंतु यह संकट केवल राजनीति या सत्ता तक सीमित नहीं है। यह नेपाल की सांस्कृतिक चेतना, धार्मिक आस्था और सामाजिक धड़कनों को भी झकझोर रहा है।

हिमालय की गोद और गंगा-यमुना की सांस्कृतिक गाथाओं से जुड़ा यह देश सदियों से भारत के साथ साझा परंपराओं का सेतु रहा है। भगवान पशुपतिनाथ के आशीष से पवित्र यह भूमि और जनक-राम की विवाह-स्थली जनकपुर से लेकर बुद्ध के जन्मस्थल लुंबिनी तक की सांस्कृतिक यात्रा भारत-नेपाल की एकात्मता का अश्वर प्रमाण है। हर वर्ष आयोजित राम-जानकी विवाह महोत्सव, मकर संक्रांति मेले और कुम्भ-लुंबिनी संवाद जैसे पर्व इस एकात्मता को प्रत्यक्ष रूप से जीवित रखते हैं। ऐसे अस्थिर समय में भारत-नेपाल संबंधों का भविष्य केवल औपचारिक कूटनीति से तय नहीं होगा, बल्कि उन सांस्कृतिक स्तंभों की दृढ़ता पर टिका है, जिन्होंने सदियों से दोनों देशों की आत्माओं को एक सूत्र में पिरोया है। इन्हीं में सबसे प्रमुख है पावन गोरक्षपीठ (गोरखनाथ मठ, गोरखपुर), जो भगवान पशुपतिनाथ की पावन परंपरा के साथ मिलकर भारत और नेपाल की एकात्म सांस्कृतिक धारा का अमिट प्रतीक और विश्वास का जीवंत आधार है।

गोरक्षपीठ और नेपाल -संस्कृति का संबल, आस्था का सेतु: नेपाल के इतिहास में गोरक्षपीठ की भूमिका केवल एक मठ की मर्यादा तक सीमित नहीं रही, बल्कि यह सांस्कृतिक संबल और आध्यात्मिक सेतु के रूप में युगों-युगों तक गूंजती रही। हिमालय की गोद में जब 18वीं शताब्दी में गोरखनाथ की साधना का आलोक फैला, तब गोरखा राज्य को केवल नाम ही नहीं, बल्कि आत्मा भी मिली। पृथ्वी नारायण शाह ने जब नेपाल को एकसूत्र में पिरोया, तो उन्होंने गोरखनाथ को राष्ट्र-रक्षक माना। इस प्रकार गोरक्षनाथ परंपरा नेपाल की राजनीतिक चेतना की धड़कन बन गई।

20वीं शताब्दी में महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज और महंत अवेद्यनाथ जी महाराज ने इस परंपरा को नया प्राण और नया पथ दिया। पावन गोरक्षपीठ ने संतों को संगठित कर यह स्पष्ट किया कि भारत-नेपाल का संबंध न तो केवल सीमा का संबंध है और न ही केवल व्यापार का बंधन। यह तो आस्था की अटूट डोर और संस्कृति की सनातन संगीतमाला है।

1980-90 के दशक में जब नेपाल वामपंथी विचारधारा और राजनीतिक अस्थिरता की आंधी से जूझ रहा था, तब गोरक्षपीठ ने दीपक की तरह मार्ग दिखाया। महंत अवेद्यनाथ जी ने यह संदेश दिया कि भारतङ्कनेपाल का संबंध केवल सत्ता की संधियों पर नहीं, बल्कि सदियों की साधना और साझी संस्कृति पर टिका है।

आधुनिक युग में गोरक्षपीठ का ध्वज योगी आदित्यनाथ ने संभाला है। उनकी जनकपुरधाम यात्रा वैदिक वाणी का उद्घोष बनी, पशुपतिनाथ मंदिर की पूजा आस्था का आलोक बनी, और लुंबिनी की बुद्ध जयंती सहभागिता हिन्दू-बौद्ध संवाद का संगम बनी। आज गोरक्षपीठ केवल एक धार्मिक पीठ नहीं, बल्कि आधुनिक सांस्कृतिक कूटनीति का उज्ज्वल प्रतीक है।

गोरक्षपीठ ने नेपाल में कभी प्रत्यक्ष राजनीतिक हस्तक्षेप नहीं किया, किंतु हर संकटकाल में यह दीपशिखा बनकर दिशा दिखाता रहा। यह वही शक्ति है जो सीमाओं से परे, सत्ता से ऊपर और संधियों से आगे जाकर भारत-नेपाल संबंधों को स्थायित्व और आत्मीयता देती है। यही कारण है कि नेपाल का जनमानस गोरक्षपीठ को केवल मठ नहीं मानता, बल्कि विश्वास का आधार, संस्कृति का संरक्षक और सनातन सेतु मानता है। एक ऐसा सेतु, जो हिमालय की चोटियों से लेकर गंगा-यमुना की धाराओं तक दोनों देशों की आत्माओं को एक सूत्र में बांधे रखता है।

मौजूदा विद्रोही परिस्थिति में गोरक्षपीठ की भूमिका: नेपाल की मौजूदा विद्रोही परिस्थितियां केवल सत्ता के संकट का परिणाम नहीं हैं, बल्कि समाज की गहरी बेचैनी, असमानता और अवसरहीनता का विस्फोट हैं। ऐसे समय में गोरक्षपीठ की भूमिका साधारण धार्मिक केंद्र तक सीमित नहीं रहती, बल्कि वह सांस्कृतिक मार्गदर्शक और सामाजिक सहारा बन सकती है। सबसे पहले, सांस्कृतिक स्मृति जगाना आवश्यक है। जनता को यह स्मरण कराना होगा कि राजनीतिक अस्थिरता अस्थायी है, लेकिन भारत-नेपाल की साझा परंपराएं शाश्वत हैं। हिमालय की गोद से लेकर गंगा की धारा तक बहती हुई यह सांस्कृतिक चेतना दोनों देशों की आत्माओं को जोड़े रखती है। जब युवाओं का आक्रोश व्यवस्था पर टूट पड़ता है, तब गोरक्षपीठ यह संदेश दे सकता है कि परिवर्तन केवल संघर्ष से नहीं, बल्कि परंपरा की जड़ों से जुड़कर ही स्थायी हो सकता है।

दूसरे, गोरक्षपीठ एक विश्वास का सेतु बन सकता है। आज जब राजनीतिक दल आपसी अविश्वास और आरोप-प्रत्यारोप में उलझे हैं, तब जनता को किसी ऐसे मंच की आवश्यकता है, जो न तो सत्ता की लालसा से प्रेरित हो और न ही दलगत स्वार्थ से। गोरक्षपीठ अपने संतत्व और निष्पक्षता के कारण ऐसा मंच बन सकता है, जो संवाद, सहयोग और भरोसे का प्रतीक बने। यह संस्था नेपाल की जनता को यह विश्वास दिला सकती है कि भारत केवल एक राजनीतिक ताकत नहीं, बल्कि एक आत्मीय पड़ोसी, सहयात्री और सांस्कृतिक सहोदर है।

तीसरे, धार्मिक पर्यटन और अर्थव्यवस्था की दृष्टि से गोरक्षपीठ का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण हो सकता है। यदि गोरखनाथ-पशुपतिनाथ-जनकपुर - लुंबिनी जैसी ध्रुवीय स्थलों को एक साझा सांस्कृतिक-धार्मिक यात्रा मार्ग के रूप में विकसित किया जाए, तो इससे न केवल नेपाल की डगमगाती अर्थव्यवस्था को बल मिलेगा, बल्कि भारत-नेपाल के बीच जन-से-जन संपर्क और भी गहरा होगा। साल 2023 में ही नेपाल में 319,000 से अधिक भारतीय पर्यटक पहुंचे और 2024 की पहली छमाही में यह संख्या 1.8 लाख से अधिक रही। यह आंकड़े बताते हैं कि धार्मिक पर्यटन नेपाल की अर्थव्यवस्था की धड़कन है। पर्यटन से जुड़ी आय, रोजगार और सांस्कृतिक आयोजनों से जनता का मनोबल बढ़ेगा और अस्थिरता के बीच स्थिरता का अहसास होगा।

और सबसे महत्वपूर्ण यह कि गोरक्षपीठ की पहुंच केवल राजाओं, राजनेताओं या संतों तक ही सीमित नहीं रही है, बल्कि आमजन के मन में भी उसकी गहरी जड़ें हैं। नेपाल के गांव-गांव और तराई के कस्बों तक में गोरखनाथ का नाम श्रद्धा और विश्वास के साथ लिया जाता है। किसान इसे अपने परिश्रम का संरक्षक मानते हैं, व्यापारी इसे अपने सौदे की सफलता का आशीर्वाद समझते हैं, और युवा इसे संघर्ष और संकल्प का प्रतीक मानते हैं। यही कारण है कि गोरक्षपीठ की पुकार जनता के हृदय तक सीधे पहुंचती है और कठिन समय में आश्वस्ति का आधार बन जाती है। अंतरराष्ट्रीय कथा वाचक आचार्य शांतनु जी महाराज पूरे विश्वास के साथ कहते हैं कि नेपाल की आत्मा केवल सत्ता या संविधान से नहीं, बल्कि गुरु परंपरा से जुड़ी है। गोरखनाथ की साधना और पशुपतिनाथ की कृपा ही वह धारा है, जो हर संकट में नेपाल समाज को संभालती रही है। जब राजनीति डगमगाती है, तब जनता गोरक्षपीठ की ओर आश्वस्ति से देखती है। क्योंकि वहां से संदेश सत्ता का नहीं, बल्कि संस्कृति का आता है।

भारत की कूटनीति में गोरक्षपीठ का महत्व: भारत-नेपाल संबंध अतीत में कई बार वामपंथी राजनीति, क्षेत्रीय राष्ट्रवाद और बाहरी दबावों से प्रभावित हुए हैं। कभी तेल और दाल-चावल की आपूर्ति रोकने का आरोप लगा, तो कभी चीन ने निवेश और कूटनीति के जरिए नेपाल की राजनीति में हस्तक्षेप बढ़ाया। ऐसे समय में गोरक्षपीठ एक ऐसा संदेश देता है, जो इन सब राजनीतिक उलझनों से ऊपर है। यह रिश्ता केवल सत्ता या आर्थिक गणित का नहीं, बल्कि संस्कृति, धर्म और आस्था का है। भारत की औपचारिक कूटनीति जब संधियों, समझौतों और वार्ताओं तक सीमित रहती है, तब गोरक्षपीठ सांस्कृतिक कूटनीति का जीवंत उदाहरण बनता है। यह वह शक्ति है, जो नेपाल की जनता के दिल तक पहुंचती है। पशुपतिनाथ की कृपा-भूमि में गोरक्षपीठ यह विश्वास जगाता है कि भारत-नेपाल का संबंध केवल पड़ोसी देशों का नहीं, बल्कि भाईचारे और साझी परंपराओं का है। यदि भारत अपनी राजनीतिक कूटनीति को गोरक्षपीठ की सांस्कृतिक शक्ति के साथ जोड़ता है, तो उसे वह गहराई और आत्मीयता प्राप्त होगी, जो चीन जैसे बाहरी शक्तियों के आर्थिक निवेश से संभव नहीं। हाल ही में भारत-नेपाल के बीच हुआ 10,000 मेगावॉट विद्युत व्यापार समझौता इस कूटनीतिक और आर्थिक साझेदारी की मिसाल है, किंतु गोरक्षपीठ इसे सांस्कृतिक आधार देकर स्थायी बना सकता है। गोरक्षपीठ नेपाल की जनता को यह अहसास दिला सकता है कि भारत केवल एक राजनीतिक शक्ति नहीं, बल्कि वह पड़ोसी है, जो संकट की घड़ी में सांस्कृतिक आत्मीयता और आध्यात्मिक विश्वास के साथ खड़ा है।

संक्षेप में, मौजूदा विद्रोह और अस्थिरता के बीच गोरक्षपीठ की भूमिका संवाद, स्मृति और स्थिरता की है।

यही भूमिका भारत-नेपाल संबंधों को राजनीतिक उतार-चढ़ाव से ऊपर उठाकर एक स्थायी, आत्मीय और सांस्कृतिक साझेदारी में बदल सकती है। अंतरराष्ट्रीय मामलों के विशेषज्ञ डॉ. रहीस सिंह कहते हैं कि भारत-नेपाल संबंधों का आधार केवल व्यापार नहीं, बल्कि उन साझा संवृत्तियों की जीवंतता है, जिनकी जड़ें संस्कृति, सनातन आस्था और मानवीय संवेदनाओं में निहित हैं। गोरक्षपीठ इन भावनाओं का संस्थागत रूप है, जो दोनों देशों को स्थायी और आत्मीय बंधन में जोड़ती है। चीन अरबों डॉलर का निवेश कर सकता है, किंतु वह भावनात्मक मानवीय कनेक्ट नहीं दे सकता, जो भारत सदियों से नहीं बल्कि सहस्राब्दियों से देता आ रहा है।

मृत्यु के 13 दिन तक घर में क्यों भटकती है मृतक की आत्मा, जानें गरुड़ पुराण का सच

(अनन्या मिश्रा)

हिंदू धर्म में मृत्यु के बाद कई अहम संस्कार और अनुष्ठान किए जाते हैं। जिनका उद्देश्य न सिर्फ मृतक की आत्मा को शांति प्रदान करना होता है, बल्कि घर और परिवार में सकारात्मक ऊर्जा और समृद्धि को बनाए रखना होता है।

किसी भी प्रियजन को खोना जीवन का सबसे बुरा अनुभव होता है। यह क्षण न सिर्फ दुख से भरा होता है, बल्कि ऐसी स्थिति भी लाता है जहां पर कई परंपराएं निभाई जाती हैं। हिंदू धर्म में मृत्यु के बाद कई अहम संस्कार और अनुष्ठान किए जाते हैं। जिनका उद्देश्य न सिर्फ मृतक की आत्मा को शांति प्रदान करना होता है, बल्कि घर और परिवार में सकारात्मक ऊर्जा और समृद्धि को बनाए रखना होता है। इन्हीं में से एक प्रमुख संस्कार 'तेरहवीं' का है। जोकि मृत्यु के 13वें दिन संपन्न किया जाता है।

यह भी कहा जाता है मृत्यु के बाद आत्मा 13 दिनों तक अपने परिवार और घर के समीप रहती है। इसका अनुभव मृतक के परिजनों को भी होती है। यह धारणा सिर्फ मान्यताओं तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका उल्लेख गरुड़ पुराण जैसे आध्यात्मिक ग्रंथ में भी मिलता है। गरुड़ पुराण में मृत्यु के बाद यात्रा, कर्मों के प्रभाव और 13 दिनों तक इस संसार से जुड़े रहने की बात देखने को मिलती है।

क्या 13 दिनों तक घर में रहती है आत्मा: गरुड़ पुराण के मुताबिक जब किसी व्यक्ति की मृत्यु होती है, तो उसकी आत्मा फौरन ही मृत शरीर को छोड़ देती है। लेकिन आत्मा को पूर्ण मुक्ति पाने में 13 दिनों का समय लगता है।

माना जाता है कि मृत्यु के बाद 13 दिन आत्मा के लिए काफी अहम होते हैं। इस अवधि में आत्मा अपने प्रियजनों और परिवार के आसपास ही मौजूद रहती है। साथ ही परिजनों को अपनी उपस्थिति का भी एहसास कराती हैं। उनके दुख को देखती हैं और अपने कर्मों के प्रभाव को महसूस करती हैं। कई बार मृतक की आत्मा अपनी उपस्थिति दिखाकर अपनी किसी अपूर्ण इच्छा को पूरा करने की बात भी करती है।

गरुड़ पुराण के मुताबिक आत्मा मृत्यु के फौरन बाद भ्रमित होती है और यह समझने में असमर्थ रहती है कि उसने अपने शरीर का त्याग दिया है। आत्मा को अपने जीवन से अच्छे और बुरे कर्मों का आभास होता है और यह आत्मा परिवारजनों को रोते हुए देखती है।

इसी कारण शास्त्रों में मृत्यु के 13 दिनों तक विशेष कर्मकांड और शांति पाठ करने का विधान बताया गया है। इससे मृतक की आत्मा को शांति और मार्गदर्शन मिलता है। माना जाता है कि मृत्यु के फौरन बाद आत्मा अपने प्रियजनों का साथ नहीं छोड़ना चाहती है और सबके आसपास ही रहती है। इस वजह से आत्मा की मुक्ति के लिए अनुष्ठान किए जाते हैं और इन अनुष्ठानों से आत्मा को घर से विदा कर दिया जाता है। इससे वह परलोक में स्थान प्राप्त करता है और संसार की मोह माया दूर जाए।

13 दिनों तक क्यों किए जाते हैं कर्मकांड: गरुड़ पुराड़ के मुताबिक 13 दिनों तक किए जाने वाले कर्मकांड का उद्देश्य आत्मा को उसके अगले जीवन की यात्रा के लिए तैयार करना है।

मृत्यु के 13 दिनों तक तर्पण, पिंडदान और अन्य धार्मिक अनुष्ठान किए जाते हैं, इसके अलावा मृतक की आत्मा की शांति के लिए भी कई उपाय किए जाते हैं। यह कई कर्मकांड मृतक की आत्मा को अगले लोक में जाने की सहायता करते हैं।

धार्मिक मान्यता है कि इन कर्मकांडों के जरिए आत्मा को उसकी गलतियों का प्रायश्चित करने और मोक्ष की तरफ बढ़ने का मौका मिलता है। वहीं 13 दिनों तक किए जाने वाले कर्मकांड आत्मा की मुक्ति का मार्ग भी खोजते हैं।

13वें दिन किया जाता है विशेष अनुष्ठान: तेरहवीं किसी मृतक व्यक्ति की आत्मा को अंतिम विदा दिए जाने का दिन होता है। मृत्यु के ठीक 13वें दिन किए जाने वाला यह पवित्र अनुष्ठान मृतक को उनके पूर्वजों और भगवान के साथ फिर से मिलाने की इच्छा को दिखाता है। तेरहवीं के समारोह का उद्देश्य और महत्व एक मार्गदर्शक प्रकाश के रूप में चमकता है।

मृत्यु के 13वें दिन किए जाने वाला यह अनुष्ठान सूक्ष्म शरीर को सांसारिक लगाव से परे और आध्यात्मिक नियति की तरफ बढ़ने की शक्ति देता है। तेरहवीं का आयोजन न सिर्फ धार्मिक दृष्टिकोण से बल्कि शांति और मोक्ष के लिए भी जरूरी माना जाता है। तेरहवीं के दिन किए जाने वाले कर्मकांड आत्मा का सांसारिक बंधनों से मुक्त करके आध्यात्मिक यात्रा की दिशा में प्रेरित करते हैं।

जानिए क्या कहता है विज्ञान: अगर हम वैज्ञानिक दृष्टिकोष से देखें, तो घर में आत्मा के 13 दिनों तक रहने की अवधारणा को सिद्ध करना कठिन है। हालांकि यह जरूरी माना जाता है कि शोक और दुख के समय परिवार के सदस्यों को मानसिक और भावनात्मक संतुलन बनाए रखने के लिए धार्मिक अनुष्ठानों का सहारा मिलता है।

गरुड़ पुराण में इस बात का उल्लेख मिलता है कि आत्मा के 13 दिनों तक अवधारणा धार्मिक और आध्यात्मिक विश्वासों पर आधारित है। यह न सिर्फ आत्मा की शांति के लिए जरूरी है, बल्कि परिवार के सदस्यों को मानसिक शांति और सांत्वना प्रदान करता है। इसको धार्मिक और भावनात्मक दृष्टि से देखा जाए, तो इस प्रथा का उद्देश्य जीवन और मृत्यु के बीत के संबंधों को समझने के साथ उनको स्वीकार करना है। लेकिन विज्ञान इसके पीछे कोई तर्क नहीं बताता है और यह सिर्फ लोगों का विश्वास है।

वसुधैव कुटुम्बकम् की जीवंत प्रतिमूर्ति और समाज को सदैव सही दिशा दिखाने वाले मार्गदर्शक हैं भागवत

भारतीय राजनीति में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का रिश्ता नया नहीं है। दोनों का वैचारिक स्रोत समान है, किंतु समय-समय पर दूरी और निकटता की स्थिति भी बनी रहती है। हाल की राजनीतिक घटनाओं ने एक बार फिर इस रिश्ते को चर्चा के केंद्र में ला दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नागपुर में संघ मुख्यालय जाना, स्वतंत्रता दिवस के भाषण से लेकर संघ प्रमुख मोहन भागवत के 75वें जन्मदिन पर लिखे गए भावनात्मक आलेख तक, और हाल ही में मोहन भागवत का प्रधानमंत्री आवास पर जाना, ये सब घटनाएं संकेत देती हैं कि भाजपा ने 2024 के लोकसभा चुनावों के बाद संघ की छत्रछाया को पहले से कहीं अधिक महत्व देना शुरू कर दिया है।

(नीरज कुमार दुबे)

हम आपको याद दिला दें कि भाजपा 2024 के लोकसभा चुनावों में अपने दम पर स्पष्ट बहुमत हासिल करने में विफल रही थी। अबकी बार 400 पार का नारा देने वाली भाजपा के लिए पिछले लोकसभा चुनावों के परिणाम अप्रत्याशित थे।

भारतीय राजनीति में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का रिश्ता नया नहीं है। दोनों का वैचारिक स्रोत समान है, किंतु समय-समय पर दूरी और निकटता की स्थिति भी बनी रहती है। हाल की राजनीतिक घटनाओं ने एक बार फिर इस रिश्ते को चर्चा के केंद्र में ला दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नागपुर में संघ मुख्यालय जाना, स्वतंत्रता दिवस के भाषण से लेकर संघ प्रमुख मोहन भागवत के 75वें जन्मदिन पर लिखे गए भावनात्मक आलेख तक, और हाल ही में मोहन भागवत का प्रधानमंत्री आवास पर जाना, ये सब घटनाएं संकेत देती हैं कि भाजपा ने 2024 के लोकसभा चुनावों के बाद संघ की छत्रछाया को पहले से कहीं अधिक महत्व देना शुरू कर दिया है। पिछले एक दशक तक भाजपा जिस तरह मोदी के चेहरे और संगठनात्मक शक्ति के बल पर जीत दर्ज करती रही थी, उसमें 2024 का चुनाव परिणाम झटका देने वाला था। देखा जाये तो मोदी का प्रधानमंत्री के रूप में तीसरा कार्यकाल गठबंधन सरकार की मजबूरी के साथ शुरू हुआ। ऐसे माहौल में संघ का सहारा भाजपा के लिए स्वाभाविक था। दरअसल, पिछले कुछ वर्षों में यह धारणा बनी थी कि भाजपा ने चुनावी रणनीति और प्रचार की ताकत से संघ पर निर्भरता कम कर दी है। लेकिन 2024 के चुनाव के बाद तस्वीर बदल गई। संघ के सक्रिय सहयोग और भागवत के आशीर्वाद से भाजपा ने महाराष्ट्र, दिल्ली और हरियाणा जैसे राज्यों में जीत हासिल की। इन चुनाव परिणामों ने यह संदेश दिया कि संघ के संगठनात्मक नेटवर्क, जमीनी कार्यकर्ताओं और सामाजिक पहुंच के बिना भाजपा की जीत अधूरी है।

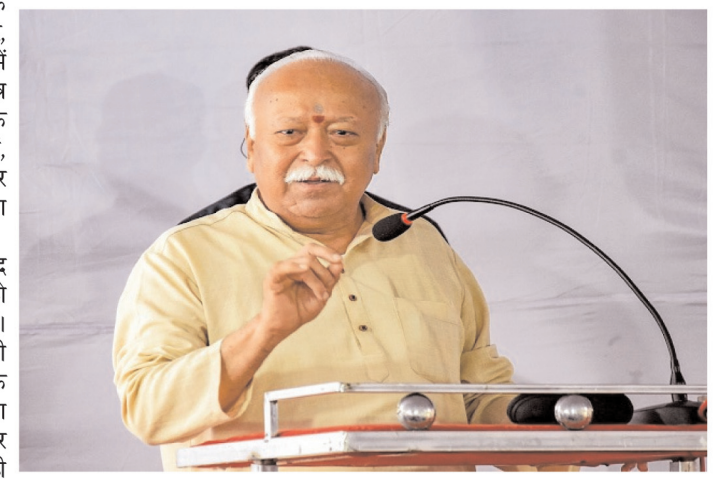

मोहन भागवत और नरेंद्र मोदी की हाल की नजदीकियों को इसी संदर्भ में समझना चाहिए। प्रधानमंत्री का संघ प्रमुख की खुलकर तारीफ करना और उनके मार्गदर्शन को राष्ट्रहित से जोड़ना यह बताता है कि भाजपा अब फिर से अपनी जड़ों की ओर लौट रही है। वहीं, भागवत का प्रधानमंत्री आवास पर जाना यह संकेत देता है कि संघ भी इस समय भाजपा के भीतर शक्ति संतुलन बनाने और उसे स्थिरता प्रदान करने में सक्रिय भूमिका निभाना चाहता है।

राजनीतिक दृष्टि से यह घटनाक्रम कई संकेत देता है। जैसे केवल मोदी के नेतृत्व और भाजपा की चुनावी मशीनरी से जीत अब सुनिश्चित नहीं है। चुनावी राजनीति में विचारधारा, संगठनात्मक अनुशासन और सामाजिक नेटवर्क की गहराई का कोई विकल्प नहीं है। भाजपा और संघ दोनों को अब यह अहसास है कि एक-दूसरे के बिना उनकी शक्ति अधूरी है। साथ ही आने वाले विधानसभा चुनावों और 2029 के लोकसभा चुनावों की तैयारी के लिए भाजपा को संघ की जमीनी ताकत और वैचारिक छवि दोनों की आवश्यकता होगी।

देखा जाये तो भाजपा की 2024 की असफलता और उसके बाद की राजनीतिक परिस्थितियों ने साफ कर दिया है कि सत्ता की डगर पर अकेले चलने का दावा अब टिकाऊ नहीं है। संघ की शरण में लौटकर भाजपा ने एक तरह से अपनी जड़ों से दोबारा जुड़ने का फैसला किया है। महाराष्ट्र, दिल्ली और हरियाणा की जीतें यह संदेश देती हैं कि जब संघ-भाजपा एक साथ चलते हैं, तब उनकी राजनीतिक ताकत कई गुना बढ़ जाती है।

आने वाले समय में यह देखना रोचक होगा कि संघ इस साझेदारी को किस तरह संतुलित करता है और भाजपा किस हद तक अपनी राजनीतिक रणनीतियों में संघ की सलाह और आशीर्वाद को स्थान देती है। इतना तो निश्चित है कि आज की तारीख में भाजपा की राजनीति फिर से उसी पुराने सूत्र पर लौट आई है ङ्क संघ ही शक्ति का आधार है।

जहां तक मोहन भागवत के जन्मदिन पर प्रधानमंत्री मोदी द्वारा लिखे गये आलेख की बात है तो आपको बता दें कि प्रधानमंत्री ने लिखा है कि 11 सितम्बर का दिन इतिहास में विशेष महत्व रखता है। यह वही तिथि है जब 1893 में स्वामी विवेकानन्द ने शिकागो में अपने ओजस्वी शब्दों सिस्टर एण्ड ब्रदर आफ अमेरिका ङ्क से भारत की आध्यात्मिक धारा और सार्वभौमिक भाईचारे की अवधारणा को विश्वपटल पर स्थापित किया। यही दिन 2001 में आतंकवाद की विभीषिका का साक्षी भी बना, जब मानवता पर 9/11 का हमला हुआ। एक ओर यह दिन वसुधैव कुटुम्बकम् का संदेश देता है, तो दूसरी ओर यह दिखाता है कि चरमपंथ और हिंसा किस प्रकार सभ्यता को चुनौती देते हैं। प्रधानमंत्री ने लिखा है कि इसी तिथि पर एक और प्रसंग उल्लेखनीय है। यह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत का जन्मदिन है। जब संघ अपनी शताब्दी के वर्ष में प्रवेश कर रहा है, तब उनका 75वाँ जन्मदिन हमें उनके योगदान और नेतृत्व की भूमिका पर विचार करने का अवसर देता है। प्रधानमंत्री ने लिखा है कि मधुकरराव भागवत के सुपुत्र मोहन भागवत ने अपने जीवन का आरंभ उसी वातावरण में किया, जहाँ राष्ट्र को सर्वोपरि मानने की प्रेरणा सहज ही मिलती थी। 1970 के दशक में प्रचारक बने मोहनराव ने आपातकाल के कठिन समय में लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा हेतु संघर्ष किया। ग्रामीण और वंचित क्षेत्रों में कार्य करते हुए उन्होंने समाज की गहराई को समझा और उसकी पीड़ा को अनुभव किया। यही अनुभव आगे चलकर उनके नेतृत्व का आधार बने।

प्रधानमंत्री मोदी ने लिखा है कि भागवत जी का नेतृत्व केवल संघ के भीतर सीमित नहीं रहा। उन्होंने संगठनात्मक परम्पराओं को बनाए रखते हुए समय की मांग के अनुसार परिवर्तन किए। गणवेश में बदलाव हो या शिक्षा वर्गों में सुधार, उनका दृष्टिकोण हमेशा व्यावहारिक और भविष्यदृष्टा रहा। सबसे महत्वपूर्ण यह कि उन्होंने युवाओं के साथ जीवंत संवाद बनाए रखा, जिससे संघ आज के डिजिटल युग में भी प्रासंगिक और सक्रिय बना हुआ है। प्रधानमंत्री ने लिखा है कि कोविड-19 महामारी के समय उनका मार्गदर्शन विशेष रूप से उल्लेखनीय रहा। उन्होंने तकनीक का उपयोग बढ़ाने और सेवा कार्यों को नई ऊर्जा देने की प्रेरणा दी।

इसी प्रकार उनके 'पंच परिवर्तन' ङ्क सामाजिक समरसता, पारिवारिक मूल्य, पर्यावरण चेतना, राष्ट्रीय आत्मबोध और नागरिक कर्तव्य ङ्क समाज को नई दिशा देने वाले स्पष्ट सूत्र हैं। यही वे आधार हैं जिन पर एक भारत श्रेष्ठ भारत की कल्पना साकार हो सकती है।

लाल पानी से प्रभावित ग्रामीणों को न्याय दिलाने 19 को कांग्रेस करेगी वृहद धरना प्रदर्शन और रैली

बीजापुर। जिले के गंगालूर तहसील के लगभग 45 गांव एनएमडीसी के लाल पानी से गंभीर रूप से प्रभावित हैं। जहरीली लाल पानी के कारण आये दिन ग्रामीण गंभीर बीमारियों से ग्रसित होकर काल के मुँह में समाने के लिए मजबूर हैं, वहीं ग्रामीणों के मवेशी भी लाल पानी की वजह से मारे जा रहे हैं। क्षेत्र के ग्रामीणों को दूषित लाल पानी से निजात दिलाने के साथ साथ जिले की प्रमुख समस्याओं को लेकर कांग्रेस पार्टी ने जिला मुख्यालय में 19 सितंबर को एक दिवसीय वृहद धरना प्रदर्शन और रैली का आयोजन करेगी। दूसरी ओर क्षेत्रीय विधायक विक्रम मण्डावी लाल पानी से प्रभावित ग्रामीणों की विभिन्न मांगो को लेकर 18 सितंबर से दो दिवसीय पद यात्रा करेंगे। यह पद यात्रा हीरोली से बीजापुर तक कुल 30 किलोमीटर की होगी। कांग्रेस की यह पद यात्रा 19 सितंबर को बीजापुर पहुंचेगी और मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपेगी। गंगालूर तहसील के ग्राम पंचायत गंगालूर, पुसनार, बुरजी, मेटापाल, पीड़िया, डौडीतुमनार, गोंगला, रेड्डी, कड़ेनार,गमपुर, तोड़का, हल्लुर वहीं भैरमगढ़ तहसील के मदपाल, बेचापाल और पिटेपाल के लगभग 45 गांव के ग्रामीण वर्षों से एनएमडीसी के लाल पानी से से पीड़ित हैं। इस लाल पानी के कारण ग्रामीणों के जान माल के नुकसान के साथ साथ फसल भी बर्बाद हो जाते हैं, जिसके वजह से ग्रामीण आर्थिक और मानसिक रूप से परेशान होने के लिए मजबूर हैं। एनएमडीसी द्वारा आये दिन बैलाडीला पहाड़ी पर ब्लास्ट किया जाता है, जिससे पहाड़ी के निचे बसे गांव के ग्रामीणों के जान माल के साथ घरों को भी नुकसान होता है। क्षेत्र के ग्रामीणों को हो रहे नुकसान के साथ नेशनल पार्क के विस्थापित ग्रामीणों की मांग, कोरण्डम खदान को चालू करने का विरोध, बीजापुर के रेत को तेलंगाना बेचने का विरोध सहित आदिवासियों के जमीनों को उद्योगपति, भूमाफ्याओं जबरन खरीदी करने के विरोध में जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा एक दिवसीय धरना प्रदर्शन और रैली कर अपना विरोध दर्ज कराते हुए ग्रामीणों की विभिन्न मांगो का मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपेंगे। दूसरी ओर लाल पानी से प्रभावित ग्रामीणों की विभिन्न समस्याओं को लेकर क्षेत्रीय विधायक विक्रम मण्डावी 18 सितंबर से हीरोली से बीजापुर तक कुल 30 किलोमीटर का दो दिवसीय पदयात्रा करेंगे। कांग्रेस की यह पदयात्रा 19 सितंबर को बीजापुर मुख्यालय पहुंचेगी। लाल पानी से प्रभावित ग्रामीणों की प्रमुख मांग एनएमडीसी और प्रशासन द्वारा लाल पानी से प्रभावित गाँवो का सर्वे कराया जाये,लाल पानी से ग्रामीणों को हो रहे नुकसान का मुआवजा दीया जाये, हीरोली में सर्वसुविधा युक्त अस्पताल खोला जाये, प्रभावित गाँवो के बच्चों के लिए स्कुल आश्रम खोला जाये, प्रत्येक गाँवो में पिने की स्वच्छ पानी की व्यवस्था किया जाये, प्रभावित ग्रामीणों को जमीन का राजस्व पट्टा प्रदाय किया जाये, लाल पानी से प्रभावित गाँवो के युवकों को नौकरी में प्राथमिकता देने, लाल पानी को साफ करने के लिए स्टाप डेम का निर्माण किया जाये और वर्तमान में एनएमडीसी के निपेक्ष क्रमांक 03, 04, 05, 13 एवं 14 शुरू किया जा रहा है जिसे बंद करने जैसी मांगे शामिल है।

दीदी ई रिक्शा योजना से आदिलक्ष्मी को मिली नई राह, कभी करती थीं दूसरों के घर काम, अब चला रही हैं अपना ई-रिक्शा

कोंडागांव। कोंडागांव नहरपारा की रहने वाली आदि लक्ष्मी यादव का जीवन कभी कठिनाइयों से घिरा हुआ था। परिवार की जिम्मेदारियाँ निभाने के लिए वे दूसरों के घरों में भोजन बनाकर किसी तरह रोजमर्रा का गुजारा करती थीं। लेकिन लक्ष्मी के मन में हमेशा अपने पैरों पर खड़े होकर परिवार को बेहतर भविष्य देने का सपना था। अपने आत्मनिर्भर बनने के सपने को साकार करने के लिए उन्होंने सरकार की 'दीदी ई-रिक्शा योजना' के बारे में जानकारी ली। श्रम विभाग के अधिकारियों ने जब उन्हें इस योजना और शासन द्वारा दी जा रही आर्थिक सहायता के बारे में विस्तार से बताया, तो लक्ष्मी के जीवन की दिशा बदल गई। सरकार की इस योजना का लाभ उठाते हुए उन्होंने ई-रिक्शा खरीदी और छत्तीसगढ़ भवन एवं संनिर्माण कर्मकार मंडल में पंजीयन होने के कारण उन्हें एक लाख रुपए की सहायता राशि भी मिली। आज लक्ष्मी अपना ई-रिक्शा चलाकर प्रतिमाह 15 से 20 हजार रुपए तक की आय कर रही हैं। इस आय से वे न सिर्फ अपनी ई रिक्शा का ईएमआई किस्त समय पर जमा कर पाती हैं, बल्कि शेष राशि से अपने परिवार का भरण-पोषण भी अच्छे से कर रही हैं। उन्होंने बताया कि ई रिक्शा चलाकर अपने मेहनत से पैसा कमाकर उन्हें बहुत खुशी मिलती है। खुद की मेहनत और लगन से आगे बढ़ने की हिम्मत रखने वाली महिलाओं के लिए यह बहुत अच्छी योजना है। लक्ष्मी भावुक होकर बताती हैं कि कभी जिन सड़कों पर वे दूसरों के घर काम करने के लिए पैदल चला करती थीं, आज उन्हीं सड़कों पर अपने स्वयं के ई-रिक्शा की सवारी करवाती हैं। सरकार की यह योजना न केवल लक्ष्मी जैसी महिलाओं को आत्मनिर्भर बना रही है, बल्कि समाज में महिला सशक्तिकरण की नई मिसाल भी पेश कर रही है। लक्ष्मी आत्मविश्वास के साथ कहती हैं कि मेहनत और सही अवसर मिलने पर महिलाएँ भी हर क्षेत्र में आगे बढ़ सकती हैं। आदि लक्ष्मी ने शासन से मिली सहायता के लिए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त किया।

कोण्डागांव के विभिन्न स्थानों पर बिकने वाले खाद्य सामग्रियों की हुई जांच

कोण्डागांव। खाद्य एवं औषधि प्रशासन खाद्य सुरक्षा अधिकारी डीके देवांगन द्वारा चलित खाद्य प्रयोगशाला के माध्यम से कोण्डागांव के विभिन्न स्थानों पर लगने वाले ठेलों का निरीक्षण किया गया और वहां बिकने वाले खाद्य सामग्रियों की जांच की गई। मोमोस सेंटर, चाऊमीन सेंटर, चाट सेंटर, एग रोल सेंटर आदि से मोमोस, मयोनिस, सॉस, लाल चटनी, आलू मटर का मसाला, गुपचुप पानी, मीठा चटनी, गरम मसाला, तेल, टमाटर चटनी, सेव, नमकीन, मुंगौडी, मिर्ची चटनी आदि के करीब 53 नमूनों की जांच की गई जिसमें तीन ठेलों में खाद्य सामग्रियों को तलने के लिए उपयोग किये जा रहे तेल जांच में अमानक स्तर के पाए गए। इस मौके पर नष्ट कराकर संचालकों को नियमानुसार तेल का उपयोग करने के लिए निर्देशित किया गया। इसके साथ ही जिनके पास खाद्य अनुज्ञप्ति एवं पंजीयन नहीं पाया गया उन्हें जल्दी ही खाद्य अनुज्ञप्ति एवं पंजीयन के लिए आवेदन करने के लिए कहा गया है।

कोबरा 208 सघन सर्चिंग कार्रवाई के दौरान माओवादियों के हथियार, विस्फोटक सामग्री एवं रसद सामग्री किया बरामद

बीजापुर। जिला बीजापुर के थाना पामेड़ क्षेत्रांतर्गत एफओबी काउरगुटटा क्षेत्र के जंगलों में कोबरा 208 बटालियन द्वारा की गई सघन सर्चिंग कार्रवाई के दौरान माओवादियों द्वारा छिपाकर रखे गए भारी मात्रा में हथियार, विस्फोटक सामग्री एवं रसद सामग्री का डम्प बरामद किया गया। बरामद सामग्री को माओवादियों ने ग्राम कंचाल के जंगलों में गड्ढों और पेड़ों की खोल में छिपा रखा था। यह सामग्री संभावित बड़ी साजिश को अंजाम देने हेतु एकत्र की गई थी, जिसे सुरक्षा बलों ने समय रहते विफल कर दिया। बरामद सामग्री में बीजीएल लांचर, मजल लोडिंग बंदूक, बीजीएल सेल, बैरल पाइप बैटरी, इलेक्ट्रिक डेटोनेटर, डायरेक्शनल माइंस, पिठ्ठू बैग, बीजीएल पोच, माओवादी वर्दी, केरिपु पैटयर्न की कॉम्बैट ड्रेस, बेल्ट, बेडशीट, माओवादी साहित्य, पटाखे राशन सामग्री थी। सुरक्षा बलों की सतर्कता और त्वरित कार्रवाई से माओवादियों की एक बड़ी साजिश को विफल किया गया है। यह डंप बरामदगी क्षेत्र में शांति एवं सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

अरविंद महाविद्यालय किरन्दुल में रजत जयंती पुस्तक मेला का किया गया आयोजन

किरंदुल। छत्तीसगढ़ रजत जयंती वर्ष 2025-26 के 25 वर्ष की गौरव यात्रा में शासकीय अरविंद महाविद्यालय किरंदुल में रजत जयंती पुस्तक मेला का आयोजन किया गया। इस पुस्तक मेला का शुभारम्भ महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आर.के. हिरकने के द्वारा किया गया। यह मेला ज्ञान, विज्ञान एवं शिक्षा का अदभुत संगम साबित हुआ। इस मेले मे ज्ञान, विज्ञान, साहित्य, हिन्दी, कानून, अर्थशास्त्र, कारनिकल, समसमायिक, लुसेंट कि सामन्य ज्ञान एवं हर प्रकार के किताबो का संग्रह उपलब्ध था। इसके साथ ही छात्र-छात्राओं को किताबें क्यों पढ़ना चाहिए? इसके जीवन मे महत्व, इनके फायदो मे जैसे ज्ञान एवं जानकारी बढ़ाना, शब्दावली मे सुधार, रचनात्कमता, सोचने कि क्षमता बढ़ना, इन सब फायदे के बारे मे बताया गया। श्रेष्ठ ज्ञान अर्जन के लिए पुस्तक ही श्रेष्ठ माध्यम है। इस मेले मे आयोजन के प्रभारी बिंदु ठाकुर सहायक प्राध्यापक, डॉ. तंजीन आरा खान, डॉ. रवि रंजन, डॉ. शबीना खान, डॉ. ममता रात्रे एवं समस्त प्राध्यापक गण उपस्तिथ रहे। इस मेले मे महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। साथ ही इस पुस्तक मेले का आयोजन सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ।

किरंदुल व्यापारी कल्याण संघ के ऐतिहासिक चुनाव में ओम सोनी पैनल की शानदार जीत

किरंदुल। किरंदुल में पहली बार व्यापारी कल्याण संघ का चुनाव ऐतिहासिक रूप से संपन्न हुआ। इस चुनाव में दो पैनल,जेडी पैनल और ओम सोनी पैनल आमने-सामने थे। बता दें व्यापारियों ने मतदान किया।जिसके बाद शाम 04 बजे से मतगणना प्रारंभ हुई तथा रात 10 बजे परिणाम सामने आएं।जिसमें ओम सोनी पैनल को व्यापारियों का जबरदस्त समर्थन मिला, जिसके परिणामस्वरूप उन्होंने एकतरफा जीत हासिल की। इस जीत ने व्यापारियों के बीच उत्साह और हर्ष का माहौल पैदा कर दिया। बता दें कि किरंदुल के इतिहास में इससे पहले कभी इस तरह का चुनाव नहीं हुआ था। पहले अध्यक्ष और सचिव को मनोनीत किया जाता था, लेकिन इस बार व्यापारी कल्याण संघ ने किरंदुल के सभी व्यापारियों को आम सभा में बुलाकर चुनाव कराने का निर्णय लिया, जिसे सर्वसम्मति से स्वीकार किया गया।कुल 419 मतदाताओं में से 390 ने अपने मताधिकार का उपयोग किया, जिसने इस चुनाव को और भी ऐतिहासिक बना दिया। जीतने वाले सभी प्रत्याशियों ने व्यापारियों का आभार व्यक्त किया।

अब सभी की निगाहें नवनिर्वाचित पदाधिकारियों पर टिकी हुई हैं कि क्या वे व्यापारियों के हित में कार्य करेंगे या पुरानी व्यवस्था की तरह ही सब कुछ चलेगा। व्यापारियों को नई टीम से बड़ी उम्मीदें हैं और यह समय ही बताएगा कि क्या ये उम्मीदें पूरी होंगी।

विश्वकर्मा जयंती पर राजधानी में श्रमिक महासम्मेलन, मुख्यमंत्री साय श्रमवीरों को 65 करोड़ रूपए से अधिक की सहायता देंगे

रायपुर। छत्तीसगढ़ रजत जयंती वर्ष और विश्वकर्मा जयंती के अवसर पर राजधानी रायपुर में श्रमिक महासम्मेलन का आयोजन होगा। इस महासम्मेलन में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय मेहनतकश श्रमिकों को विभिन्न शासकीय योजनाओं से लाभान्वित करेंगे। महासम्मेलन राजधानी रायपुर के सरदार बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम में दोपहर 3 बजे से आयोजित होगा। इस महासम्मेलन में मुख्यमंत्री साय 1 लाख 84 हजार 220 से अधिक पंजीकृत श्रमिकों को 65 करोड़ 16 लाख 61 हजार रूपए से अधिक की सहायता डीबीटी के माध्यम से जारी करेंगे। महासम्मेलन में छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल और छत्तीसगढ़ असंगठित कर्मकार राज्य सामाजिक सुरक्षा मंडल सहित छत्तीसगढ़ श्रम कल्याण मंडल में पंजीकृत श्रमिकों को शासकीय योजनाओं से लाभान्वित किया जाएगा। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना के रजत जयंती वर्ष के अवसर पर श्रम विभाग के द्वारा 12-19 सितंबर तक 55 स्वास्थ्य शिविर का आयोजन सभी जिलों में किया जा रहा है। इन शिविरों में श्रमिकों की स्वास्थ्य जांच, दवाई वितरण, श्रमिक पंजीयन एवं नवीनीकरण का काम भी किया जा रहा है। इसी प्रकार निर्माण श्रमिकों का कौशल उन्नयन के लिए महासमुन्द जिले में 22, बिलासपुर जिले में 20 और राजनांदगांव जिले में 20 श्रमिकों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। अन्य जिलों में भी कौशल उन्नयन के लिए प्रशिक्षण देने श्रमिकों के चयन की कार्यवाही की जा रही है। इंडोर स्टेडियम परिसर में आयोजित होने वाले श्रमिक महासम्मेलन में कर्मचारी राज्य बीमा सेवाओं द्वारा ब्लड डोनेशन कैंप का आयोजन भी किया जायेगा। इसके साथ ही संशोधित श्रम कल्याण मण्डल द्वारा 50 श्रमिकों को चश्मा वितरण किया जायेगा। महासम्मेलन में प्रदेश के अन्य जिलों से आने वाले श्रमिकों एवं उनके परिजनों की भी स्वास्थ्य जांच की जायेगी। महासम्मेलन स्थल इंडोर स्टेडियम परिसर में श्रमिकों को सुरक्षा के लिए विभागीय योजनाओं के प्रति जागरूकता बढ़ाने प्रदर्शनी भी लगाई जायेगी। इसके साथ ही श्रमिकों को श्रम विभाग द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी जायेगी।

जीपीएफ अंतिम भुगतान प्रकरणों के निराकरण हेतु शिविर 17 सितंबर को

कोण्डागांव। कार्यालय प्रधान महालेखाकार (लेखा एवं हक.) छत्तीसगढ़ रायपुर द्वारा जीपीएफ ऋणात्मक शेष जीपीएफ अंतिम भुगतान के लम्बित प्रकरणों के त्वारित निराकरण हेतु 17 सितंबर को समय सुबह 10.00 बजे से कलेक्टोरेट सभागार प्रथम तल में शिविर आयोजित की जा रही है। जिला कोषालय अधिकारी द्वारा जानकारी दी गई है कि संबंधित आहरण संवितरण अधिकारी वांछित दस्तावेज के साथ शिविर में उपस्थित होकर लम्बित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण करा सकते हैं।

आदिवासी वनांचल क्षेत्र में पारेषण की नई लाइन ऊर्जीकृत

रायपुर। प्रदेश में आदिवासी और वनांचल क्षेत्र में विद्युत विस्तार के लिए छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी तेजी से कदम बढ़ा रही है, ताकि इन क्षेत्रों में कृषि और आर्थिक विकास की गतिविधियों में तेजी आए। इसी कड़ी में डोंगरगांव से मोहला तक 132 केवी डबल सर्किट लाइन को ऊर्जीकृत किया गया। इससे 250 से अधिक गांवों में निर्बाध और गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति में सहायता मिलेगी। 132 केवी उपकेंद्र मोहला में स्थित है, वहां तक 132 केवी की सिंगल लाइन आई थी, जिसे अब डबल सर्किट कर दिया गया है। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी के प्रबंध निदेशक राजेश कुमार शुक्ला ने आज दोपहर 3.48 बजे इसे स्विच ऑन कर ऊर्जीकृत किया। इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक संजय पटेल, शिरीष शैलेट (वितरण), मुख्य अभियंता अब्राह्म वर्गीस, अतिरिक्त मुख्य अभियंता पीपी सिंह सहित अधिकारी उपस्थित थे। मोहला-मानपुर जिला वनांचल और आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र है, जहां डोंगरगांव से 132 केवी अतिउच्चदाब लाइन से विद्युत आपूर्ति होती है। इसे अब नए 60 किलोमीटर लंबी डबल सर्किट में बदला गया है। इस पर छह करोड़ रूपए की लागत आई है। पहले सिंगल लाइन होने से लाइन में कोई अवरोध आने पर सप्लाई प्रभावित हो जाती थी, अब डबल सर्किट होने से निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित हो सकेगी।

रेत पर विधायक विक्रम मंडावी की सियासत, भाजपा के पूर्व वनमंत्री महेश गागड़ा ने खोली पोल

रेत पर कांग्रेस का हाथ, जनता के साथ विश्वासघात, बीजेपी का आरोप- विधायक मंडावी के संरक्षण में हज़ारों ट्रक रेत का अवैध परिवहन

बीजापुर। जिले में रेत को लेकर सियासत गरमा गई है। कांग्रेस द्वारा लगाए गए आरोपों पर बीजेपी ने पलटवार करते हुए कांग्रेस विधायक विक्रम शाह मंडावी को सीधे कटघरे में खड़ा कर दिया। अटल सदन (भाजपा कार्यालय) में आयोजित प्रेस वार्ता में पूर्व मंत्री महेश गागड़ा ने कहा बीजापुर की भोली-भाली जनता को गुमराह करने का खेल अब ज्यादा दिन नहीं चलेगा। सच यह है कि कांग्रेस की सरकार और स्थानीय विधायक मंडावी के संरक्षण में ही रेत का कारोबार फलता-फूलता रहा है। गागड़ा ने आरोप लगाया कि मई 2020 में जब रेत की निविदा प्रक्रिया हुई, तब प्रदेश में कांग्रेस की ही सरकार थी। तब बड़े-बड़े दावे किए गए थे कि पंचायतें खुद रेत निकालेंगी और राजस्व बढ़ेगा, लेकिन हकीकत यह रही कि पूरी प्रक्रिया बदलकर रेत कारोबार ठेकेदारों को सौंप दिया गया। उन्होंने आगे कहा कि 2021-22 में रेत भंडारण की अनुमति भी कांग्रेस सरकार और तत्कालीन मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने पंचायतों को देकर ठेकेदारों को फायदा पहुंचाया। इसके बावजूद आज विधायक मंडावी जनता के बीच निरीक्षण कर 'नैतिकता' का दिखावा कर रहे हैं। गागड़ा ने तीखा तंज कसते हुए कहा निविदा प्रक्रिया के समय विधायक मंडावी कुम्भकर्ण की नींद में थे। अब जनता को बरगलाने के लिए जागे हैं। असलियत यह है कि उन्हीं के संरक्षण में बीजापुर से हजारों ट्रकों में रेत का अवैध परिवहन पड़ोसी राज्यों तक हुआ है। बीजेपी का कहना है कि कांग्रेस विधायक अब ठेकेदारों पर दबाव बनाकर वसूली करना चाहते हैं। कांग्रेस का हाथ हमेशा से रेत के इस घोटाले में रहा है और जनता के साथ लगातार विश्वासघात किया गया है।

कॉंग्रेस के समय पर डीएमएफ घोटाले की प्रशासन करें जाँच : गागड़ा

गागड़ा ने डिस्ट्रिक्ट मिनिरल फंड में हुई गड़बड़ी पर कहा कि कॉंग्रेस कार्यकाल व विधायक के समय में खास कर महिला बाल विकास और जनपद पंचायतों के माध्यम से ग्राम पंचायतों में डीएमएफ राशि से जो बोर खनन कार्य के नाम से जो गड़बड़ी हुई उसकी प्रशासन से जाँच करने की माँग करता हूँ, और भोपालपट्टनम ब्लॉक के अंतर्गत सांड्रापल्ली व चेरपल्ली जैसे अन्य पंचायतों में जो तालाबों के निर्माण का भुगतान वहां के स्थानीय मजदूरों को नही किया गया है, इन जगहों पर जाँच दल को विधायक क्यों नही ले जाते ग्रामीणों को इसकी जानकारी क्यों नही देते इन सब मामलों पर विधायक की चुप्पी क्यों? उक्त प्रेस वार्ता में नवनियुक्त प्रदेश उपाध्यक्ष जी.वेंकटेश्वर, जिलाध्यक्ष घासीराम नाग, पूर्व जिलाध्यक्ष श्रीनिवास मुदलियार, युवा मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य फूलचंद गागड़ा व महिला मोर्चा जिला महामंत्री माहेश्वरी झाड़ी सहित अन्य कार्यकर्ता व पदाधिकारी उपस्थित रहें।

संक्षिप्त समाचार

छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव पर खेल एवं युवा कल्याण विभाग का आयोजन

संभाग स्तरीय युवा काव्य पाठ प्रतियोगिता 29 सितम्बर को

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव के अंतर्गत खेल एवं युवा कल्याण विभाग एवं राज्य युवा आयोग द्वारा 29 सितम्बर को संभाग स्तरीय काव्य पाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। बिलासपुर के लाल बहादुर शास्त्री स्कूल के देवकीनंदन दीक्षित सभागृह में सवेरे 11 बजे से यह प्रतियोगिता शुरू होगी। संभागायुक्त श्री सुनील जैन ने संभाग के सभी कलेक्टरों से प्रतियोगिता में अधिकाधिक युवाओं की हिस्सेदारी सुनिश्चित करने को कहा है। संभाग स्तर पर आयोजित इस प्रतियोगिता में प्रथम तीन विजेता राज्य स्तर पर संभाग का प्रतिनिधित्व करेंगे। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता 4 अक्टूबर 2025 को राजधानी रायपुर में आयोजित की गई है। खेल एवं युवा कल्याण विभाग के सहायक संचालक ई एक्का ने बताया कि प्रतियोगिता में भाग लेने वाले युवाओं की आयु 15 से 29 वर्ष के मध्य होनी चाहिए। प्रतियोगिता में सम्मिलित होने के लिए गूगल फार्म में पंजीयन किया जाना अनिवार्य है, जिसका लिंक httpsÑ//forms.gle/iAowjLmMALENPyee{ है। प्रस्तुति का समय अधिकतम 5 मिनट का होगा। प्रतिभागी को केवल 1 कविता प्रस्तुत करने की अनुमति होगी। कविता हिन्दी अथवा छत्तीसगढ़ी भाषा में प्रस्तुत की जा सकेगी। कविता हिंसात्मक, अपराधिक, आपत्तिजनक तथा अनुचित ना हो। कविता में जाति, धर्म, नस्ल, रंग आदि का भेदभाव न हो। निर्णयन समिति का निर्णय अंतिम एवं बाध्यकारी होगा। कविता मौलिक अथवा किसी प्रसिद्ध कवि की रचना हो सकती है, लेकिन पूर्व प्रकाशित प्रसिद्ध कविता प्रस्तुत करने पर कवि का नाम अवश्य लेना होगा। उच्चारण, भाव-भंगिमा, शुद्धता, प्रस्तुति कला, भावानुकुलता एवं विषय की प्रासंगिकता के आधार पर प्रतिभागियों को अंक प्रदाय किया जाएगा।

राज्य खेल अलंकरण के लिए 25 सितम्बर तक अनुशंसा आमंत्रित

बिलासपुर। राज्य खेल अलंकरण के लिए खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा 25 सितम्बर तक अनुशंसा आमंत्रित की गई है। अलंकरण के अंतर्गत वर्ष 2025-26 के लिए महाराजा प्रवीरचंद्र भंजदेव सम्मान एवं गुण्डाधूर सम्मान से अलंकृत किया जाएगा। महाराजा प्रवीरचंद्र भंजदेव सम्मान प्रतिवर्ष एक खिलाड़ी को दिया जाता है। जिसके अंतर्गत चयनित खिलाड़ी को एक लाख नगद, अलंकरण फ्लक एवं प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया जाएगा। इसी प्रकार गुण्डाधूर सम्मान के अंतर्गत एक खिलाड़ी या एक दल को प्रदान किया जाएगा। उन्हें भी एक लाख रूपए नगद, अलंकरण फ्लक एवं प्रशस्ति पत्र दिया जाएगा। नियमावली की विस्तृत जानकारी खेल विभाग की वेबसाईट का अवलोकन किया जा सकता है।

कारखाना श्रमिकों के लिए स्वास्थ्य जांच शिविर 18 सितम्बर को

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव के अवसर पर श्रम विभाग द्वारा 18 सितम्बर को औद्योगिक क्षेत्र सिरगिट्टी में श्रमवीर स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया है। शिविर औद्योगिक क्षेत्र के जय दुर्गा ऑयल प्राईवेट लिमिटेड से-बी इंडस्ट्रीयल एरिया में सवेरे 10 बजे से शाम 5.30 बजे तक चलेगी। शिविर में मुख्य रूप से औद्योगिक क्षेत्र के विभिन्न कारखानों में कार्यरत लगभग 500 श्रमिकों के शामिल होने का लक्ष्य रखा गया है। स्वास्थ्य एवं चिकित्सा विभाग के अलावा कर्मचारी राज्य बीमा निगम एवं अपोलो हॉस्पिटल बिलासपुर के विशेषज्ञ चिकित्सक शिविर में सेवाएं देंगे।

खनिजों के अवैध परिवहन करते 2 वाहन जप्त

बिलासपुर। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल के निर्देशानुसार एवं उप संचालक खनिज विभाग के मार्गदर्शन मे जिले में खनिज विभाग द्वारा खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन एंव भण्डारण पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में खनिज अमला द्वारा मंगला, सरकंडा, मोपका, बैमा, सेलर, पौसरा, पीप्रा, खैरा, टेकर एंव सीपत क्षेत्र का निरीक्षण किया गया। जहाँ ग्राम पंचायत टेकर क्षेत्र अंतर्गत बिना वैध अभिवहन पास के परिवहन कर रहे खनिज मुरुम लोड 02 हाइवा वाहनो को जब्त किया गया। अवैध परिवहन करते पाये गए वाहनों को पुलिस थाना सीपत की अभिरक्षा मे रखा गया है। खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन, भण्डारण पर खनिज विभाग द्वारा लगातार कार्यवाही जारी रहेगी।

रोजगार कार्यालय में 19 सितंबर को प्लेसमेंट कैम्प निजी कंपनियां 201 पदों पर करेंगी भर्तियां

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ राज्य की स्थापना के रजत जयंती महोत्सव के अंतर्गत निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए 19 सितंबर 2025 को जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र कोनी, बिलासपुर में प्लेसमेंट कैम्प आयोजित किया गया है। कैम्प में उक्त तिथि में प्रात: 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक भर्ती प्रक्रिया चलेगी। जिसमें 04 निजी नियोजकों (कम्पनी) द्वारा जनरल मैनेजर एच. आर. मैनेजर, फील्ड ऑफिसर, एग्रीक्लचर एडवॉजर, मॉर्केटिंग मैनेजर एल. आई.सी बीमा सखी, एक आई सी बीमा अभिकर्ता, इत्यादी कुल 201 विभिन्न पदों के लिये भर्ती संबंधी कार्यवाही की जाएगी।

स्वच्छता पखवाड़ा और पोषण माह का भव्य शुभारंभ

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लोगों ने सुना वर्चुअली केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू हुए शामिल.....

बिलासपुर। जिले में एक भव्य समारोह में स्वच्छता सेवा पखवाड़ा, स्वस्थ नारी-सशक्त परिवार, अंगीकार 2025 अभियान और प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना 2.0, पोषण माह का शुभारंभ हुआ। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने मध्यप्रदेश के धार जिले के ग्राम भैंसोला से वर्चुअली कार्यक्रम से जुड़कर लोगों को संबोधित किया। जिले में पंडित देवकीनंदन दीक्षित सभागृह में आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय आवासन एवं शहरी विकास राज्य मंत्री श्री तोखन साहू बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। कार्यक्रम में विधायक सर्वश्री श्री अमर अग्रवाल, धरमलाल कौशिक, धर्मजीत सिंह, सुशांत शुक्ला, महापौर श्रीमती पूजा विधानी, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री राजेश सूर्यवंशी, नगर निगम

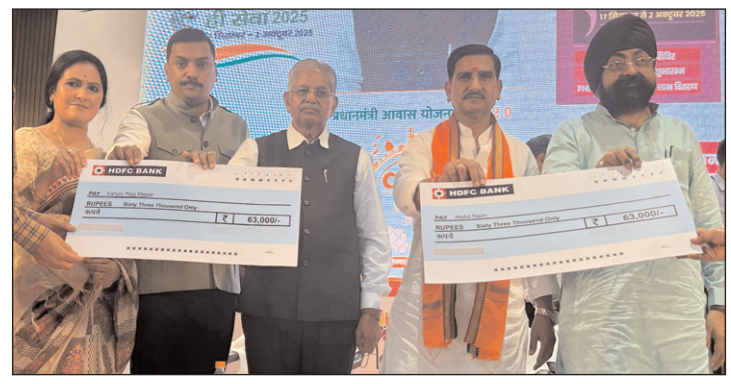

सभापति श्री विनोद सोनी, कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल, एसएसपी श्री रजनेश सिंह, नगर निगम कमिश्नर श्री अमित कुमार, सीईओ जिला पंचायत श्री संदीप अग्रवाल, क्रेडा के अध्यक्ष श्री भूपेन्द्र सवन्नी, श्री दीपक सिंह ठाकुर सहित अन्य जनप्रतिनिधि और अधिकारी मौजूद थे। कार्यक्रम में केंद्रीय राज्य मंत्री श्री तोखन साहू ने प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी के अंतर्गत 300 लाभार्थियों को भवन अनुज्ञा, 5 लाभार्थियों को प्रथम किस्त की राशि और 5 लाभार्थियों को गृह प्रवेश कराया गया। 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक चलने वाले स्वच्छता पखवाड़ा, स्वस्थ नारी-सशक्त परिवार अभियान की शुरूआत नगर निगम के स्मार्ट चैटबॉट का शुभारंभ और लखपति दीदियों का सम्मान किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केंद्रीय राज्य मंत्री श्री तोखन साहू ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी को उनके जन्मदिवस के अवसर शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी विराट व्यक्तित्व के धनी है। भारत को नई उंचाईयों तक ले जाने में उनकी अहम भूमिका है। उन्होंने कहा कि बिलासपुर के सर्वांगीण विकास के लिए कार्ययोजनाएं बनाई जा रही हैं। केंद्रीय राज्य मंत्री ने कहा कि गरीबों को पक्का मकान देकर उन्हें आत्मसम्मान और सुरक्षा की भावना देना हमारी सरकार की प्राथमिकता है। बिल्हा विधायक श्री धरमलाल कौशिक ने भी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी को उनके जन्मदिवस पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि मोदी जी का व्यक्तित्व सभी के लिए प्रेरक है। पूरे विश्व में सर्वाधिक लोकप्रिय है। 2047 तक भारत को विकसित भारत बनाना उनका लक्ष्य है। नगर निगम कमिश्नर श्री अमित कुमार ने स्वागत भाषण दिया। बिलासपुर नगर निगम द्वारा आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के तहत 300 हितग्राहियों को भवन अनुज्ञा, और 5 हितग्राहियों को प्रथम किस्त की राशि प्रदान की गई।

हाईकोर्ट से दो अधिकारियों की जमानत याचिका खारिज,मुख्य आरोपी की सुप्रीम कोर्ट से भी याचिका नामंजूर

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने रीएजेंट घोटाले में संलिप्त सीजीएमएससी के डिप्टी डायरेक्टर डॉ. अनिल परसाई और असिस्टेंट ड्रग कंट्रोलर वसंत कौशिक की नियमित जमानत याचिका खारिज कर दी है। इससे पहले, इस घोटाले के मुख्य आरोपी और मोक्षित कॉरपोरेशन के संचालक शशांक चोपड़ा की जमानत याचिका को भी सुप्रीम कोर्ट ने 8 सितंबर को खारिज कर दिया था। यह मामला लगभग 400 करोड़ रुपये के रीएजेंट घोटाले से जुड़ा है, जिसकी जांच ईडी, एसीबी और ईओडब्ल्यू द्वारा की जा रही है। घोटाले में अब तक शशांक चोपड़ा समेत 6 आरोपी जेल में हैं। कुछ आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की जा चुकी है, जबकि अन्य के खिलाफ जांच अभी भी जारी है। हाईकोर्ट में हुई सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ताओं की ओर से तर्क दिया गया कि ईओडब्ल्यू की रिपोर्ट के अनुसार, जो ट्यूब बाजार में 1.5 से 8.5 रुपए तक मिलती थी, उसे 352 रुपए प्रति ट्यूब की दर से खरीदा गया। एफआईआर में यह विवरण है, लेकिन बाद की जांच में बताया गया कि ट्यूब 2352 रुपए में खरीदी गई थी। दोनों आंकड़ों में विरोधाभास है, जिससे यह घोटाला और बड़ा प्रतीत होता है। याचिका में यह भी कहा गया कि डॉ. अनिल परसाई को विभाग द्वारा केवल आहरण और संवितरण (डिस्ट्रिब्यूशन) की जिम्मेदारी सौंपी गई थी, ना कि खरीदी या भुगतान की। उनके पास बजट स्वीकृति या खर्च करने का कोई अधिकार नहीं था। इसके बावजूद उनके विरुद्ध कार्रवाई की जा रही है, जबकि वास्तविक खरीदी की प्रक्रिया उच्च स्तर के अधिकारियों द्वारा की गई थी, जिन पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ताओं के वकीलों ने यह भी अपील की थी कि शशांक चोपड़ा की सुप्रीम कोर्ट में जमानत याचिका लंबित है, इसलिए जब तक उस पर फैसला नहीं हो जाता, तब तक इस याचिका पर सुनवाई टाल दी जाए। लेकिन 8 सितंबर को सुप्रीम कोर्ट से चोपड़ा की याचिका खारिज हो गई, जिसके बाद हाईकोर्ट में लंबित याचिकाओं पर सुनवाई हुई। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा की एकलपीठ ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जमानत याचिकाएं खारिज कर दीं।

महिला सशक्तिकरण और बाल विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही राज्य सरकार: मंत्री लखनलाल देवांगन

कोरबा। छत्तीसगढ़ राज्य के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में शासन के निर्देशानुसार रजत महोत्सव अंतर्गत विभिन्न विभागों द्वारा विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में आज महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा इंदिरा स्टेडियम, टी.पी नगर, कोरबा में महतारी सम्मेलन कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ शासन के वाणिज्य, उद्योग, श्रम एवं आबकारी मंत्री श्री लखन लाल देवांगन शामिल हुए। उन्होंने महिला सशक्तिकरण एवं बालिकाओं की उन्नति के लिए चलाई जा रही शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के स्टॉलों का अवलोकन किया तथा बाल विवाह निषेध हेतु उपस्थितजनों को शपथ भी दिलाई। अपने उद्बोधन में मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि राज्य सरकार महिला सशक्तिकरण और बाल विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने कहा कि शासन का संकल्प है कि बेटियों को शिक्षा, सुरक्षा और सम्मान प्राप्त हो तथा महिलाएँ आत्मनिर्भर बनकर समाज की रीढ़ बनें। उन्होंने यह भी कहा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा संचालित गरीब कल्याण योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक लोगों तक पहुँचना चाहिए। आज महिलाएँ और बेटियाँ कंधे से कंधा मिलाकर हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं और प्रदेश व देश का नाम रोशन कर रही हैं। कार्यक्रम में सांसद श्रीमती ज्योत्सना महंत ने भी संबोधित करते हुए कहा कि शासन की अनेक योजनाएँ महिलाओं और बेटियों को सशक्त बनाने के उद्देश्य से चलाई जा रही हैं। आज महिलाएँ किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं हैं और आत्मनिर्भरता के साथ समाज की दिशा तय कर रही हैं।सम्मेलन के दौरान उल्लेखनीय कार्य करने वाली माताओं एवं बहनों को सम्मानित किया गया। साथ ही जिले के मेधावी बच्चों को भी पुरस्कृत भी किया गया।इस दौरान महापौर श्रीमती संजू देवी राजपूत, पार्षद श्री नरेंद्र देवांगन सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, पदाधिकारी, अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

रामलला दर्शन योजना:संभाग से 850 और जिले के 225श्रद्धालु अयोध्या धाम के लिए हुए रवाना

■ जिला पंचायत अध्यक्ष श्री राजेश सूर्यवंशी ने दिखाई हरी झंडी

बिलासपुर। श्री रामलला दर्शन योजना के तहत आज भारत गौरव ट्रेन बिलासपुर संभाग के 850 श्रद्धालु को लेकर अयोध्या धाम के लिए रवाना हुई। इस विशेष ट्रेन को जिला पंचायत अध्यक्ष श्री राजेश सूर्यवंशी ने हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर मुंगेली जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीकांत पांडे, जिला पंचायत सीईओ श्री संदीप अग्रवाल, पूर्व महापौर श्रीमती वाणी राव, नगर निगम सभापति विनोद सोनी एवं अन्य जनप्रतिनिधि, जिला प्रशासन, छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड के अधिकारी-कर्मचारी एवं रेलवे के कर्मचारी उपस्थित थे। बिलासपुर रेलवे स्टेशन से अयोध्या धाम यात्रा के लिए जाने वाले श्रद्धालुओं का स्टेशन में भव्य स्वागत किया गया। गाजे बाजे और पारंपरिक नृत्य और तिलक लगाकर भक्तों का स्वागत किया गया। ये श्रद्धालु

काशी विश्वनाथ का भी दर्शन करेंगे। दर्शन के लिए जा रहे इन श्रद्धालुओं ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त किया। अयोध्या धाम के लिए रवाना हुई इस विशेष ट्रेन में बिलासपुर जिले के 225 यात्री भी शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि श्री रामलला दर्शन योजना के तहत श्रद्धालुओं को पूरा पैकेज मिलेगा जिसमें छत्तीसगढ़ से अयोध्या जाने, वहां ठहरने की व्यवस्था, मंदिर दर्शन, नाश्ते और खाने की भी व्यवस्था रहेगी। इस ट्रेन में टूर एस्कॉर्ट, सुरक्षा कर्मी और चिकित्सकों का दल भी मौजूद रहेगा।

केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू ने किया सेवा पखवाड़ा का शुभारंभ

■ दिव्यांगजनों का किया सम्मान, बांटे सहायक उपकरण

बिलासपुर। केंद्रीय शहरी विकास राज्यमंत्री श्री तोखन साहू ने तिफरा स्थित शासकीय दृष्टि एवं श्रवण बाधितार्थ विद्यालय में सेवा पखवाड़ा का शुभारंभ किया। उन्होंने छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव पर आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों के विजेता दिव्यागजनों को सम्मानित किया। समाज कल्याण विभाग की ओर से दिव्यांग जनों को सशक्त करने विभिन्न सहायक उपकरण भी वितरित किए। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्थानीय विधायक श्री धरम लाल कौशिक ने की। कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री श्री तोखन साहू ने दिव्यांग बच्चों का उत्साह बढ़ाया। उल्लेखनीय है कि रजत महोत्सव कार्यक्रम में दिव्यांग बच्चों के लिए रंगोली, निबंध एवं चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें बच्चों ने उत्साह से भाग लिया। मुख्य अतिथि श्री तोखन साहू ने दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण एवं सम्मान प्रदान किया गया। इस दौरान 05 ब्रेल किट, 05 श्रवण यंत्र एवं 10 स्मार्ट केन वितरित किए गए। प्रतियोगिता में विजेता 17 प्रतिभागियों और शैक्षणिक गतिविधियों में उत्कृष्ट 17 छात्र-छात्राओं को प्रमाणपत्र एवं मेडल देकर सम्मानित किया गया। इस प्रकार कुल 62 दिव्यांगजन एवं वरिष्ठ नागरिकों का सम्मान किया गया। श्री तोखन साहू ने कहा कि दिव्यांग बच्चों को दिए गए उपकरण उनकी शैक्षणिक प्रगति में सहायक होंगे तथा बिलासपुर जिले में किसी भी दिव्यांगजन को सहायक उपकरण की कमी नहीं होने दी जाएगी। वहीं श्री धरमलाल कौशिक ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों एवं प्रतिभागियों की प्रतिभा की सराहना की। कार्यक्रम का स्वागत भाषण संयुक्त संचालक श्री टी. पी. भावे ने दिया। कार्यक्रम में श्रीमती श्रद्धा मैथ्यु (जिला पुनर्वास अधिकारी), श्रीमती बबिता कमलेश (उपनियंत्रक ब्रेल प्रेस), श्री प्रशांत मोकासे (सहायक सांख्यिकी अधिकारी एवं कार्यक्रम संचालक), श्री उत्तमराव माथनकर, श्रीमती सरस्वती रामेश्वरी, श्रीमती सरस्वती जायसवाल, सुश्री बीना दीक्षित, श्री प्रशांत द्विवेदी, श्री संजय खुराना, दीक्षांत पटेल, श्री अशोक अग्रवाल, श्रीमती मंजु रंगारी, श्रीमती उमा पाण्डेय सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी एवं अशासकीय संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।कार्यक्रम का संचालन श्री प्रशांत मोकासे ने किया।

हितग्राहियों के खिले चेहरे खिले मिला पक्का आशियाना,भवन अनुज्ञा और वय वंदन कार्ड सहित कई योजनाओं का लाभ...

बिलासपुर। जिला स्तरीय कार्यक्रम में आज विभिन्न सरकारी योजनाओं से लाभान्वित हितग्राहियों के चेहरे खुशी से खिल उठे। कार्यक्रम में जरूरतमंद परिवारों को पक्के आशियाने की चाबी, भवन अनुज्ञा, पहले किश्त की राशि और वय वंदन कार्ड प्रदान किए गए। इसके साथ ही लखपति दीदियों को सम्मानित किया गया। हितग्राहियों ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय का आभार जताते हुए कहा कि इन योजनाओं से उनकी जिंदगी में बड़ा बदलाव आया है। प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी से लाभान्वित कुदुदन निवासी श्रीमती ममता दुबे को आवास स्वीकृत हुआ और भवन का नक्शा मिलने पर उन्होंने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि अब उन्हें किराए के घर से निजात मिल गई है। इसी तरह हेमूनगर की गोटीवाड़ा विजया और बिजौर निवासी ओम साहू को घर की चाबी मिलने पर उनकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। विजय ने बताया कि पति ड्राइविंग का काम करते हैं आमदनी इतनी नहीं कि खुद का घर बना सकें पर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की आवास योजना से अब उनका पक्के घर का सपना साकार हो गया है और कच्चे

घर से निजात मिल गई। इसी तरह अशोक नगर निवासी श्रीमती संतोषी श्रीवास व श्रीमती पूनम टंडन लिंगियाडीह निवासी को खमतराई, और बहतराई में मकान आवंटित हुआ और उन्हें पहले किश्त का चेक प्राप्त हुआ। उन्होंने खुशी से बताया कि अब उनका अपने खुद के घर में रहने का सपना साकार होने जा रहा है। वहीं श्रीमती रानी यादव सरकंडा थाना के सामने बेजा कब्जा कर परिवार के साथ रह रही थी जिसके कभी टूटने की आशंका है उन्होंने बताया कि घर तोड़े जाने का उन्हें नोटिस भी जारी किया गया है पर अब आवास स्वीकृत होने से उनकी एक बड़ी चिंता दूर हो गई है बहुत से हितग्राहियों को इस अवसर पर जहां गृह प्रवेश के लिए आवास की चाबी सौंपी गई वहीं लखपति दीदीयों का सम्मान भी किया गया। इसी क्रम में तालापारा, ख्वाजा नगर निवासी अब्दुल नईम को आवास स्वीकृत हुआ। मैकेनिक का कार्य करने वाले नईम ने बताया कि अब उनके परिवार को सुरक्षित छत मिल सकेगी। इसके साथ ही श्री हरनारायण पटेल, शांति देवी और श्रीमती विद्या परिहार को वय वंदन कार्ड के अंतर्गत पाँच लाख रुपये की स्वास्थ्य सहायता का लाभ मिला। सभी हितग्राहियों ने प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इन योजनाओं से उनके जीवन को एक नई उम्मीद और संबल मिला है।

चारधाम यात्रा से मिलते हैं 10 शुभ फल, क्यों है महत्व चारों धाम की यात्रा का

3 मई 2022 मंगलवार से छोटा चार धाम की यात्रा प्रारंभ हो गई है। गंगोत्री, यमुनोत्री, केदारनाथ और बद्रीनाथ की यात्रा को छोटा चार धाम यात्रा कहते हैं। वैसे बड़े चार धाम के नाम है बद्रीनाथ, जगन्नाथ, रामेश्वरम और द्वारिका धाम। चारधाम की यात्रा करने से मिलते हैं 10 शुभ फल। जानिए यात्रा का महत्व।

क्यों महत्व रखता है छोटा चार धाम

उक्त चारों ही स्थान पर दिव्य आत्माओं का निवास माना गया है। यह बहुत ही पवित्र स्थान माने जाते हैं। केदारनाथ को जहां भगवान शंकर का आराम करने का स्थान माना गया है वहीं बद्रीनाथ को सृष्टि का आठवां वैकुंठ कहा गया है, जहां भगवान विष्णु 6 माह निद्रा में रहते हैं और 6 माह जागते हैं। यहां बदरीनाथ की मूर्ति शालग्रामशिला से बनी हुई, चतुर्भुज ध्यानमुद्रा में है। यहां नर-नारायण विग्रह की पूजा होती है और अखण्ड दीप जलता है, जो कि अचल ज्ञानज्योति का प्रतीक है। केदार घाटी में दो पहाड़ हैं- नर और नारायण पर्वत। विष्णु के 24 अवतारों में से एक नर और नारायण ऋषि की यह तपोभूमि है। उनके तप से प्रसन्न होकर केदारनाथ में शिव प्रकट हुए थे। दूसरी ओर बद्रीनाथ धाम है जहां भगवान विष्णु विश्राम करते हैं। कहते हैं कि सतयुग में बद्रीनाथ धाम की स्थापना नारायण ने की थी। भगवान केदारेश्वर ज्योतिर्लिंग के दर्शन के बाद बद्री क्षेत्र में भगवान नर-नारायण का दर्शन करने से मनुष्य के सारे पाप नष्ट हो जाते हैं और उसे जीवन-मुक्ति भी प्राप्त हो जाती है। इसी आशय को शिवपुराण के कोटि रुद्र संहिता में भी व्यक्त किया गया है।

चारधाम यात्रा के 10 शुभ फल

- **पाप हो जाते हैं नष्ट** : इस यात्रा को करने से मनुष्य के सारे पाप नष्ट हो जाते हैं।
- **जन्म मरण से मिलती मुक्ति** : कहते हैं कि इस यात्रा में मृत्यु को प्राप्त हो जाना सबसे शुभ है। व्यक्ति को जीवन-मुक्ति प्राप्त हो जाती है। बद्रीनाथ के बारे में एक कहावत प्रचलित है कि 'जो जाए बदरी, वो ना आए ओदरी'। अर्थात जो व्यक्ति बद्रीनाथ के दर्शन कर लेता है, उसे पुनः उदर यानी गर्भ में नहीं आना पड़ता है। शिव पुराण के अनुसार केदारतीर्थ में पहुंचकर, वहां केदारनाथ ज्योतिर्लिंग का पूजन कर जो मनुष्य वहां का जल पी लेता है, उसका पुनर्जन्म नहीं होता है।
- **बढ़ता है अनुभव** : चारधाम यात्रा से हमें नए-नए अनुभव होते हैं, हमारी स्मृतियां और सोच बढ़ती है। हम शिक्षित होते हैं।
- **प्रकृति के होते हैं दर्शन** : यात्राओं से हम यह देख पाते हैं कि धरती कैसी है, प्रकृति कैसी है, शहर, गांव और कस्बें कैसे हैं।
- **संस्कृति के होते दर्शन** : यात्राओं से हमें भिन्न-भिन्न संस्कृति और धर्म की भाषा, भूषा और भोजन का पता चलता है। यात्राओं से ही जान सकते हैं कि लोग कैसे हैं, उनके विचार कैसे हैं और अततः हम यह निर्णय ले सकते हैं कि हम कैसे हैं। यात्राओं से जीवन में कई तरह के रंग भर जाते हैं।
- **अनुभव का मिलता फायदा** : बहुत से लोग एक शहर छोड़कर दूसरे शहर घूमते रहते हैं। इससे उन्हें पता चलता है कि कहां क्या मिलता है और कितने में मिलता है। ऐसा करके वे अपने शहर में वह व्यापार शुरू कर सकते हैं जो कि उनके शहर में नहीं होता है। ऐसी भी बहुत सारी बाते हैं जो आपके शहर में नहीं हो रही है। यदि आप यात्रा करेंगे तो पता चलेगा कि आपके शहर, गांव या कस्बे में क्या नहीं हो रहा है। जैसे कुछ लोग अमेरिका से सीखकर यहां आते हैं और अपने शहर को कुछ नया देते हैं।
- **आयु वृद्धि** : तीर्थ यात्रा में अक्सर पैदल चलना होता है। पैदल चलने से शरीर सुगठित और पुष्ट होता है। जंघा, भुजा, नाड़ी और मांस पेशियां परिपुष्ट हो जाती है। तीर्थ यात्रा करने से व्यक्ति को हर तरह की जलवायु का सामना करना होता है जिसके चलते वह सेहतमंद बनता है और नए नए अनुभव प्राप्त करता है। पहाड़ों पर शुद्ध हवा से नए जीवन का संचार होता है। आयु में वृद्धि होती है।
- **वंश को जानने का मिलता मौका** : तीर्थ यात्रा के दौरान व्यक्ति अपने देश और धर्म को जानने का प्रयास करता है। तीर्थ पुरोहित, पंडा से मिलकर अपने कुल खानदान को जानता है। तपस्वी, मनस्वी, साधु, संत आदि के आश्रमों में रुकने का मौका मिलता है। उनके आश्रम में नहीं ठहरते हैं तो उनसे मिलने का मौका मिलता है जिसके चलते मानसिक लाभ मिलता है।
- **जीवन का लक्ष्य और उद्देश्य** : हिन्दू धर्म में चार धर्मों की तीर्थ यात्रा करने के महत्व के संबंध में विस्तार से उल्लेख मिलता है। इसके माध्यम से व्यक्ति देश के संपूर्ण लोगों, उनकी संस्कृति, भाषा, इतिहास, धर्म और परंपरा आदि से परिचित ही नहीं होता बल्कि वह अपने भीतर बौद्धिकता और आत्मज्ञान के रास्ते भी खोल लेता है। तीर्थ यात्रा करने से व्यक्ति में खुद के बारे में, लोगों के बारे में समझने की बुद्धि का विकास तो होता ही है साथ ही उसे अपने जीवन का लक्ष्य और उद्देश्य भी पता चलता है। अक्सर लोग जीवन के अंतिम पड़ाव में तीर्थ यात्रा पर जाते हैं लेकिन जो जवानी में गया समझो उसने ही सबकुछ पाया। वही परिपक्व और अनुभवी व्यक्ति है।

क्यों करते हैं तीर्थ यात्रा

- मोक्ष के लिए करते हैं तीर्थ दर्शन
- तीर्थ मार्ग में सत्संग से मिलता ज्ञान।
- जीवन का सत्य पचा चलता है।

तीर्थ यात्रा में यह 14 काम हरगिज न करें पुण्य के बजाय मिलेगा पाप

हिन्दू धर्म में तीर्थ यात्रा करने का खासा महत्व है। तीर्थ करने के कई सांसारिक और आध्यात्मिक लाभ मिलते हैं। कई लोग तीर्थ यात्रा पर जाते हैं लेकिन उन्हें तीर्थ यात्रा करने के नियम नहीं मालूम रहते हैं। वहां जाकर वे ऐसे कार्य करते हैं जो कि तीर्थक्षेत्र में वर्जित माने गए हैं। आओ जानते हैं कि तीर्थ क्षेत्र में कौनसे 14 कार्य हरगिज नहीं करना चाहिए। तीर्थ यात्रा करने समय इन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

- तीर्थ यात्रा के दौरान जप, तप और दान करना चाहिए। जो ऐसा नहीं करता है वह रोग और दोष का भागीदार बनता है।
- दूसरी जगह किया गया पाप तीर्थ यात्रा में नष्ट हो जाता है लेकिन तीर्थ में किया गया पाप कभी नष्ट नहीं होता है।
  अन्यत्र हिकृतं पापं तीर्थ मासाद्य नश्यति।
  तीर्थेषु यत्कृतं पापं वज्रलेपो भविष्यति।
- पत्नि या पति को छोड़कर किए गए तीर्थ का पुण्य फल प्राप्त नहीं होता है। पत्नी के होते या पति के जिंदा रहते उन्हें छोड़कर अकेले तीर्थ नहीं किया जाता।
- तीर्थ यात्रा के दौरान या तीर्थक्षेत्र में किसी भी प्रकार का व्यसन करना या मांसाहार का सेवन करने से पाप लगता है।
- तीर्थ परिक्रमा या मंदिर परिक्रमा करते वक्त अधूरी परिक्रमा नहीं करना चाहिए और भगवान के सामने या तीर्थ के प्रमुख पड़ाव पर रुककर परिक्रमा करना चाहिए।
- तीर्थ क्षेत्र में या मंदिर में भगवान के समक्ष या श्रीविग्रह समक्ष पैर पसारकर बैठना अशुभ माना जाता है। इससे पाप लगता है। श्रीविग्रह के सामने जोर से बोलना और सांसारिक वार्तालाप करना भी मना है।
- तीर्थ में नदी या मूर्ति के सामने सोना और घुटनों को ऊंचा करके उनको हाथों से लपेटकर नहीं बैठना चाहिए। मूर्ति के सामने चिल्लाना और कलह करना, अश्लील शब्द बोलना पाप है।
- तीर्थ यात्रा के दौरान या तीर्थक्षेत्र में झूठ बोलना पाप माना जाता है जिससे तीर्थ का फल नहीं मिलता है।
- भगवान को निवेदित किए बिना किसी भी वस्तु को नहीं खाना-पीना चाहिए यानी भोग लगाए ही भोजन करना या उपयोग में लाने से बचे हुए भोजन को भगवान के लिए निवेदन करना पाप है और ऋतु फल खाने से पहले भगवान को जरुर चढ़ाएं।
- अपने या अपने परिवार के सदस्यों के ही रुपयों से तीर्थ करना चाहिए।
- पैरों में खड़ाऊ पहनकर या सवारी चढ़कर तीर्थ के मुख्य क्षेत्र या मंदिर में नहीं जाना चाहिए।
- अशौच अवस्था में तीर्थ या मंदिर में नहीं जाते हैं। तीर्थ के मंदिर में बगैर शुद्धकरण के दाखिल होना पाप है।
- किसी को कोसना, किसी की निंदा या स्तुति करना, रोना या जोर जोर से हंसना, किसी को दंड देना, आत्म-प्रशंसा करना, देवताओं को कोसना आदि भी पाप है।
- पलंग लगाकर सोना, कंबल ओढ़कर बैठना, अधोवायु का त्याग करना, आरती के समय उठकर चले जाना, एक हाथ से प्रणाम करना, शक्ति रहते हुए गौण उपचारों से पूजा करना, मुख्य उपचारों का प्रबन्ध न करना, मंदिर के सामने से निकलते हुए प्रणाम न करना। भजन-कीर्तन आदि के दौरान किसी भी भगवान का वेश बनाकर खुद की पूजा करवाना, मूर्ति के ठीक सामने खड़े होना, मंदिर से बाहर निकलते वक्त भगवान को पीठ दिखाकर बाहर निकलना, मंदिर में रुपये या पैसे फेंकना आदि सभी पाप है।

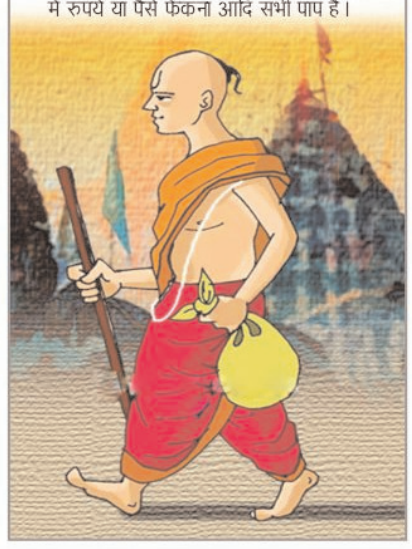

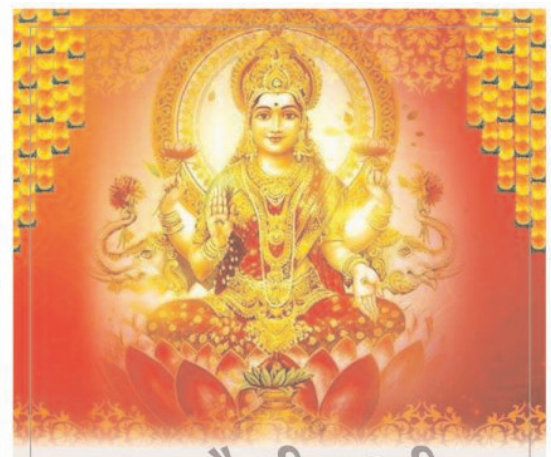

वरदान है श्री लक्ष्मी सूक्त पाठ, धन, धान्य, सुख, ऐश्वर्य की प्राप्ति के लिए जरूर पढ़ें

श्री लक्ष्मीसूक्तम पाठ
पद्मानने पद्मिनि पद्मपत्रे पद्मप्रिये पद्मदलायताक्षि।
विश्वपरिये विश्वमनोनुकूले त्वत्पादपद्मं मयि सन्निधत्स्व।
हे लक्ष्मी देवी! आप कमलमुखी, कमल पुष्प पर विराजमान, कमल-दल के समान नेत्रों वाली, कमल पुष्पों को पसंद करने वाली हैं। सृष्टि के सभी जीव आपकी कृपा की कामना करते हैं। आप सबको मनोनुकूल फल देने वाली हैं। हे देवी! आपके चरण-कमल सदैव मेरे हृदय में स्थित हों।
पद्मानने पद्मऊरू पद्माक्षी पद्मसम्भवे।
तन्मे भजसिं पद्माक्षि येन सौख्यं लभाम्यहम।।
हे लक्ष्मी देवी! आपका श्रीमुख, ऊरु भाग, नेत्र आदि कमल के समान हैं। आपकी उत्पत्ति कमल से हुई है। हे कमलनयनी! मैं आपका स्मरण करता हूँ, आप मुझ पर कृपा करें।
अश्वदायी गोदायी धनदायी महाधने।
धनं मे जुष तां देवि सर्वाकामांश्च देहि मे।
हे देवी! अश्व, गौ, धन आदि देने में आप समर्थ हैं। आप मुझे धन प्रदान करें। हे माता! मेरी सभी कामनाओं को आप पूर्ण करें।
पुत्र पौत्र धनं धान्यं हस्त्यश्वादिगवेरथम।
प्रजानां भवसी माता आयुष्मंतं करोतु मे।
हे देवी! आप सृष्टि के समस्त जीवों की माता हैं। आप

मुझे पुत्र-पौत्र, धन-धान्य, हाथी-घोड़े, गौ, बैल, रथ आदि प्रदान करें। आप मुझे दीर्घ-आयुष्य बनाएँ।
धनमाग्नि धनं वायुर्धनं सूर्यो धनं वसु।
धन मिंद्रो बृहस्पतिर्वरुणां धनमस्तु मे।
हे लक्ष्मी! आप मुझे अग्नि, धन, वायु, सूर्य, जल, बृहस्पति, वरुण आदि की कृपा द्वारा धन की प्राप्ति कराएँ।
वैनतेय सोमं पिव सोमं पिवतु वृत्रहा।
सोमं धनस्य सोमिनो महयं ददातु सोमिनः।
हे वैनतेय पुत्र गरुड़! वृत्रासुर के वधकर्ता, इंद्र, आदि समस्त देव जो अमृत पीने वाले हैं, मुझे अमृतयुक्त धन प्रदान करें।
न क्रोधो न च मात्सर्यं न लोभो नाशुभामतिः।
भवन्ति कृतपुण्यानां भक्तानां सूक्त जापिनाम।।
इस सूक्त का पाठ करने वाले की क्रोध, मत्सर, लोभ व अन्य अशुभ कर्मों में वृत्ति नहीं रहती, वे सत्कर्म की ओर प्रेरित होते हैं।
सरसिजनिलये सरोजहस्ते धवलतरांशुक गंधमाल्यशोभे।
भगवति हरिवल्लभे मनोज्ञे त्रिभुवनभूतिकरी प्रसीद महयम।।
हे त्रिभुवनेश्वरी! हे कमलनिवासिनी! आप हाथ में कमल धारण किए रहती हैं। श्वेत, स्वच्छ वस्त्र, चंदन व माला से युक्त हे विष्णुप्रिया देवी! आप सबके मन की जानने वाली हैं। आप मुझ दीन पर कृपा करें।
विष्णुपत्नीं क्षमां देवीं माधवीं माधवप्रियाम।
लक्ष्मीं प्रियसखीं देवीं नमाम्यच्युतवल्लभाम।
भगवान विष्णु की प्रिय पत्नी, माधवप्रिया, भगवान अच्युत की प्रेयसी, क्षमा की मूर्ति, लक्ष्मी देवी मैं आपको बारंबार नमन करता हूँ।
महादेव्यै च विद्महे विष्णुपत्न्यै च धीमहि।
तन्नो लक्ष्मीः प्रचोदयात
हम महादेवी लक्ष्मी का स्मरण करते हैं। विष्णुपत्नी लक्ष्मी हम पर कृपा करें, वे देवी हमें सत्कार्यों की ओर प्रवृत्त करें।
चंद्रप्रभां लक्ष्मीमेशानीं सूर्याभांलक्ष्मीमेश्वरीम।
चंद्र सूर्याग्निसंकाशां श्रिय देवीमुपास्महे।
जो चंद्रमा की आभा के समान शीतल और सूर्य के समान परम तेजोमय हैं उन परमेश्वरी लक्ष्मीजी की हम आराधना करते हैं।
श्रीर्वर्चस्वमायुष्यमारोग्यमाभिधाच्छ्रोभमानं महीयते।
धान्य धनं पशु बहु पुत्रलाभम सत्संवत्सरं दीर्घमायुः।
इस लक्ष्मी सूक्त का पाठ करने से व्यक्ति श्री, तेज, आयु, स्वास्थ्य से युक्त होकर शोभायमान रहता है। वह धन-धान्य व पशु धन सम्पन्न, पुत्रवान होकर दीर्घायु होता है।

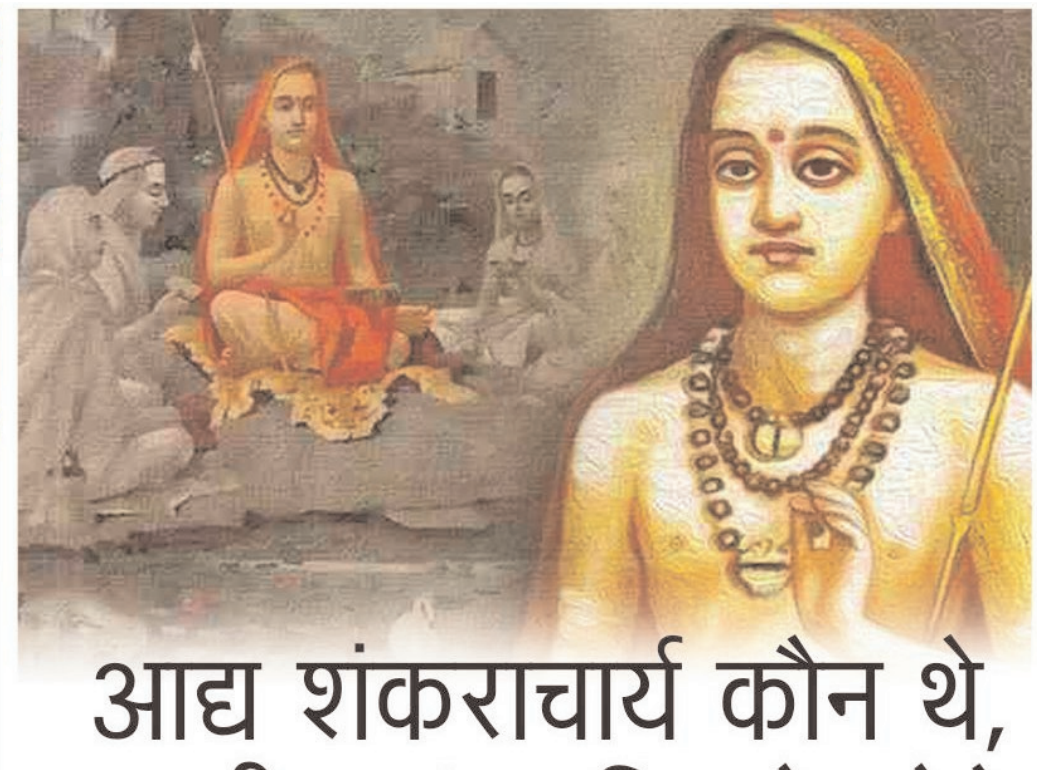

आद्य शंकराचार्य कौन थे, भारतीय संस्कृति को जोड़े रखने में उनका योगदान

महर्षि दयानंद सरस्वती जी ने अपनी पुस्तक सत्यार्थ प्रकाश में लिखा है कि आदि शंकराचार्यजी का काल लगभग 2200 वर्ष पूर्व का है। दयानंद सरस्वती जी 138 साल पहले हुए थे। इस वक्त अंग्रेजी वर्ष 2022 चल रहा है और विक्रम संवत 2079 चल रहा है। विक्रम संवत इससे 57 वर्ष पूर्व प्रारंभ हुआ था। इस वक्त कलि संवत 5123 चल रहा है। युधिष्ठिर संवत कलि संवत से 38 वर्ष पूर्व प्रारंभ हुआ था। मतलब इस वक्त युधिष्ठिर संवत 5162 चल रहा है। आदि शंकराचार्य का जन्म केरल के मालाबार क्षेत्र के कालड़ी नामक स्थान पर नम्बूद्री ब्राह्मण शिवगुरु एवं आर्याम्बा के यहां हुआ था और वे 32 वर्ष तक ही जीए थे। 788 ईस्वी में जिन शंकराचार्य का जन्म हुआ था वे अभिनव शंकराचार्य थे।

चार धामों में चार मठ की स्थापना

आदि शंकराचार्य ने चार मठों की स्थापना की थी। उत्तर दिशा में उन्होंने बद्रिकाश्रम में ज्योर्तिमठ की स्थापना की थी। यह स्थापना उन्होंने 2641 से 2645 युधिष्ठिर संवत के बीच की थी। इसके बाद पश्चिम दिशा में द्वारिका में शारदामठ की स्थापना की थी। इसकी स्थापना 2648 युधिष्ठिर संवत में की थी। इसके बाद उन्होंने दक्षिण में श्रंगेरी मठ की स्थापना भी 2648 युधिष्ठिर संवत में की थी। इसके बाद उन्होंने पूर्व दिशा में जगन्नाथ पुरी में 2655 युधिष्ठिर संवत में गोवर्धन मठ की स्थापना की थी। आप इन मठों में जाएंगे तो वहां इनकी स्थापना के बारे में लिखा जान लेंगे। आदि शंकराचार्य के समय जैन राजा सुधनवा थे।

दशनामी संप्रदाय

शंकराचार्य ने ही हर क्षेत्र के हिन्दुओं को संगठित करने और जातिवाद को समाप्त करने के लिए दसनामी सम्प्रदाय की स्थापना की थी। यह दस संप्रदाय निम्न हैं:- 1.गिरि, 2.पर्वत और 3.सागर। इनके ऋषि हैं भ्रगु। 4.पुरी, 5.भारती और 6.सरस्वती। इनके ऋषि हैं शांडिल्य। 7.वन और 8.अरण्य के ऋषि हैं काश्यप। 9.तीर्थ और 10.आश्रम के ऋषि अवगत हैं। इन्हीं संप्रदाय को आजकल संत संप्रदाय माना जाता है जिनके 13 अखाड़े कुंभ में स्नान करते हैं। शंकराचार्य ने हिंदू धर्म को व्यवस्थित करने का भरपूर प्रयास किया।

शंकराचार्य के चार शिष्य

1.पद्मपाद (सनन्दन), 2.हस्तामलक 3.मंडन मिश्र 4.तोटक (तोटकाचार्य)। माना जाता है कि उनके ये शिष्य चारों वर्णों से थे।

नागा परंपरा

दशनामियों के दो कार्यक्षेत्र निश्चित किए- पहला शस्त्र और दूसरा शास्त्र। यह भी कहा जाता है कि शंकराचार्य के सुधारवाद का तत्कालीन समाज में खूब विरोध भी हुआ था और साधु समाज को उग्र और हिंसक साम्प्रदायिक विरोध से जूझना पड़ता था। काफी सोच-विचार के बाद शंकराचार्य ने वनवासी समाज को दशनामी परम्परा से जोड़ा, ताकि उग्र विरोध का सामना किया जा सके। वनवासी समाज के लोग अपनी रक्षा करने में समर्थ थे, और शस्त्र प्रवीण भी। इन्हीं शस्त्रधारी वनवासियों की जमात नागा साधुओं के रूप में सामने आई। ये नागा जैन और बौद्ध धर्म भी सनातन हिन्दू परम्परा से ही निकले थे। वन, अरण्य, नामधारी संन्यासी उड़ीसा के जगन्नाथपुरी स्थित गोवर्धन पीठ से संयुक्त हुए।

अखाड़ों की परंपरा

इन मठाम्नायों के साथ अखाड़ों की परम्परा भी लगभग इनकी स्थापना के समय से ही जुड़ गई थी। चारों पीठों की देशभर में उपपीठ स्थापित हुई। कई शाखाएं-प्रशाखाएं बनीं, जहां धूनि, मढ़ी अथवा अखाड़े जैसी व्यवस्थाएं बनीं। जिनके जरिए, स्वयं संन्यासी पोथी, चोला का मोह छोड़ कर, थोड़े समय के लिए शस्त्रविद्या सीखते थे, साथ ही आमजन को भी इन अखाड़ों के जरिए आत्मरक्षा के लिए सामरिक कलाएं सिखाते थे। हिन्दुओं की आश्रम परम्परा के साथ अखाड़ों की परंपरा भी प्राचीनकाल से ही रही है। अखाड़ों का आज जो स्वरूप है उस रूप में पहला अखाड़ा 'अखंड आह्वान अखाड़ा' सन् 547 ई.में सामने आया। इसका मुख्य कार्यालय काशी में है और शाखाएं सभी कुम्भ तीर्थों पर हैं। मध्यकाल मे चारों पीठों से जुड़ी दर्जनों पीठिकाएं सामने आईं, जिन्हें मठिका कहा गया। इसका देशज रूप मढ़ी प्रसिद्ध हुआ। देशभर में दशनामियों की ऐसी कुल 52 मढ़ियां हैं, जो चारों पीठों द्वारा नियंत्रित हैं। इनमें सर्वाधिक 27 मठिकाएं गिरि दशनामियों की हैं, 16 मठिकाओं में पुरी नामधारी संन्यासी के अधीन हैं, 4 मढ़ियों में भारती नामधारी दशनामियों का वर्चस्व है और एक मढ़ी लामाओं की है। साधुओं में दंडी और गोसाईं दो प्रमुख भेद भी हैं। तीर्थ, आश्रम, भारती और सरस्वती दशनामी, दंडधर साधुओं की श्रेणी में आते हैं जबकि बाकी गोसाईं कहलाते हैं।

शंकराचार्य का दर्शन

शंकराचार्य के दर्शन को अद्वैत वेदांत का दर्शन कहा जाता है। शंकराचार्य के गुरु दो थे। गौडपादाचार्य के वे प्रशिष्य और गोविंदपादाचार्य के शिष्य कहलाते थे। शंकराचार्य का स्थान विश्व के महान दार्शनिकों में सर्वोच्च माना जाता है। उन्होंने ही इस ब्रह्म वाक्य को प्रचारित किया था कि 'ब्रह्म ही सत्य है और जगत माया।' आत्मा की गति मोक्ष में है। अद्वैत वेदांत अर्थात उपनिषदों के ही प्रमुख सूत्रों के आधार पर स्वयं भगवान बुद्ध ने उपदेश दिए थे। उन्हीं का विस्तार आगे चलकर माध्यमिका एवं विज्ञानवाद में हुआ। इस औपनिषद अद्वैत दर्शन को गौडपादाचार्य ने अपने तरीके से व्यवस्थित रूप दिया जिसका विस्तार शंकराचार्य ने किया। वेद और वेदों के अंतिम भाग अर्थात वेदांत या उपनिषद में वह सभी कुछ है जिससे दुनिया के तमाम तरह का धर्म, विज्ञान और दर्शन निकलता है।

शंकराचार्य परंपरा की शुरुआत

उन्होंने साधु समाज की अनादिकाल से चली आ रही धारा को पुनर्जीवित कर चार धाम की चार पीठ का गठन किया जिस पर चार शंकराचार्यों की परम्परा की शुरुआत हुई। इस छोटी-सी उम्र में ही उन्होंने भारतभर का भ्रमण कर हिंदू समाज को एक सूत्र में पिरोने के लिए चार मठों ही स्थापना की। चार मठ के शंकराचार्य ही हिंदुओं के केंद्रिय आचार्य माने जाते हैं, इन्हीं के अधिन अन्य कई मठ हैं। हिंदू साधुओं के नाम के आगे स्वामी और अंत में उसने जिस संप्रदाय में दीक्षा ली है उस संप्रदाय का नाम लगाया जाता है, जैसे- स्वामी अवधेशानंद गिरि।
शंकराचार्य ने सुप्रसिद्ध ब्रह्मसूत्र भाष्य के अतिरिक्त ग्यारह उपनिषदों पर तथा गीता पर भाष्यों की रचनाएं की एवं अन्य महत्वपूर्ण ग्रंथों स्तोत्र-साहित्य का निर्माण कर वैदिक धर्म एवं दर्शन को पुनः प्रतिष्ठित करने के लिए अनेक श्रमण, बौद्ध तथा हिंदू विद्वानों से शास्त्रार्थ कर उन्हें पराजित किया।
शंकराचार्य ने केदारनाथ से कामाख्या तक और सोमनाथ से रामेश्वरम तक के सभी मंदिरों के जिर्णोद्धार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

देह त्याग

आदि शंकराचार्य के समय जैन राजा सुधनवा थे। उनके शासन काल में उन्होंने वैदिक धर्म का प्रचार किया। उन्होंने उस काल में जैन आचार्यों को शास्त्रार्थ के लिए आमंत्रित किया। राजा सुधनवा ने बाद में वैदिक धर्म अपना लिया था। राजा सुधनवा का ताम्रपत्र आज उपलब्ध है। यह ताम्रपत्र आदि शंकराचार्य की मृत्यु के एक महीने पहले लिख गया था। शंकराचार्य के सहपाठी चित्तसुखाचार्या थे। उन्होंने एक पुस्तक लिखी थी जिसका नाम है बृहतशंकर विजय। हालांकि वह पुस्तक आज उसके मूल रूप में उपलब्ध नहीं हैं लेकिन उसके दो श्लोक है। उस श्लोक में आदि शंकराचार्य के जन्म का उल्लेख मिलता है जिसमें उन्होंने 2631 युधिष्ठिर संवत में आदि शंकराचार्य के जन्म की बात कही है। गुरुरत्न मालिका में उनके देह त्याग का उल्लेख मिलता है। केदारनाथ मंदिर के पीछे उनकी समाधी है।

भाजपा सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम को लेकर शहर मंडल बेमेतरा की हुई बैठक

बेमेतरा। भारतीय जनता पार्टी द्वारा आयोजित होने वाले सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत भाजपा शहर मंडल बेमेतरा द्वारा विधायक निवास कार्यालय में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में विधायक दीपेश साहू मुख्य अतिथि एवं प्रमुख उपस्थित रहे। बैठक में कई पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं स्थानीय प्रतिनिधि उपस्थित रहे। विधायक दीपेश साहू ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा की हम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आवाहन के अनुरूप उनके जन्मदिन को सेवा पखवाड़ा के रूप में मनाकर देश-जनता के प्रति अपना योगदान देंगे। संगठन के दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए प्रत्येक बूथ एवं शक्ति केंद्र तक सेवा कार्यों को पहुँचाना हमारा प्रमुख लक्ष्य है। हमें सेवा, स्वच्छता, स्वास्थ्य और सामाजिक सौहार्द्र को जन-जन तक पहुंचाना होगा और सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम पंक्ति तक सुनिश्चित करना होगा। बरसात के बावजूद आपने बैठक में सक्रिय उपस्थित होकर संगठन के आदेशों का पालन कर दिखाया, यही समर्पण आने वाले सेवा अभियानों की सफलता की कुंजी है। मैं आप सबसे आग्रह करता हूँ कि 17 सितम्बर से 02 अक्टूबर तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर स्वच्छता अभियान, स्वास्थ्य शिविर, वृक्षारोपण व एक-एक पेड़ 'माँ के नाम' कार्यक्रम का भव्य आयोजन सुनिश्चित करें। साथ ही 25 सितम्बर, 2 अक्टूबर व विजय दशमी के अवसरों पर भी हम सामाजिक सौहार्द्र और सेवा भाव के साथ कार्यक्रम मनाएँगे।

बैठक में लिए गए मुख्य निर्णय एवं कार्यक्रम रूपरेखा

17 सितम्बर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्मदिवस (सेवा दिवस) आसपास के स्वास्थ्य केंद्र, बस स्टैंड, स्कूल भवन आदि में स्वच्छता अभियान, स्वास्थ्य शिविर, रक्तदान शिविर व वृक्षारोपण (एक पेड़ माँ के नाम) आयोजित किया जाएगा। 25 सितम्बर पं. दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर आयोजन। 2 अक्टूबर महात्मा गाँधी व पूर्व प्रधानमंत्री स्व. लाल बहादुर शास्त्री की जयंती तथा विजय दशमी को सामाजिक सौहार्द्र व विजय दिवस के रूप में मनाना। प्रत्येक बूथ व शक्ति केंद्र पर कार्यक्रमों के प्रभारी निर्धारित किये जायेंगे। सेवा, स्वच्छता, स्वास्थ्य और जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी अंतिम पंक्ति तक पहुंचाने के लिए विशेष समन्वय रखा जाएगा। बैठक में संगठन की मजबूती, कार्यकर्ताओं की सक्रिय भूमिका और आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर विस्तृत चर्चा हुई। उपस्थित सभी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता कार्यक्रमों को सफल बनाने के प्रति पूर्णतः प्रतिबद्ध रहे। बैठक का संचालन प्रभावी ढंग से डॉ. विनय साहू द्वारा किया गया। बैठक मे सेवा पखवाडा कार्यक्रम के जिला संयोजक नरेंद्र वर्मा, उपसंयोजक हर्ष वर्धन तिवारी, मण्डल संयोजक राजू देवांगन, नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा, नगर पालिका उपाध्यक्ष अशोक शर्मा, शहर मण्डल अध्यक्ष युगल देवांगन, ओबीसी मोर्चा जिलाध्यक्ष राजू देवांगन, पूर्व महेश साहू शहर मण्डल अध्यक्ष मोंटी साहू, पार्षद विकास तम्बोली, गौरव साहू, नीतू कोठारी, निखिल साहू, रवि मुलवानी, राजकुमार खांडे, चांदनी, रोशन दत्ता, खिलेश्वरी, शिव पाटिल, धर्मेंद्र साहू, संदीप यादव, प्रेमलता नेमा, गुप्ता, दोहाई लाल वर्मा, अमृका निर्मलकर, डॉ. विनय साहू, रजनी पाण्डेय, भानूराम साहू, रेवा राम निषाद, मनीष छाबड़ा राकेश वर्मा पप्पू देवांगन, सावित्री रजक अनिल रजक, पोशन वर्मा, गजाधर साहू, परमेश्वर गायकवाड राम अवतार साहू एवं अन्य भाजपा पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

दुर्ग में प्रधानमंत्री आवास योजना से 15 हितग्राहियों को मिला नया घर

केंद्र व राज्य सरकार को धन्यवाद, हितग्राहियों ने जताया आभार

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग में आज प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों को आवास आवंटन की प्रक्रिया पूरी की गई। नगर निगम के डाटा सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में महापौर अलका बाघमार ने स्वयं हितग्राहियों के समक्ष पारदर्शी तरीके से लॉटरी निकालकर 15 लाभार्थियों के नाम घोषित किए। चयनित हितग्राहियों को उनके स्वप्निल आशियाने की सौगात मिली।इस अवसर पर लोक कर्म प्रभारी देव नारायण चंद्राकर, विद्युत विभाग प्रभारी ज्ञानेश्वर ताम्रकार, सहायक अभियंता संजय ठाकुर सहित अन्य मौजूद रहें।

महापौर ने दी बधाई और शुभकामनाएं: महापौर अलका बाघमार ने सभी चयनित 15 हितग्राहियों को बधाई देते हुए कहा कि यह योजना गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों के जीवन में एक नया प्रकाश लेकर आई है। उन्होंने कहा कि अब हर हितग्राही सुरक्षित और सम्मानजनक तरीके से अपने सपनों का घर पा सकेगा। यह सरकार की सबसे महत्वाकांक्षी योजनाओं में से एक है, जिसका लाभ सीधे आमजन को मिल रहा है।

योजना से होगा जीवन स्तर में सुधार-प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत नगर निगम द्वारा समय-समय पर पात्रता के आधार पर चयन प्रक्रिया की जाती है। इस योजना का मूल उद्देश्य जरूरतमंद परिवारों को पक्का और सुविधाजनक आवास उपलब्ध कराना है। महापौर ने कहा कि इससे न केवल आर्थिक बोझ कम होगा, बल्कि हर परिवार अपने बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए सुरक्षित माहौल तैयार कर पाएगा।

केंद्र और राज्य सरकार को धन्यवाद-इस अवसर पर नगर निगम ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और प्रदेश सरकार मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का आभार जताया। महापौर ने कहा कि जनकल्याण की भावना से संचालित इस योजना ने समाज के कमजोर वर्गों को सशक्त बनाने में बड़ी भूमिका निभाई है। उन्होंने उम्मीद जताई कि आने वाले समय में और अधिक हितग्राही इस योजना से लाभान्वित होंगे।

खुश हुए हितग्राही, जताया आभार- लॉटरी में चयनित होने के बाद सभी हितग्राहियों के चेहरे पर खुशी और संतोष झलक रहा था। कई लाभार्थियों ने कहा कि अब उनका भी अपना घर होगा, जिसके लिए वे वर्षों से सपने देख रहे थे। उन्होंने सरकार और नगर निगम के प्रति आभार व्यक्त किया और कहा कि यह योजना वास्तव में गरीब और मध्यम वर्ग के जीवन में खुशियों का संचार कर रही है।

दुर्ग बाफना टोल प्लाजा के पास कंटेनर ने गायों को कुचला

मौके पर ही 8 गायों की मौत,हिन्दू संगठन ने चालक को पकड़ा

लोकतंत्र प्रहरी /दुर्ग। दुर्ग के बाफना टोल प्लाजा के पास मंगलवार की रात एक कंटेनर ने 8 गायों को कुचल दिया जिससे सभी गायों की मौके पर ही मौत हो गई। बताया जा रहा है कि,कंटेनर राजनांदगांव से दुर्ग की ओर आ रही थी उसी दौरान ये हादसा हुआ.

घटना के वक्त मौजूद आसपास के ग्रामीणों के अनुसार कंटेनर तेज गति से आ रहा था। चालक की लापरवाही से सड़क किनारे चल रही गायें उसकी चपेट में आ गईं। आसपास के लोगों ने तुरंत पुलिस और सामाजिक संगठनों को इसकी सूचना दी.

जानकारी मिलते ही विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के पदाधिकारी समेत कई कार्यकर्ता मौके पर पहुंचे। उन्होंने विरोध प्रदर्शन करते हुए कंटेनर चालक को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। उनका कहना था कि लापरवाहीपुर्वक वाहन चलाने पर प्रशासन को कंटेनर चालक के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए।

कार्यकर्ताओं ने प्रशासन की मौजूदगी में मृत गायों को विधिवत दफनाया । कोतवाली थाना पुलिस ने कंटेनर को जब्त कर लापरवाही से वाहन चलाने की धारा के तहत मामला दर्ज कर लिया है और पूछताछ कर रही है ।

बागपत में अखिल भारतीय रेडियो श्रोता सम्मेलन 2025 सम्पन्न, छत्तीसगढ़ के श्रोता-उद्घोषक हुए सम्मानित

भिलाई। अखिल भारतीय रेडियो श्रोता सम्मेलन 2025 का भव्य आयोजन बागपत (उत्तर प्रदेश) में सम्पन्न हुआ। इस आयोजन में देश के 18 राज्यों से लगभग 450 श्रोताओं और 50 उद्घोषक/आरजे ने शिरकत की।

सम्मेलन के विशेष सत्र-सम्मेलन के प्रथम सत्र में मुख्य अतिथि सुदर्शन शाह रहे जबकि अध्यक्षता छत्तीसगढ़ के परसराम साहू 'गुरूजी' ने की। द्वितीय सत्र में विविध भारती की शेफाली कपूर, उर्दू सर्विस के इरफ़ान आज़मी एवं तारिक जमील सहित बरेली, कुरुक्षेत्र, रोहतक, हिसार, सूरतगढ़, रायपुर, जगदलपुर, रेडियो धड़कन और रेडियो बर्फी के प्रसारकों की सहभागिता रही। छत्तीसगढ़ के प्रतिनिधियों का विशेष सम्मान-सम्मेलन में छत्तीसगढ़ से आए वरिष्ठ प्रसारक श्याम वर्मा, शशांक खरे, जगदलपुर के इश्तियाक मीर, आकस्मिक उद्घोषक गायत्री आचार्य, भावना शर्मा, हरिप्रिया पांडेय एवं मर्सी स्वर्णा रानी का विशेष सम्मान किया गया।

इसके साथ ही श्रोता मित्रों में डोमन ठाकुर, दिनेश वर्मा, चंद्रपाल सिंह, बलराम बया, कमलकांत गुप्ता, दुर्गा राम साहू, रोशन देवांगन, हिम्मत सिंह राजपूत, चंदूलाल सिंगरौल, उत्तरा दिवाकर, रिजवान खान, गोविन्द चंद्राकर और बंशीलाल श्रीवास्तव समेत अनेक श्रोताओं को भी सम्मानित किया गया।

राष्ट्रीय परम्परा का विस्तार-गौरतलब है कि रेडियो श्रोता दिवस मनाने की परंपरा छत्तीसगढ़ से ही शुरू हुई थी, जो आज राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर तक पहुँच चुकी है। यह सम्मेलन सामाजिक समरसता, जाति-पांति और सम्प्रदायिक भेदभाव से परे, प्रांत-भाषा-धर्म की विविधता के बीच आपसी सौहार्द और आत्मीयता का प्रतीक रहा।

आबकारी विभाग की बैठक में दिए गए महत्वपूर्ण निर्देश

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह की अध्यक्षता में कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आबकारी विभाग की बैठक आयोजित की गई। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल, सहायक आयुक्त आबकारी सी.आर. साहू तथा दुर्ग जिला के समस्त आबकारी वृत्त प्रभारी अधिकारी एवं आरक्षक, सिक्योरिटी एजेंसी एसआईएस, प्लेसमेंट एजेंसी बीआईएस, कैश कलेक्शन एजेंसी हिताची के प्रतिनिधि उपस्थित थे। बैठक में सभी दुकान कर्मचारियों को निर्धारित यूनिफार्म एवं आईडी नियमित रूप से धारण करने, सेवा सुविधा एप के माध्यम से वेतन भुगतान की पारदर्शी प्रक्रिया का पालन करने, दुकानों में ओवररेट, मिलावट ना होने, गार्ड को दुकान में वर्दी में सजग रूप से कार्य करने, कैश कलेक्शन सुरक्षा के साथ करने, दुकान कर्मचारियों एवं सुरक्षा गार्ड का पुलिस जाँच कराये जाने, वृत्त प्रभारियों द्वारा होटल, ढाबे, बारों की नियमित जाँच करने, मदिरा दुकानों का बेहतर एवं प्रभावी संचालन करने, अन्य प्रांत की मदिरा पर प्रभावी नियंत्रण रखने तथा कलेक्टर न्यायालय से संबंधित प्रकरणों में नोटिस तामील कराया जाकर प्रकरणों का शीघ्रता से निराकरण करने के निर्देश दिए गए।

डॉक्टरों ने किया राष्ट्रीय स्तर पर दुर्ग जिले का नाम रोशन

डॉ. क्षिप्रा, डॉ. श्वेता, डॉ. नेहा और डॉ. स्वाति जैन हुई सम्मानित

लोकतंत्र प्रहरी /छत्तीसगढ़.दुर्ग । तीन फिज़ियोथेरेपिस्ट्स ने राष्ट्रीय स्तर पर दुर्ग जिले का नाम रोशन किया है। नई दिल्ली में आयोजित तीसरे राष्ट्रीय सम्मेलन में दुर्ग की डॉ. क्षिप्रा पाटणकर, डॉ. श्वेता देशलहरा और डॉ. नेहा बत्रा को सर्वश्रेष्ठ जिला पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

उनकों यह सम्मान लोकसभा सदस्य बांसुरी स्वराज और लोकसभा सदस्य राजीव भारद्वाज ने दिया। यह पुरस्कार फिज़ियोथेरेपी के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान और समाज के लिए की गई सेवाओं के लिए दिया गया है। आपको बता दें,स्कूल, स्पोर्ट्स और सोसाइटी के लिए डॉ. क्षिप्रा, डॉ. श्वेता, डॉ. नेहा और डॉ. स्वाति जैन ने आई ए पी डब्लू सी दुर्ग जिला के तहत स्कूल, स्पोर्ट्स और सोसाइटी मॉडल पर कई स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम चलाए इसके अलावा स्कूल विद्यार्थियों के स्वास्थ्य और फिटनेस पर विशेष काम किया गया।

स्पोर्ट्स खिलाड़ियों के लिए चोट प्रबंधन और पुनर्वास पर काम किया एवं समाज में स्वास्थ्य जागरूकता फैलाने और फिज़ियोथेरेपी के लाभ बताए। उनकी यह उपलब्धि दुर्ग जिले के लिए गर्व का विषय है। डॉक्टरों का यह योगदान फिज़ियोथेरेपी के क्षेत्र में मील का पत्थर माना जा रहा है। यह कार्य डॉ. संजीव झा, डॉ. रुचि वाशनी और डॉ. गरिमा तिवारी के मार्गदर्शन में किया गया।

बिजली की दरों को लेकर प्रदर्शन, कांग्रेसियों ने बजाई बीन, फूंका पुतला

राजनांदगांव। प्रदेश की भाजपा सरकार ने बिजली की दरों में जो वृद्धि की है, उसे लेकर हर वर्ग को परेशान होना पड़ रहा है। इसी समस्या को लेकर मंगलवार को ग्राम सुकुलदैहान में कांग्रेसियों ने जोरदार प्रदर्शन किया। यहां उन्होंने पुतला दहन किया और बिन बजाकर सरकार को जगाने की बात कही। इसके अलावा कांग्रेसियों नेकहा कि पूर्व जो छूट किसानों और आम जनता को मिल रही थी, उसे प्रदेश सरकार दोबारा लागू करें। युवा नेता निखिल द्विवेदी ने कहा कि बिजली की दरों में बढ़ोतरी हो जाने के कारण खासकर किसानों को काफी आर्थिक समस्या का सामना करना पड़ रहा है। पंप और बिजली को लेकर उन पर अत्याधिक बिल आ रहा है। इस कारण किसानों को काफी दिक्कत आ रही है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लिए लिखा खून से संदेश

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के कर्मचारियों ने किया अनोखा प्रदर्शन

लोकतंत्र प्रहरी/दुर्ग । राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के कर्मचारियों द्वारा 17 अगस्त से किया जा रहा अनिश्चितकालीन आंदोलन बुधवार को 31वें दिन भी जारी रहा.हर बार की तरह आज विरोध प्रदर्शन अनोखा रहा 17 सितम्बर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 75वां जन्मदिन पर . आंदोलनरत कर्मचारियों ने आंदोलन स्थल पर केक काटा, रक्तदान किया, गरीबों को फल और मिठाई बांटी और अपने खून से प्रधानमंत्री के लिए बधाई संदेश भी लिखा।

इस दौरान जिला अध्यक्ष डॉ. आलोक शर्मा ने बताया कि आज धरना स्थल पर नारेबाजी नहीं की गई बल्कि ÷सेवा समर्पण÷ थीम पर जन्मदिन मनाया गया। इसके अलावा एनएचएम संघ के उपाध्यक्ष डॉ. सत्य संस्कार बारले ने कहा कि कर्मचारियों ने रक्तदान कर जरूरतमंदों की मदद की और गरीबों के बीच फल व मिठाई बांटकर सेवा का संदेश दिया. साथ ही खून से प्रधानमंत्री मोदी को शुभकामना संदेश लिखा .इसके अलावा जिला कोषाध्यक्ष शेखर ताम्रकार ने भी अपनी बात रखी. कहा कि प्रधानमंत्री मोदी को बधाई देने के लिए खून से विशेष संदेश लिखा गया। और अपील भी की है. कि मोदी की गारंटी को शीघ्र पूरा किया जाए।

आपको बता दें, आंदोलनरत एनएचएम कर्मचारी पिछले 31 दिनों से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर बैठे हैं। बर्खास्तगी की चेतावनी और प्रशासनिक दबाव के बावजूद अपनी मांगों को लेकर डटे हुए हैं।

निर्माणाधीन पार्किंग स्थल का निगम आयुक्त द्वारा निरीक्षण कर अतिक्रमण हटाने निर्देशित किया गया

आयुक्त ने सड़क पर लगे पोल से अवैध बैनर-पोस्टर हटाने के दिए निर्देश

भिलाईनगर। नगर पालिक निगम भिलाई जोन क्रमांक-1 अंतर्गत पाइप लाईन, पार्किंग स्थल, निर्माणाधीन नाला सहित गौठान का निरीक्षण आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय द्वारा किया गया। निगम आयुक्त ने फरीद नगर निजामी चौंक का निरीक्षण कर विभाजित डिस्ट्रीब्यूशन पाईप लाईन को सही कराने निर्देशित किए हैं, जिसका कार्य प्रगति पर है। समीपस्थ कबाड़ का सामान सड़क पर रखने वालो पर कार्यवाही करने निर्देशित किया गया है। उक्त कृत्य से मार्ग बाधित होती है और दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। फरीद नगर एवं लक्ष्मी नगर में पर्याप्त पेयजल व्यवस्था हेतु नया पाइप लाईन बिछाया गया है, जिसका निरीक्षण आयुक्त द्वारा किया गया। जनप्रतिनिधियों, आम नागरिकों एवं प्राइवेट एजेंसियों द्वारा सुपेला घड़ी चौंक से गदा चौंक तक डिवाइडरो में लगे पोल में राजनितिक, सामाजिक, धार्मिक बैनर/ पोस्टर लगाया गया है, जिसके कारण सड़क दुर्घटना होने की संभावना बनी रहती है। इस हेतु आयुक्त ने सभी बैनर/पोस्टर को हटाने निर्देशित किए हैं। नगर पालिक निगम भिलाई की ओर से सभी जनप्रतिनिधियों, आम नागरिकों एवं प्राइवेट एजेंसियों से अपील है कि शहर के स्वच्छता एवं सौंदर्यीकरण हेतु इस तरह के होर्डिंग, बैनर एवं पोस्टर का उपयोग बिलकुल न करें। इस तरह के प्रचार-प्रसार हेतु उपयोग किए जाने वाले सामग्रीयों से शहर की खुबसुरती में कमी आती है। महापौर परिषद के बैठक में निर्णय लिया गया है, कि जन्मदिन या कोई भी विशेष समारोह में होर्डिंग, बैनर एवं पोस्टर का उपयोग नहीं करेगें। निगम आयुक्त द्वारा निरीक्षण के दौरान इस कार्यवाही को अभियान के रूप में चलाने निर्देशित किया गया है। इस तरह के कार्यो में संलग्न एजेंसियों के खिलाफनगर निगम की ओर से कारवाई की जाएगी। लक्ष्मी नगर में रोड किनारे पार्किंग स्थल का निर्माण किया जा रहा है। निर्माणाधीन पार्किंग स्थल का निगम आयुक्त द्वारा निरीक्षण कर अतिक्रमण हटाने निर्देशित किया गया है। नेशनल हाईवे से लगा हुआ चंद्रा मोर्या टाकिज चौंक से संजय नगर तालाब तक निर्माणाधीन नाला का निरीक्षण किया गया है। कार्य की समयावधि एवं गुणवत्ता में विशेष ध्यान देने हेतु उप अभियंता पुरूषोत्तम सिन्हा को निर्देशित किए हैं। आयुक्त ने कोसा नगर स्थित गौठान में पशुओ के खाने-पीने एवं चिकित्सा व्यवस्था का अवलोकन किए। गौठान के समतलीकरण करने हेतु जोन आयुक्त अजय सिंह राजपूत को निर्देशित किए है। निरीक्षण के दौरान कार्यपालन अभियंता सुनील जैन, उप अभियंता बसंत देवांगन, चंदन निर्मल, सहायक राजस्व अधिकारी अजय शुक्ला, जोन स्वास्थ्य अधिकारी अंकित सक्सेना, स्वच्छता निरीक्षक कमलेश द्विवेदी उपस्थित रहे।

युवा कांग्रेस ने मनाया राष्ट्रीय बेरोजगारी दिवस

प्रधानमन्त्री के खिलाफगद्दी छोड़ का नारा लगाया

लोकतंत्र प्रहरी /छत्तीसगढ़.दुर्ग। छत्तीसगढ़ प्रदेश युवा कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी एवं राष्ट्रीय सचिव अमित सिंह पठानिया,सह सचिव डॉक्टर मोनिका मंडरे एवं प्रदेश अध्यक्ष आकाश शर्मा प्रभारी नरेंद्र वर्मा के निर्देश पर जिला अध्यक्ष जयंत देशमुख के नेतृत्व में बुधवार को प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन को कांग्रेस ने राष्ट्रीय बेरोजगारी दिवस के रूप में मनाया.इस दौरान जिला युवा कांग्रेस दुर्ग ग्रामीण ने मालवीय चौक पर प्रदर्शन करते हुए वोट चोर रोजगार चोर का नारा लगाया .और बेरोजगारी का मसीहा नरेंद्र मोदी गद्दी छोड़ का नारा भी बुलंद किया, जिसमें सैकड़ों युवा कॉग्रेस कार्यकर्ता शामिल थे।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। Email : loktantraprahrinews@gmail.com